राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 11 जनवरी को मोहाली में...

कुछ लोग 80 साल में भी रिटायर... 12

वर्ष : 14 | अंक : 237 | नई दिल्ली, मंगलवार, 09 जनवरी, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 14°C
न्यूनतम तापमान 10°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	40%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	15%

बाजार

सोना	64,165
चांदी	78,700
सेंसेक्स	71,355
निफ्टी	21,513

मालदीव के खिलाफ एक्शन, इजमाइट्रिप ने कैंसिल की सभी फ्लाइट्स की बुकिंग

राष्ट्र के प्रति एकजुटता का किया दावा, लक्ष्यदीप का प्रचार करने में जुटी कंपनी

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रैवल कंपनी इजमाइट्रिप ने मालदीव जाने वाली सभी फ्लाइट्स बुकिंग कैंसिल कर दी है। भारतीय ट्रैवल कंपनी ने यह निर्णय मालदीव के तीन निलंबित मंत्रियों द्वारा भारत और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की लक्षद्वीप यात्रा से संबंधित अपमानजनक टिप्पणियों के बाद लिया है। इतना ही नहीं ट्रेवल कंपनी मालदीव की जगह अब लक्ष्यदीप का प्रचार-प्रसार करने में जुट गई है। इसके साथ ही लोगों से मालदीव यात्रा का बहिष्कार करने के आग्रह वाले ऑनलाइन अभियान को भी जारी रखे हुए है। भारत के साथ अपनी एकजुटता

व्यक्त करते हुए, भारतीय ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ निशांत पिट्टी ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से घोषणा की कि उनकी कंपनी ने मालदीव के लिए सभी उड़ान संचालन को निलंबित कर दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, हमारे राष्ट्र के साथ एकजुटता दिखाते हुए, इजमाइट्रिप ने मालदीव की सभी उड़ान बुकिंग निलंबित कर दी हैं। गौरतलब है कि ऑनलाइन ट्रैवल समाधान प्रदाता का मुख्यालय नई दिल्ली में है, उन्होंने लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चलो लक्षद्वीप अभियान शुरू किया है। जानकारी के अनुसार प्रशांत पिट्टी ने 4 जनवरी को एक पोस्ट में लक्षद्वीप के सुंदर और विशाल समुद्र तटों की सुंदरता पर जोर दिया और उनकी तुलना मालदीव और सेशेल्स जैसे लोकप्रिय स्थलों से की। उन्होंने घोषणा की कि इजमाइट्रिप लक्षद्वीप को बढ़ावा देने के लिए विशेष ऑफर पेश करेगा, जहां हाल ही में प्रधान मंत्री मोदी ने दौरा किया था। भारत और मालदीव के बीच राजनयिक विवाद के बीच हैशटैग बॉयकॉटमालदीव अभियान चल रहा है। जिसके कारण द्वीप राष्ट्र में भारतीय पर्यटकों की छुट्टियां रद्द होने की खबरें आईं। दरअसल मालदीव की महिला मंत्री मरियम शिउना ने पीएम मोदी को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसके बाद यह सारा विवाद पैदा हुआ। इस मुद्दे को भारत ने मालदीव की मोहम्मद मुइज्जू सरकार के समक्ष उठाया था। माले में भारतीय उच्चायुक्त ने मंत्री की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई थी। भारत की आपत्ति के बाद मालदीव सरकार ने बयान जारी कर कहा था कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है। मंत्री की टिप्पणी मालदीव सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। इस पूरे मामले को बढ़ता देख मालदीव सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए तीन उप मंत्रियों को निलंबित करने की कार्रवाई की। भारत ने इन टिप्पणियों पर मालदीव को अपनी चिंताओं से अवगत कराया, जिसके परिणामस्वरूप जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर दिया गया।

बिलकिस मामले में 11 दोषियों की समयपूर्व रिहाई रद्द, दो सप्ताह में आत्मसमर्पण करने का आदेश

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में अजीवन कारावास की सजा काट रहे 11 दोषियों की 2022 में समयपूर्व रिहाई के गुजरात सरकार के फैसले को अवैध करार देते हुए सोमवार को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने दोषियों को दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति बी.वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि इस मामले में सजामाफी के मुद्दे पर फैसला लेना गुजरात सरकार के अधिकारक्षेत्र में नहीं आता, इसलिए सजामाफी का उसका फैसला रद्द किया जाता है। पीठ ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई महाराष्ट्र की अदालत में हुई थी, इसलिए सजामाफी पर फैसला लेना वहां की सरकार के अधिकारक्षेत्र में आता है। गुजरात सरकार की 1992 की माफी नीति के तहत बाकाभाई वोहानिया, जसवंत नाई, गोविंद नाई, शैलेश भट्ट, राधेश्याम शाह, विपिन चंद्र जोशी, केशरभाई वोहानिया, प्रदीप मोढ़वाडिया, राजूभाई

सोनी, मितेश भट्ट और रमेश चांदना को 15 अगस्त 2022 को गोधरा उप कारागर से रिहा कर दिया गया था। रिहा करने के फैसले को अदालत में चुनौती दी गई थी। शीर्ष न्यायालय ने बिलकिस की याचिका और अन्य की याचिकाओं सुनवाई पूरी होने के बाद 12 अक्टूबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा था कि अपराध ह्यभयानकह्न है, लेकिन वह ह्यभावनाओं मेंह्न नहीं आएगी और केवल कानून के आधार पर इस मामले में फैसला करेगी। न्यायालय ने तब यह भी कहा था कि गुजरात सरकार इस मामले में अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करेगी, क्योंकि वहां अपराध हुआ था। बिलकिस ने नवंबर 2022 में अदालत का दरवाजा खटखटाया। अपनी याचिका में उन्होंने दलील दी थी कि यह 'सबसे भयानक अपराधों में से एक था।' एक विशेष समुदाय के प्रति नफरत से प्रेरित अत्यधिक अमानवीय हिंसा और क्रूरता थी। बिलकिस के अलावा सीपीआई (एम) नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लौल और लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूप रेखा वर्मा और निष्कासित टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी दोषियों को दी गई छूट के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकताओं ने दावा किया कि अगस्त 2022 में दोषियों को रिहा करने का आदेश मनमाना, दुर्भावनापूर्ण और पक्षपातपूर्ण था। इसके उलट, दोषियों ने दावा किया था कि एक बार जेल से रिहा होने के बाद संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिकाओं के मद्देनजर उनकी स्वतंत्रता को प्रभावित नहीं किया जा सकता और न ही इसमें हस्तक्षेप किया जा सकता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत भी पीड़ितों और शिकायतकताओं की सीमित भूमिका होती है। एक बार सजा सुनाए जाने के बाद पीड़ित की भूमिका समाप्त हो जाती है।

पैक्स के माध्यम से गांव के लोगों को भी मिलेगी सस्ती दवा: अमित शाह

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि अब प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भी सस्ती दवा उपलब्ध कराई जाएगी। मोदी सरकार ने पैक्स के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र खोलने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण भारत को भी सस्ती दवा उपलब्ध कराई जा सकेगी। सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित 'राष्ट्रीय पैक्स महासंगोष्ठी' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से लोगों को रियायती दरों पर जेनेरिक दवा उपलब्ध कराई जा रही हैं। जन औषधि केन्द्र की वजह से अभी तक लोगों की 26 हजार करोड़ रुपये बचत हो चुकी है।

शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय आने वाले समय में दो लाख पैक्स बनाने की दिशा में काम कर

रहा है। पैक्स सहकारिता आंदोलन की रीढ़ की तरह है। पैक्स के माध्यम से पेट्रोल पंप खोलने से लेकर रेलवे की टिकट करने तक और राशन की दुकान से लेकर रासायनिक खाद बेचने का कार्य किया जा रहा है। पैक्स को अभी तक कुल 22 सेवाओं के लिए चुना गया है। पैक्स अनाज भंडारण से लेकर किसानों को रासायनिक खाद छिड़काव के लिए ड्रोन उपलब्ध कराने का कार्य भी करेंगे। देशभर में 28 हजार पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) बन चुकी हैं। ये पैक्स राज्य और केन्द्र की लगभग 300 से अधिक सेवाओं को लोगों तक पहुंचा रही हैं।

शाह ने कहा कि देशभर से 4400 से अधिक पैक्स की तरफ से भारत सरकार की औषधि विभाग के पोर्टल पर जन औषधि केन्द्र खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है। जिनमें से 2300 से अधिक समितियों को प्राथमिक अनुमोदन प्राप्त हो चुके हैं और 146 पैक्स/सहकारी समितियां जन औषधि केन्द्रों के रूप में कार्य करने के लिए पूर्ण रूप से तैयार भी हो चुकी हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां आम नागरिकों तक पहुंचाई जाती हैं, जो खुले बाजार की ब्रांडेड दवाइयों के मुकाबले 50-90 फीसदी तक सस्ती होती हैं। इन केन्द्रों पर 2000 से अधिक प्रकार की जेनेरिक दवाइयां व लगभग 300 सर्जिकल उपकरण उचित मूल्य पर आम जनता के लिए उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त खबरें

हिट एंड रन: देश में हर घंटे करीब 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली। हिट एंड रन को लेकर बनाए गए नए कानून को लेकर देशभर में बहस छिड़ी हुई है। बस, ट्रक और डंपर चालकों ने कुछ दिन पहले ही इसके विरोध में देशव्यापी हड़ताल कर चुके है। लेकिन इस बीच राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। एनसीआरबी आंकड़ों के मुताबिक हिट एंड रन के मामलों में हर घंटे करीब 6 लोगों की मौत होती है। इतना ही नहीं हिट एंड रन के ही कारण हर रोज करीब 140 लोग अपनी जान गंवा देते हैं। रिपोर्ट का सबसे खराब पहलू यहा है कि हिट एंड रन के करीब 50 फीसदी मामलों में पुलिस आरोपियों की गाड़ियों को ट्रेस ही नहीं कर सकती हैं। यानी घटना के लिए जिम्मेदार गाड़ी चालक मौके से किसी भी तरह भागने में कामयाब हो जाते हैं। गाड़ी ट्रेस ना होने पाने पर आरोपी फरार घोषित हो जाते हैं। जब गाड़ियां ट्रेस नहीं हो प पाती हैं, तब पीड़ित के परिवार को न्याय के साथ-साथ मुआवजा भी नहीं मिल पाता है।

कमल नाथ ने विधायक पद की शपथ ली

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने आज विधानसभा में विधायक की शपथ ली उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में विधायक पद की शपथ ग्रहण कराई। इस दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार उपस्थित रहे। गौरतलब है कि कमल नाथ किन्हीं कारणों से विधानसभा सत्र से अनुपस्थित रहने के चलते विधायक पद की शपथ ग्रहण नहीं कर पाए थे। इसी के चलते उन्हें आज शपथ दिलाई गई है। शपथ ग्रहण करने के बाद विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कमल नाथ ने कहा कि वे अब भी मध्य प्रदेश में ही सक्रिय रहेंगे और दिल्ली जाने का कोई इरादा भी नहीं है।

पुडुचेरी में भारी बारिश ने बढ़ाई परेशानी, स्कूलों में छुट्टी घोषित

पुडुचेरी पुडुचेरी में पिछले 24 घंटे से लगातार जारी बारिश के कारण सोमवार को जनजीवन प्रभावित रहा और स्कूलों एवं कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी ने घोषणा की कि सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश में सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी में पूरवा हवाओं के कम दबाव क्षेत्र के कारण भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण मछुआरे समुद्र में नहीं जा पाए। निचले इलाकों में पानी भर गया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के कई हिस्सों में फसलों को भी नुकसान हुआ है।

दुष्कर्म से बचने के लिए छत से कूदी छात्रा, हालत गंभीर

हरदोई। हरदोई जिले के हरपालपुर इलाके में कथित रूप से दुष्कर्म से बचने के लिए एक छात्रा छत से कूद गयी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने दर्ज शिकायत के हवाले से बताया कि हरपालपुर कस्बे में शनिवार को जब 15 वर्षीय एक छात्रा कोचिंग जा रही थी तभी विशाल नामक युवक उसे बहला-फुसला कर बिल्हौर-कटरा मार्ग पर स्थित अपने घर पर ले गया। छात्रा के भाई ने शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विशाल ने उनकी बहन के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया और उससे बचने के लिए वह छत से कूद गयी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं है।

हमारी आत्मनिर्भरता पर आंच नहीं आना चाहिए: बिग बी

प्रात : किरण/एजेंसी

मुंबई। मालदीव और लक्षद्वीप की खूबसूरती को लेकर बहसशुरू हो चुकी है। इस लेकर देश की बड़ी हस्तियों ने अपनी प्रतिक्रिया देने शुरू कर दी हैं। बॉलीवुड के शाहंशाह अमिताभ बच्चन ने भी मालदीव और लक्षद्वीप पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पीएम नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे के बाद मालदीव और भारत की सरकार आमने-सामने है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद मालदीव के कुछ मंत्रियों ने उनके खिलाफ टिप्पणी की। हालांकि मालदीव सरकार ने मामले को काबू कर मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। लेकिन अब मालदीव और लक्षद्वीप की खूबसूरती को लेकर बहस शुरू हो गई है। दरअसल विवाद पर पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अपने अकाउंट पर लक्षद्वीप की तस्वीरें शेयर की हैं। साथ उन्होंने द्वीप समूह की काफी तारीफ की। सहवाग के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देकर अमिताभ बच्चन ने लिखा, वीरू पाजी..... यह बहुत जरूरी है और हमारी धरती की सही भावना के अनुरूप है .. हमारे अपने लोग सबसे

अच्छे हैं, मैं लक्षद्वीप और अंडमान गया हूं और वे आश्चर्यजनक रूप से सुंदर जगह हैं .. आश्चर्यजनक समुद्र तट और पानी के नीचे का अनुभव है। हम भारत हैं, हम आत्मनिर्भर हैं, हमारी आत्मनिर्भरता पर आंच मत डालिए, जय हिंद। सोशल मीडिया पर बिग बी का पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। बिग बी के फैंस सहित तमाम सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बिग बी से पहले अजय देवगन, अक्षय कुमार, सलमान खान, श्रद्धा कपूर, जॉन अब्राहम सहित कई फिल्मी सितारों ने भी मालदीव और लक्षद्वीप विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि भारत और मालदीव के बीच राजनयिक तनाव हाल के महीनों में बढ़ गया है, खासकर पिछले साल

राजनाथ ने एनसीसी की चार इकाई बढाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और लद्दाख में राष्ट्रीय कैडेट कोर की चार अतिरिक्त इकाईयों के गठन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रस्ताव में उधमपुर, कुपवाड़ा और करगिल में सेना की एक-एक मिश्रित इकाई और उधमपुर में वायु सेना की एक इकाई के गठन की बात कही गयी है। इसके परिणामस्वरूप जम्मू कश्मीर और लद्दाख में कैडेटों की संख्या 12 हजार 860 बढ जायेगी । अभी एनसीसी की कुल 10 इकाईयां हैं।

आबकारी नीति घोटाला: अदालत ने आप सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति 'घोटाले' से संबंधित धन शोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने जांच एजेंसी को नोटिस जारी किया और मामले पर अगली सुनवाई के लिए 29 जनवरी की तारीख तय की। पिछले साल चार अक्टूबर को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए राज्यसभा सदस्य ने धन शोधन मामले में अपनी जमानत याचिका खारिज करने के निचली अदालत के 22 दिसंबर के आदेश को चुनौती दी है। सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने कहा कि वरिष्ठ आप नेता पिछले तीन महीने से हिरासत में हैं और इस अपराध में उनकी कोई भूमिका सामने नहीं आई है। ईडी ने आरोप लगाया है कि सिंह ने अब खत्म हो चुकी आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे कुछ शराब निमार्ताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को धन लाभ हुआ।

सीएम की सक्रियता से अधिकारियों में दहशत : सज्जनसिंह वर्मा

इन्दौर। मध्यप्रदेश के नवमनोनीत मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अपने दौरों के दौरान पाई जाने वाली अव्यवस्थाओं को दुरस्त करने के प्रयास स्वरूप की जा रही कार्यवाही पर मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे सज्जन सिंह वर्मा ने टिप्पणी की है। कांग्रेस नेता ने कहा कि डॉक्टर मोहन यादव जिस तरीके से कार्यवाही कर रहे हैं उनसे अधिकारियों में दहशत है। हालांकि सज्जन सिंह वर्मा की इस टिप्पणी को मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की वर्किंग की तारीफ के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि जहां-जहां सीएम डॉ मोहन यादव ने दौरा किया वहां के लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। पहले गुना के दौरे के बाद गुना के कलेक्टर और एसपी समेत कई अधिकारियों को हटाया गया तो उज्जैन दौरे के बाद उज्जैन में पदस्थ अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। वहीं जबलपुर दौरे के बाद जबलपुर अधिकारियों पर कार्रवाई तो रीवा दौरे के बाद रीवा संभाग आयुक्त हटाया। बता दें कि कांग्रेस में सज्जन सिंह वर्मा को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का करीबी माना जाता हैं। वे कमलनाथ सरकार में लोक निर्माण मंत्री थे। देवास जिले की सोनकच्छ विधानसभा सीट से पूर्व विधायक रह चुके सज्जनसिंह वर्मा हालांकि इस बार के विधानसभा चुनाव में हार गए थे।

मंदिर में भगवान राम के बालरूप की डेढ़ टन की प्रतिमा होगी स्थापित

प्रात : किरण/एजेंसी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मूर्ति को लेकर कहा कि भगवान श्री रामलला की जो मूर्ति बनी है वह बालरूप है। इधर अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। अयोध्या के लोग अपने आराध्य को लेकर उत्साहित हैं और पूरी अयोध्या को विशेष रूप से सजाया जा रहा है।

रामलला की मूर्ति बनकर तैयार हो गई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मूर्ति को लेकर बड़ी बात कही है। एक कार्यक्रम की दौरान उन्हें साफ किया कि जो मूर्ति श्री राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित होगी वह श्यामल रंग की होगी। एक टीवी चैनल ने काफी समय पहले मूर्ति के स्वरूप का खुलासा कर दिया था। इसकी वजह रामचरितमानस और बाल्मीकि रामायण में वर्णित राम के स्वरूप को लेकर थी जिसके आधार पर राम मंदिर ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया है। चैनल ने जो दो बातें बताई थीं उसमें एक यह थी कि कर्नाटक के पत्तों से बनाई जा रही दो श्यामल पत्थरों में से एक मूर्ति श्री राम के गर्भ गृह मंदिर में स्थापित की जाएगी। दूसरा यह बताया था कि जो तीन मूर्तियां बनाई जा रही हैं उसमें से एक गर्भ गृह में स्थापित होगी और बाकी दोनों मूर्तियां मंदिर के दो अलग-अलग स्थल पर स्थापित होंगी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव ने इस पर अब मोहर लगा दी है। चंपत राय ने कहा कि वह भगवान का अवतार हैं विष्णु का अवतार है। एक राजा का बेटा भी है तो राज पुत्र है लेकिन वह 5 वर्ष का बालक है। ऐसी प्रतिमा तैयार हो गई है। तीन मूर्तिकारो ने 3 अलग-अलग पत्थरों पर मूर्ति बनाई हैं उसमें से एक मूर्ति को प्रभु प्रेरणा से स्वीकार कर लिया गया है। चंपत राय ने आगे कहा अगर पैर की उंगली से विचार करें तो आंख की भौत यानि ललाट तक यह मूर्ति चार फीट, 3 इंच की प्रतिमा है लगभग 51 इंच ऊँची है। इसके ऊपर थोड़ा मस्तक, थोड़ा मुकुट, थोड़ा आभामंडल हैं। पूजा विधि 16 जनवरी से शुरू होगी मूर्ति गर्भ ग्रह में अपने आसन पर 18 तारीख को दोपहर तक स्थापित कर देंगे। लगभग डेढ़ टन की मूर्ति है। एकदम पत्थर है श्यामल है।

मायावती ने योगी सरकार से की सुरक्षा बढ़ाने की अपील

पार्टी के कार्यालय को 'सुरक्षित' स्थान पर स्थानांतरित करने का किया आग्रह

प्रात : किरण/एजेंसी

बीएसपी का यूपी सरकार से विशेष अनुरोध है कि मौजूदा पार्टी प्रदेश कार्यालय के बजाय कहीं और सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था की जाए अन्यथा यहां कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सोमवार को योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार से सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उनकी पार्टी के कार्यालय को 'सुरक्षित' स्थान पर स्थानांतरित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि इससे बीजेपी को दलित विरोधी तत्वों से मजबूती से निपटने में मदद मिलेगी। बीएसपी का यूपी सरकार से विशेष अनुरोध है कि मौजूदा पार्टी प्रदेश कार्यालय के बजाय कहीं और सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था की जाए अन्यथा यहां कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है।

साथ ही, इस असुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा सुझाव पर पार्टी प्रमुख को अब पार्टी की अधिकतर बैठकें अपने निवास पर करने को मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि पार्टी दफ्तर में होने वाली बड़ी बैठकों में पार्टी प्रमुख के पहुँचने

पर वहाँ पुल पर सुरक्षाकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ती है। ऐसे हालात में बीएसपी यूपी सरकार से वर्तमान पार्टी प्रदेश कार्यालय के स्थान पर अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था करने का भी विशेष अनुरोध करती है, वरना फिर यहाँ कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। साथ ही, दलित-विरोधी तत्वों से भी सरकार सख़्ती से निपटे, पार्टी की यह भी माँग है।

रिकार्ड 77 सालों में पहली बार पहुंची इतनी बड़ी संख्या

जम्मू-कश्मीर में बीते साल रिकॉर्ड दो करोड़ पर्यटक पहुंचे

प्रात : किरण/एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर से 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद-370 हटाने के बाद चार साल में केंद्र शासित प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। इससे घाटी में रोजगार बढ़े हैं। जम्मू-कश्मीर में पिछले साल रिकॉर्ड दो करोड़ पर्यटक आए। यह पिछले 77 साल में सबसे अधिक है। यह अनुच्छेद-370 हटने के बाद चार साल में केंद्र शासित प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। इससे रोजगार बढ़े हैं। होटल उद्योग फल-फूल रहा है। पिछले वर्ष यहां 100 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रसिद्ध फ्रांसीसी

समाचार पत्र ने कश्मीर के उभरते आकर्षण पर एक रिपोर्ट पेश की है। इसमें इस दशकों के संघर्ष के बाद विदेशी यात्रियों के लिए खुलने वाला एक भूला हुआ स्वर्ग बताया गया है। बेरेनिस डेब्रास ने अपने लेख में श्रीनगर को हिमालय की तलहटी में शांति के स्वर्ग के रूप में चित्रित किया है। वह लिखते हैं, डल झील की खामोशी में घिरी हुई नाव शांत पानी में खूबसूरती से सरकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि समय ने अपनी सांसें रोक ली हैं और पक्षी धीरे-धीरे फुसफुसा रहे हैं। जब सब्जी विक्रेता एक नाव से दूसरी नाव पर बातचीत में लगे होते हैं,तब तैरता हुआ बाजार जीवंत हो उठता है। सदियों पुरानी परंपरा अपरिवर्तित बनी हुई है, कश्मीरी कहवा की सुगंध प्रामाणिक अनुभव प्रदान करती है। प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह जम्मू-कश्मीर के संघर्षग्रस्त अतीत से एक समृद्ध वर्तमान तक की यात्रा को खूबसूरती से दशार्ती है। भूले हुए स्वर्ग को विश्व मंच पर अपनी स्थिति फिर से हासिल करने के रूप में चित्रित किया गया है, जो जादू और आकर्षण के एक नए युग का प्रतीक है।

शांतिकुंज पहुंचे एमपी के सीएम मोहन यादव एवं उत्तराखंड के पूर्व सीएम निशंक

हरिद्वार, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक यहां गायत्री तीर्थ शांतिकुंज पहुंचे। शांतिकुंज व्यवस्थापक महेन्द्र शर्मा ने डॉ. यादव व डॉ. निशंक जी का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व डॉ. निशंक ने शांतिकुंज में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं श्रद्धेया शैलदीदी से भेंट किया और विभिन्न रचनात्मक तथा सृजनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी व श्रद्धेया शैलदीदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं डॉ. निशंक जी का मंगल तिलक कर अभिनंदन किया और समाज के विभिन्न समस्याओं के समाधान परक युगसाहित्य एवं गायत्री महामंत्र लिखित उपवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. पण्ड्या व शैलदीदी ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि नारी सशक्तिकरण, युवा जागरण सहित समाज के नवसृजन में चलाए जाने वाले कार्यक्रमों में अखिल विश्व गायत्री परिवार का सतत सहयोग मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार शांतिकुंज पहुंचे डॉ. यादव एवं हरिद्वार सांसद डॉ. निशंक ने वर्ष 1926 से सतत प्रज्वलित सिद्ध अखंड दीपक का दर्शन कर समाज की खुशहाली हेतु प्रार्थना की। साथ ही युगऋषिद्वय की पावन स्मारक सजल श्रद्धा प्रखर प्रज्ञा में अपनी भावांजलि अर्पित की।

हेमकुंड साहिब बना बर्फविहीन, जमा सरोवर...जनवरी महीने में रहती थी कई फीट तक बर्फ जमीं

जोशीमठ (चमोली), एजेंसी। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया कि जनवरी महीने में इस समय हेमकुंड साहिब में करीब आधा फीट ही बर्फ है जबकि इस समय पूरा हेमकुंड साहिब बर्फ से ढका रहता था। जनवरी महीने में जहां हेमकुंड साहिब में कई फीट तक बर्फ जमी रहती थी, लेकिन इस साल हेमकुंड साहिब के साथ ही आसपास की सभी चोटियां बर्फविहीन बनी हुई हैं। वहीं कड़ाके की ठंड के चलते पवित्र सरोवर पूरी तरह से जम चुका है। हेमकुंड साहिब के कपाट बंद होने के बाद गुरुद्वारे के सेवादार निरीक्षण करने के लिए हेमकुंड साहिब पहुंचे। दल निरीक्षण के बाद गोविंदघाट लौट आया है। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया कि जनवरी महीने में इस समय हेमकुंड साहिब में करीब आधा फीट ही बर्फ है जबकि इस समय पूरा हेमकुंड साहिब बर्फ से ढका रहता था। आसपास की चोटियों में भी दूर-दूर तक बर्फ नजर नहीं आ रही है। ठंड अधिक होने से सरोवर पूरा जमा चुका है।

विधायक और भाजपाईयों ने घर-घर जाकर बांटे अक्षत

ऋषिकेश, एजेंसी। स्थानीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने बड़कोट और आसपास के गांवों में अक्षत, राम मंदिर का चित्र और पत्रक वितरित करते हुए कहा कि राम मंदिर में रामलाला की प्राण प्रतिष्ठा का दिन करोड़ों देशवासियों के लिए जीवन का सबसे बड़ा त्योहार है। इसलिए इस दिन हर घर में दीपोत्सव और खुशियां मननी चाहिए। बडकोट में विजय भट्ट के नेतृत्व में घर-घर अक्षत बांटे गए। भानियावाला वार्ड नंबर 10 में महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आरती लखेड़ा के नेतृत्व में महिला टोली द्वारा अयोध्या से आए अक्षत, राम मंदिर का चित्र व पत्रक वितरित किए गए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, विजय भट्ट, निवर्तमान सभासद ईश्वर रौथाण, मधु बडोला, देवी प्रसाद उनियाल, शोभना कुकरेती, संतोषी बहुगुणा, वंदना कुकरेती आदि मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा तक एक रुपये में हेयर कटिंग करेंगे मनीष

ऋषिकेश, एजेंसी। अयोध्या में रामलला 22 जनवरी को विराजमान होंगे। इस खुशी में रामभक्त मनीष सजवाण अपने सैलून में 22 जनवरी तक महज एक रुपये में हेयर कटिंग करेंगे। उन्होंने दो दिन से सेवा देना भी शुरू कर दिया है। दुर्गा चौक ऋषिकेश रोड स्थित एक सैलून के संचालक मनीष सजवाण ने अपने सैलून में अयोध्या में श्रीराम के विराजमान होने तक लोगों की कटिंग एक रुपये में करना शुरू कर दिया है। मनीष श्री हनुमान चालीसा संगठन के अध्यक्ष भी हैं। दो दिन पहले उन्होंने सेवा शुरू की। प्रतिदिन 20 से 25 लोग सैलून में कटिंग कराने के लिए आ रहे हैं। मनीष सजवाण का कहना है कि भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा होने पर उन्होंने सेवा शुरू की। उनका मकसद समाज को जागरूक करना है। बता दें कि पुरुषों की हेयर कटिंग 40 से 100 रुपये में होती है। कई संगठनों ने मनीष के कार्यों की सराहना की है।

गांधी पार्क के दिन बहुरे, अब दीवारों पर दिखेंगे लोक संस्कृति के रंग

रुद्रपुर, एजेंसी। गांधी पार्क को भव्य सरस मेले के लिए तैयार किया जा रहा है। डीएम की पहल पर पार्क की सूरत भी बदल गई है। बदरंग सा दिखने वाले गांधी पार्क को समतल कर दिया गया है साथ ही दोनों तरफ पैदल चलने वालों के लिए इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने के साथ स्ट्रीट लाइट भी लगाई गई हैं। पार्क की दीवारों पर तराई की लोक संस्कृति पर केंद्रित चित्र उकेरे जा रहे हैं। वहीं पार्क में लगाए गए 181 फीट ऊंचे तिरंगे की देखभाल का जिम्मा नगर निगम संभालेगा। दरअसल गांधी पार्क काफी समय से उपेक्षित पड़ा था। यहां कूड़ा कचरा फैला होने के साथ ही नशेड़ियों का जमघट लगा रहता था। गांधी पार्क में आयोजित होने वाले सरस मेले और उसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगमन को देखते हुए इस पार्क के भी दिन बहुर गए हैं। डीएम उदयराज सिंह ने पार्क की सूरत बदलने का न सिर्फ निर्णय लिया बल्कि लगातार कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। पार्क को दो हिस्से में बांटने वाली दीवार को हटाने के साथ ही वाहं समतलीकरण किया।

मोदी सरकार संविधान और लोकतंत्र को रौंदने वाली सरकार - राजा बहुगुणा

हल्द्वानी, एजेंसी। भाकपा (माले) का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन हल्द्वानी के एक बारात घर में शुरू हुआ। भाकपा माले के केंद्रीय कंट्रोल कमीशन के चेयरमैन कामरेड राजा बहुगुणा ने कहा कि मोदी सरकार संविधान और लोकतंत्र को रौंदने वाली सरकार है। यह सरकार लोकतंत्र को जेब में रखकर संविधान को किनारे करने की नीति पर चल रही है। लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए पूरे देश में जन गोलबंदी हो रही है।

कहा कि 2024 के चुनावों में मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना आज का सबसे जरूरी कार्यभार है। तमाम लोकतांत्रिक संगठनों और लोगों को इसके लिए कमर कसनी होगी। राष्ट्रीय स्तर पर बने इंडिया गठबंधन को निचले स्तर तक ले जाने की जरूरत है। ऐक्टू के राष्ट्रीय महासचिव राजीव डिमरी ने कहा, आरएसएस और भाजपा को हमेशा ही धर्मनिरपेक्ष शब्द से एलर्जी रही है। मोदी सरकार भारत की धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर करने के लिए हरसंभव तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। धर्म का राजनीति के साथ घालमेल किया जा रहा है जो देश हित में नहीं है। सीपीआई के राज्य सचिव जगदीश कुलियाल ने कहा कि वामपंथी एकता को मजबूत करके जनता में व्यापक अभियान चलाते हुए ही भाजपा की फासीवादी सरकार को पीछे धकेला जा सकता है। भाकपा माले के उत्तराखंड राज्य सचिव इंद्रेश मैखुरी ने कहा कि भाजपा का सांप्रदायिक फासीवादी बुलडोजर देश में न्याय संविधान और लोकतंत्र को कुचलने पर उतारू है।

उत्तराखण्ड में ज्योतिष शास्त्र की लम्बी परंपरा और गौरवशाली इतिहास रहा है

प्रात: किरण, संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ज्योतिष महाकुंभ के समापन अवसर पर समारोह में प्रतिभागी रहे ज्योतिषियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी ज्योतिषियों का देवभूमि उत्तराखण्ड में स्वागत करते हुए ज्योतिष जैसे प्राचीन ज्ञान पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में ज्योतिष शास्त्र की लम्बी परंपरा और गौरवशाली इतिहास रहा है। भारत की यह महान भूमि ज्ञान, कर्म, उपासना के साथ-साथ लौकिक और अलौकिक विद्याओं और रहस्यों को उजागर करने वाली भूमि है। हमारे ऋषि-मुनियों ने वेदों द्वारा ज्ञान एवं विज्ञान की उपासना का संदेश दिया, वेदों में पूरे ब्रह्माण्ड का रहस्य समाया है इस रहस्य को जानने के लिए ज्योतिष शास्त्र को जानना अत्यंत आवश्यक है। किसी ने ठीक ही कहा है कि ज्योतिष शास्त्र ब्रह्मांड को समझने का एक रोडमैप है उन्होंने कहा कि वेद, पुराण, उपनिषद आदि महान ग्रंथों की रचना करने वाले ऋषि केवल कर्मकांडी मात्र नहीं थे बल्कि महान वैज्ञानिक थे, जिन्होंने मानव की भलाई के लिए नई-नई वैज्ञानिक मान्यताएं स्थापित की। उन्होंने कहा कि ज्योतिष शास्त्र एक ऐसा नेत्र है जो भूत, भविष्य और वर्तमान तीनों काल को देख सकता है।

यह शास्त्र भौतिक, आध्यात्मिक और दैविक विचारों का समन्वय है।हमारी महान उपलब्धियों को दुनिया ने उपयोग किया लेकिन इसका श्रेय हमें नहीं दिया। अब समय आ गया है कि हम स्वयं को और स्वयं की उपलब्धियों को जानें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी महान मान्यताओं और उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ आधुनिक विज्ञान के साथ-साथ एंसेंट इंडियन नॉलेज सिस्टम को भी समझना होगा। ज्योतिष को वेद विज्ञान और वेदों की आंखे माना गया है।आज नासा भी मानने लगा है कि भारतीय ज्योतिष विज्ञान के द्वारा बहुत सी भौगोलिक घटनाओं को भली प्रकार समझा जा सकता है। ज्वार, भाटा, सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण आदि घटनाएं इसके उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य में ज्योतिष को बढ़ावा देने के लिये उत्तराखंड ज्योतिष परिषद का भी गठन किया है, ताकि हमारी भावी पीढ़ी भी इस विज्ञान का लाभ उठासके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति की धर्म ध्वजा पुनः पूर्ण गौरव के साथ संपूर्ण विश्व में फहरा रही है। प्रधानमंत्री द्वारा किए जा रहे महान कार्यों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार भी सनातन संस्कृति के संवर्धन हेतु संकल्पबद्ध होकर निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे इस विकल्प रहित संकल्प को पूर्ण करने हेतु सभी लोगों का सहयोग हमें निरंतर इसी प्रकार मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जिन विद्वान ज्योतिषियों को सम्मानित किया उनमें ज्योतिषाचार्य पं० के०ए० दुबे, पद्मेश, पं० सतीश शर्मा, वास्तु विशेषज्ञ इन्दु प्रकाश, ज्योतिषाचार्य जी०डी० वशिष्ठ, पं० लेखराज शर्मा, पं० अजय भांबी, पुरुषोत्तम गौड़, संजीव श्रीवास्तव, आनन्द, आचार्य चंद्रशेखर एवं डॉ० वाई० राखी शामिल थे। इस अवसर पर महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, ग्राफिक एरा के संस्थापक कमल घनसाला, अमर उजाला के संपादक अनूप बाजपेई एवं विभिन्न राज्यों से आये ज्योतिषाचार्य उपस्थित थे।

अगली कैबिनेट में आने वाला है महिलाओं के लिए यह प्रस्ताव

तलाकशुदा से लेकर अविवाहिताओं को मिलेगा यह फायदा

देहरादून, एजेंसी। एकल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के दृष्टिगत उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने को संचालित की जाने वाली मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के संबंध में प्रस्ताव कैबिनेट की अगली बैठक में आएगा। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने शनिवार को यमुना कालोनी स्थित शासकीय आवास में हुई विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक के बाद यह जानकारी साझा की।

उन्होंने नंदा-गौरा योजना में आवेदन की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। कैबिनेट मंत्री आर्या के मुताबिक मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना में निराश्रित, अविवाहित, तलाकशुदा, एसिड अटैक से पीड़ित, परित्यक्त महिलाएं शामिल की गई हैं।

किन्नर भी योजना का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि एकल महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस योजना की घोषणा की थी। अब इसका प्रारूप तय कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि एकल महिला स्वरोजगार योजना को ऋण आधारित न करते हुए सब्सिडी आधारित करने का मजबूत प्रस्ताव कैबिनेट की अगली बैठक में लाया जाएगा। योजना के तहत चयनित एकल महिलाओं को रोजगार शुरू करने के लिए 75 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी।

इसके लिए विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। नंदा-गौरा योजना की आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मंत्री ने बैठक में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना में आवेदन प्रक्रिया को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र बालिका इसके लाभ से वंचित न रहने पाए।

अब राम मंदिर को लेकर पूर्व सीएम हरीश रावत ने कही यह बात, भाजपा पर लगाए यह गंभीर आरोप

देहरादून, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिस दिन राम मंदिर को लेकर फैसला सुनाया था, उसी दिन देशवासियों के मन में मंदिर बन गया था। अब भाजपा भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति कर रही है। अयोध्या का श्रीराम मंदिर देश के सभी नागरिक हिंदू, मुस्लिम, सिख और इसाई सभी का है। उन्होंने दावा किया कि इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा दो सौ सीटों के आकड़ें को भी नहीं छू पाएगी। शनिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और पूर्व सीएम हरीश रावत के नेतृत्व में पुरानी तहसील चौक स्थित राजीव गांधी कांप्लेक्स से राजपुर रोड स्थित गांधी पार्क तक सांकेतिक पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान पूर्व सीएम हरीश रावत ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि श्रीराम के प्रति प्रत्येक देशवासी की आस्था है। लेकिन भाजपा श्रीराम का भी राजनीतिकरण कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि उत्तराखंड के बेरोजगार नौजवानों के साथ राज्य सरकार छलावा कर रही है। आरोप लगाए कि सैकड़ों संघर्षरत संगठन व नौजवान जो अपनी आजीविका की लड़ाई लड़ रहे हैं, उनको गांधी पार्क जैसे सार्वजनिक स्थल से दूर धकेल दिया गया है, जो एकता विहार के एक कोने में अपना रोना रोने के लिए मजबूर हैं, ताकि उनके दुखड़े कोई न सुन सके। कहा कि लगभग 200 युवक हाई कोर्ट की चौखट पर अपनी आजीविका की रक्षा के लिए टकटकी लगाए बैठे हैं। संघर्षरत भाई-बहन हैं। प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि आज प्रदेश की बेरोजगारी दर 8.8 प्रतिशत हो चुकी है। प्रदेश के सेवा नियोजन कार्यालय में वर्ष 2022 में आठ लाख 82 हजार से अधिक बेरोजगार युवा पंजीकृत थे, जो निरंतर बढ़ता जा रहा है। पदयात्रा में पूर्व मंत्री गोविंद सिंह कुंजवाल, मंत्री प्रसाद नैथानी, हीरा सिंह बिष्ट, शूरवीर सिंह चौहान, सतपाल ब्रह्मचारी, मथुरादत्त जोशी, सुरेंद्र अग्रवाल, अशोक वर्मा, गोदावरी थापली, गरीमा मेहरा दसौनी आदि मौजूद रहे।

दून में नामचीन ज्योतिषियों का महाकुंभ

देहरादून , एजेंसी। राजधानी देहरादून में आयोजित अमर उजाला ज्योतिष महाकुंभ को लेकर शहरवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। दो दिवसीय महाकुंभ का शुभारंभ रविवार को राज्य राज्यपाल ले.जन. गुरमीत सिंह (सेनि) किया। इसी के साथ ज्योतिषियों से निशुल्क परामर्श लेने के सिलसिला भी शुरू हुआ।

छठे ज्योतिष महाकुंभ का आयोजन इस वर्ष भी ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी परिसर में ही किया गया। महाकुंभ में देश के नामचीन ज्योतिषी निशुल्क परामर्श दे रहे हैं। अगर आपके पास कुंडली नहीं है तो मौके पर ही यह सुविधा भी मिलेगी।

वास्तु संबंधी परामर्श के लिए घर का नक्शा लेकर आना होगा। महाकुंभ के शुभारंभ के साथ ही आम लोगों के लिए निशुल्क परामर्श सुविधा शुरू कर दी गई। इस दौरान हस्तरेखा, कुंडली विशेषज्ञ, टैरो कार्ड रीडर, न्यूमैरोलॉजी, हस्ताक्षर के साथ ही वास्तु के विशेषज्ञ परामर्श के लिए ले रहे हैं।

महाकुंभ में लाल किताब के विशेषज्ञ आचार्य जीडी वशिष्ठ, पंडित केए दूबे पद्मेश, आचार्य इंदु प्रकाश, पंडित अजय भांबी, आचार्य डॉ. वाई राखी, पंडित पुरुषोत्तम गौड़, डॉ. संजीव श्रीवास्तव,

आचार्य आनंद, हस्तरेखा विशेषज्ञ पंडित लेखराज शर्मा, वास्तुविद् पंडित सतीश शर्मा, हस्तरेखा विशेषज्ञ पंडित लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, विभा शर्मा, अवधेश पांडे, आचार्य सिमरन समेत देश के नामी ज्योतिषी होंगे। सम्मेलन के शुभारंभ पर राज्यपाल ने कहा कि ज्योतिष ऐसा विज्ञान है जिसके माध्यम से समाज मे समरसता लाई जा सकती है। कहा कि मेडिकल साइंस की तरह ही ज्योतिष भी विज्ञान है, बस इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाज के सामने लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष बताएं कि हर भारतीय में क्या गुण, क्या स्किल हैं। इस विधा से हम भारत को विश्व गुरु बना सकते हैं। कहा कि हम सबके भीतर एक ज्योतिष छुपा हुआ है। इस मौके पर पंडित के ए दुबे पद्मेश ने कहा कि ज्योतिष विज्ञान भी है और कला भी है। वहीं पंडित सतीश शर्मा ने बताया कि खगोल के बिना ज्योतिषीय गणना नहीं हो सकती। आचार्य जीडी वशिष्ठ ने कहा कि धरती का सबसे बड़ा सत्य ज्योतिष है। हमारा पूरा शरीर, आत्मा , कर्म जन्मकुंडली के अंदर बैठे ग्रह कराते हैं।

निर्माण दोबारा शुरू करने की तैयारी तेज, मलबा हटाने से पहले पानी निकालने का काम

देहरादून, एजेंसी। सिलक्यारा सुरंग निर्माण में अतिरिक्त सुरक्षा के साथ मलबा हटाने से पहले पानी निकालने का काम शुरू कर दिया गया है। एनएचआईडीसीएल के विशेषज्ञों की निगरानी में नवयुगा कंपनी की टीम काम करेगी।

41 मजदूरों के फंसने के बाद से बंद पड़े सिलक्यारा सुरंग के निर्माण को दोबारा शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। इस कड़ी में बड़कोट सिरे से निर्माण शुरू करने के साथ ही सिलक्यारा की ओर से भी पानी हटाने का काम शुरू हो गया है। जिसके बाद मलबे को सुरक्षित तरीके से हटाया जाएगा।

नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएचआईडीसीएल) के निदेशक अंशु मनीष खल्खो ने बताया कि जांच समिति की प्राथमिक रिपोर्ट के तहत मंत्रालय से सिलक्यारा सुरंग निर्माण में अतिरिक्त सुरक्षा बरतने संबंधी निर्देश मिल चुके हैं। उन्होंने

बताया कि सुरंग के बड़कोट सिरे से निर्माण कार्य पहले ही शुरू कराया जा चुका है।

अब सिलक्यारा की ओर से भीतर पानी जमा होने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि सुरंग के भीतर रिसाव की सामान्य प्रक्रिया है लेकिन करीब दो माह से काम बंद होने से भीतर पानी जमा हो गया है। इस पानी को निकालने का काम शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि पानी निकालने के बाद सुरक्षित तरीके से मलबा हटाया जाएगा और सुरंग निर्माण का काम इधर से भी शुरू होगा।

बताया कि इस बार सुरंग के भीतर की भूगर्भीय संरचना की भी निगरानी की जा रही है। एनएचआईडीसीएल के विशेषज्ञ सुरंग निर्माण के दौरान निगरानी करेंगे। किसी सूरत में लापरवाही नहीं होने दी जाएगी। गौरतलब है कि 12 नवंबर को सिलक्यारा सुरंग में मलबा गिरने से 41 मजदूर भीतर फंस गए थे। इन सभी को 17 दिन लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया था। इसके बाद मंत्रालय ने जांच बैठा दी थी। जांच समिति ने दस दिन के भीतर मंत्रालय को प्राथमिक जांच रिपोर्ट सौंप दी थी। अब विस्तृत जांच रिपोर्ट आनी बाकी है।

पौने तीन करोड़ से भव्य बनेगा यूआईआरडी का ऑडिटोरियम

रुद्रपुर, एजेंसी। उत्तराखंड ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज संस्थान (यूआईआरडी) में अधूरे पड़े ऑडिटोरियम के दिन बहुरने जा रहे हैं। भारत सरकार की मिसिंग लिंक योजना के तहत ऑडिटोरियम के लिए दो करोड़ 88 लाख रुपये मंजूर हुए हैं। यूआईआरडी को एक करोड़ 15 लाख रुपये की पहली किस्त मिल चुकी है।

यूआईआरडी में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, ग्राम्य विकास विभाग के कर्मचारियों के रिफ्रेशर कोर्स के साथ ही दूसरे विभागों के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। कई अंतरराज्जीय और अंतर राष्ट्रीय बैठकों का आयोजन भी यहां होता रहा है। संस्थान परिसर में एक दशक पहले ऑडिटोरियम का निर्माण किया गया था लेकिन स्टीमेट के बाद कई अन्य कार्य जुड़ने के चलते बजट की कमी पड़ गई और ऑडिटोरियम पूरा नहीं बन सका था।

इधर संस्थान के निदेशक ने ऑडिटोरियम को भव्य बनाने की कवायद की और मिसिंग लिंक योजना में ऑडिटोरियम का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव को भारत सरकार ने मंजूर कर लिया है। निदेशक आरडी पालीवाल ने बताया कि बजट से ऑडिटोरियम का पुनर्निर्माण किया जाएगा। यहां 500 लोगों की क्षमता के अनुसार कुर्सियां लगाने के साथ ही साउंड सिस्टम और अन्य कार्य किए जाएंगे। ऑडिटोरियम में बड़ी कार्यशालाओं के साथ ही बड़े सरकारी कार्यक्रम भी हो सकेंगे। बजट की पहली किस्त मिलने के बाद अब निर्माण एजेंसी चयनित करने की दिशा में कार्यवाही की जाएगी। कोशिश की जाएगी कि जल्द इसका कार्य शुरू किया जाए। संवाद बौर डेस्टिनेशन पर पहुंचने वाले सैलानियों को खराब सड़क के चलते हिचकोले नहीं खाने पड़ंगे। बोर्ड डेस्टिनेशन से लेकर तिलपुरी तक लगभग 13 किलोमीटर की सड़क के लिए 18 करोड़ की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस सड़क को सिंचाई कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग जल्द ही कार्रवाई शुरू करेगी।

उत्तरकाशी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रोड शो में सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

प्रात: किरण, संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उत्तरकाशी जिला मुख्यालय पर रोड-शो किया, तो जन-सैलाब सड़कों पर उमड़ आया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित हजारों महिलाओं ने सड़क के दोनों तरफ खड़े होकर पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। इस आयोजन के जरिए जहां लोगों ने उत्तरकाशी जिले की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरओं के विविध रूप-रंगों का साक्षात्कार किया वहीं यह आयोजन महिलाओं के सशक्तिकरण और जिले के विकास के लिए भी अत्यधिक महतपूर्ण साबित हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने महिलाओं के ह्यदीदी-भुली महोत्सवह्य में शिरकत करने के साथ ही रू. 291 करोड़ से अधिक

लागत की योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिनमें रू. 189 करोड़ की लागत से यूजेवीएन लिमिटेड के तिलोथ विद्युतगृह के नवीनीकरण, उच्चीकरण एवं पुनरोद्धार (आर.एम.यू.) कार्य का लोकार्पण भी सम्मिलित है। महिला सशक्तिकरण को समर्पित ह्यदीदी-भुली महोत्सवह्य में प्रतिभाग करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उत्तरकाशी पहुँचने पर पेट्रोल पंप-बस स्टैंड से लेकर भटवाड़ी रोड, भैरव चौक, कोर्ट रोड, हनुमान चौक होते हुए रामलीला मैदान तक रोड-शो आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बाड़ाहाट क्षेत्र के आराध्य कंडार देवता को भी शीश नवाया और माँ शक्ति और बाबा विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य व देश की प्रगति व खुशहाली की कामना की। डेढ कि.मी. से अधिक दूरी तक आयोजित इस रोड-शो में नगरवासियों के साथ ही जिले के कोने-कोने से आये लोगों ने फूलों की वर्षा कर मुख्यमंत्री का हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया। रोड शो में पारंपरिक पहनावों से सजी ग्रामीण क्षेत्रों से आई महिलाओं के जत्थे और लोक-कलाकारों की सांस्कृतिक झांकी आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहे। ढोल-दमाऊ व रंणसिंगे जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की प्रस्तुतियों से रोड-शो में हर कोई झूमता-थिरकता नजर आया। मुख्यमंत्री के आगमन पर उत्तरकाशी जिले का समृद्ध सांस्कृतिक वैभव अपने अद्भुत अंदाज में सड़क पर उमड़ आया। मुख्यमंत्री धामी उत्तरकाशी के इस अनूठे सांस्कृतिक वैविध्य से अभिभूत नजर आए और उन्होंने खुद आम लोगों व कलाकारों पर फूल बरसाते हुए परंपराओं के प्रति अपने अनुराग को अभिव्यक्त भी किया। रोड-शो संपन्न होने पर मुख्यमंत्री ने रामलीला मैदान में बद्री गाय की पूजा अर्चना कर ह्यविकसित भारत विकसित ग्रामह्य प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी स्टॉलो का निरीक्षण करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया और विभिन्न योजना के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ह्यवन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्टह्य नेशन अवार्ड में देश में दूसरे स्थान का सम्मान पाने वाले लाल धान की जानकारी ली। महिला किसानों ने मुख्यमंत्री को लाल धान की बाली भेंट की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गिंज्याली (मूसल) थामकर पारंपरिक ओखली में महिलाओं के साथ लाल धान की कुटाई की तथा लाल धान के चिवड़ा बनाने की जानकारी ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डुंडा और बगोरी क्षेत्र के पारंपरिक ऊन उत्पादकों से भेंट कर ऊनी ऊन बुनाई व कताई के बारे में जानकारी ली और चरखा भी चलाया। मुख्यमंत्री ने ऊन की कताई कर पारंपरिक ऊनी वस्त्रों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर रू. 291 करोड़ 75 लाख की लागत की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिनमे उत्तरकाशी जिले के विकास से जुड़ी रू. 57 करोड़ 38 लाख की लागत की 24 योजनाओं का शिलान्यास तथा 45 करोड़ 37 लाख की लागत की 38 योजनाओं का लोकार्पण तथा रू. 189 करोड़ की लागत के यूजेवीएन लिमिटेड के तिलोथ विद्युतगृह के नवीनीकरण, उच्चीकरण एवं पुनरोद्धार (आर. एम.यू.) कार्यों का लोकार्पण भी सम्मिलित है।

जेल में बंद आप विधायक चैतर वसावा से मिले केजरीवाल, बोले - उनके हौंसले बुलंद हैं, वो लड़ेंगे और जीतेंगे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को जेल में बंद आप विधायक एवं आदिवासी समाज के युवा नेता चैतर वसावा और उनकी धर्मपत्नी शकुंतला बेन से मुलाकात की। इस दौरान पंजाब के सीएम सरदार भगवंत मान के अलावा गुजरात आप इकाई के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। जेल में मुलाकात कर अरविंद केजरीवाल ने चैतर वसावा का हाल जाना। उन्होंने भरोसा दिया कि पूरी पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें जेल से बाहर निकालने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने चैतर वसावा और उनकी धर्मपत्नी शकुंतला बेन से जेल में मुलाकात की। दोनों लोग स्वस्थ हैं। उनके हौंसले बुलंद हैं, वो लड़ेंगे, संघर्ष करेंगे और जीतेंगे। अब भाजपा ने अत्याचार और तानाशाही की सारी हदें पार कर दी है। इसे लेकर गुजरात की जनता में भरी नाराजगी है और आगामी चुनाव में जनता ही भाजपा को उखाड़ फेंकेगी।

जेल में चैतर वसावा और उनकी धर्मपत्नी से मुलाकात के उपरांत मीडिया से बात करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चैतर वसावा को गुजरात की बीजेपी सरकार ने पूरी तरह झूठे और फर्जी केस में गिरफ्तार किया है। इससे पूरे गुजरात के आदिवासी समाज में बहुत रोष है और लोग बहुत गुस्से में हैं। इन लोगों ने न केवल चैतर वसावा को गिरफ्तार किया है, बल्कि उनकी पत्नी शकुंतला बेन को भी गिरफ्तार करके सारी हदें पार कर दी है। शकुंतला बेन आदिवासी समाज की बहू हैं। बीजेपी ने उनके घर की बहू को भी नहीं छोड़ा। कल हमने जनसभा भी की थी, जिसमें लाखों की संख्या में लोग आए थे और उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर किया था। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी को गुजरात से उखाड़ कर फेंकना है। गुजरात की जनता में भरी नाराजगी है और जनता ही भाजपा को उखाड़ फेकेगी। अब भाजपा ने अत्याचार और तानाशाही की सारी हदें पार कर दी है और सिर से पानी ऊपर जा चुका है। ये लोग जिसको चाहें पकड़कर जेल में डाल देते हैं। चैतर वसावा का कसूर इतना था कि वो तो जनता के लिए लड़ते हैं। जब वन विभाग के अधिकारी निर्दोष लोगों पर फर्जी एफआईआर करते हैं या उनकी जमीने छीन ली जाती हैं तो चैतर वसावा उनके लिए लड़ते हैं। चैतर वसावा स्कूल और अस्पताल के लिए लड़ते हैं। वो जनता के मुद्दे उठा रहे थे जिसकी वजह से उन्हें जेल में डाल दिया गया।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रविवार को हमनें एलान किया है कि चैतर वसावा गुजरात की भरूच सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि दोनों को जल्द से जल्द सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिले। उनकी पत्नी शकुंतला बेन की जमानत पर 20 जनवरी को सुनवाई है और चैतर वसावा को भी जल्दी जमानत मिलने की उम्मीद है। लेकिन अगर उन्हें जमानत नहीं भी मिलती है तो आम आदमी पार्टी उनके नाम पर चुनाव लड़ेगी और हमें पूरी उम्मीद है कि जनता उनको जिताएगी।

वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अब ऐसा समय चल रहा है कि कोई भी आदमी जनता के लिए काम करता है और अगर वो लोकप्रिय हो जाता है तो उसे उठाकर जेल में डाल दिया जाता है। कई लोगों पर सीबीआई और ईडी की जांच शुरू हो गई है। यह तानाशाही है, लेकिन यह तानाशाही लंबे समय तक नहीं चलेगी। चैतर वसावा एक बहुत बड़े नेता हैं। उन्हें और उनकी पत्नी को जेल भेज दिया गया है, क्योंकि उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों के लिए लड़ाई लड़ी है। कल हुई जनसभा में लोग काफी गुस्से में थे, क्योंकि आदिवासी समुदाय चैतर भाई के खिलाफ की गई कार्रवाई को अपना अपमान मानता है। इसलिए अब आदिवासी समुदाय चैतर वसावा के लिए चुनाव लड़ेगा और जहां की जनता अपने नेता के लिए चुनाव लड़ती है, उसे कोई हरा नहीं सकता।

आप ने भरूच लोकसभा सीट से चैतर वसावा को बनाया उम्मीदवार आदिवासी समाज के उभरते युवा नेता चैतर वसावा आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। उन्होंने बीते गुजरात विधानसभा चुनाव में डेडियापाड़ा सीट पर शानदार जीत हासिल की थी। उनकी युवा और एक प्रखर नेता की छवि है। वो जमीन से जुड़े मुद्दे को लगातार उठाते रहे हैं। इससे प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी उन्हें भरूच लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। रविवार को गुजरात में एक जनसभा के दौरान ह्लआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चैतर वसावा को भरूच लोकसभा सीट से पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। चैतर वसावा के समर्थन में आयोजित जनसभा में आदिवासी समाज ने किया शक्ति प्रदर्शन रविवार को आम आदमी पार्टी द्वारा चैतर वसावा के समर्थन में गुजरात के नेत्रांग में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया था। इस जनसभा को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम सरदार भगवंत मान ने संबोधित किया। इस दौरान जनसभा में बड़ी तादात में आदिवासी समाज के लोगों ने हिस्सा लिया और चैतर वसावा और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन किया। जब चैतर वसावा को भरूच सीट से उम्मीदवार बनाने की घोषणा हुई, तब वहां मौजूद लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। इस दौरान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस कार्रवाई को आदिवासी समाज का अपमान बताते हुए आह्वान कर कहा था कि अगर भाजपा ने षड्यंत्र कर चैतर वसावा को चुनाव से पहले जेल से बाहर नहीं आने दिया तो उनको जिताने की जिम्मेदारी पूरे आदिवासी समाज की है।

जब दिल्ली के रेस्तरां में 10 लोगों की जान पर बन आई, तीन घंटे अभियान चलाकर किया रेस्क्यू

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के एक रेस्तरां की लिफ्ट में सोमवार को दस लोग फंस गए। इस दौरान उनकी जान पर बन आई। दिल्ली फायर सर्विसेज (डीएफएस) ने तीन घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया, तब जाकर सभी को लिफ्ट से बाहर निकाला। इस दौरान पीड़ित लोगों और बचाव दल ने राहत की सांस ली।

एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में एक रेस्तरां-सह-बार की लिफ्ट में फंसे दस लोगों को तीन घंटे के ऑपरेशन के बाद सोमवार को बचाया गया। डीएफएस के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि पूसा रोड, ओल्ड राजेंद्र नगर में इल्यूम द सोइर बार में हुई घटना के संबंध में सोमवार तड़के 2:57 बजे एक कॉल मिली। उन्होंने कहा कि लिफ्ट में कुछ लोग फंस गए थे और तीन दमकल गाड़ियों को टीमों के साथ मौके पर भेजा गया।

लिफ्ट से कुल 10 लोगों को बचाया गया और ऑपरेशन को पूरा करने में लगभग तीन घंटे लगे। लिफ्ट की छत को काट दिया गया और लोगों को सुरक्षित बचाया गया। ऑपरेशन सुबह 6.30 बजे समाप्त हुआ और घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

डीएफएस प्रमुख ने कहा कि घटना के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि अब तक यह एक तकनीकी खामी लग रही है।

घर में महिला की लाश मिलने से सननसी, गायब पति की तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में सोमवार को एक महिला की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। महिला का शव उसके घर में ही मिला है। जिसकी पहचान रेखा रॉय के रूप में हुई है। महिला अपने पति बिश्वनाथ रॉय के साथ किराए के घर में मसूदपुर में रहती थी। पुलिस ने बताया कि पति फिलहाल गायब है। पुलिस ने कहा सुबह लगभग आठ बजे कॉल मिली कि एक महिला घर में संदिग्ध हाल में घर में लेटी हुई है। जब पुलिस पहुंची तो वह मृत मिली। महिला के पति के मोबाइल पर कॉल किया तो बंद आ रहा था। वह एक पेट्रोल पंप पर काम करता है। जांच में पता चला कि दोनों में रविवार रात को आपस में झगड़ा हुआ था। पुलिस ने पति को संदिग्ध मानते हुए तलाश शुरू कर दी है।

सीलमपुर इलाके में नाले में महिला का शव मिलने से सनसनी, नहीं हो सकी पहचान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सीलमपुर इलाके में नाले में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीलमपुर थाना पुलिस प्राथमिकी कर महिला की पहचान करने में जुटी हुई है। महिला की उम्र 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि रविवार दोपहर को पुलिस को सूचना मिली थी कि गौतमपुरी में नाले में एक महिला का शव पड़ा हुआ है।

पुलिस ने दमकल विभाग की मदद से शव को बाहर निकाला। महिला ने हरे रंग के कपड़े और स्वेटर पहना हुआ था। शव के पास से ऐसा कोई कागजात बरामद नहीं हुआ, जिससे उसकी पहचान हो सके। शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस आसपास के थानों में पता लगा रही है कितनी महिलाओं की गुमशुदगी के मामले दर्ज हैं।

शादी के दो महीने के अंदर मायके चली गई थी पत्नी, पति को मिला तलाक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

तलाक देने से इन्कार करने के पारिवारिक अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली व्यक्ति की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत मिली है।

अदालत ने ये कहते हुए याचिकाकर्ता पति को तलाक की मंजूरी दे दी कि शादी के दो महीने के अंदर ही महिला अपने पति का घर छोड़कर चली गई थी। इसके बाद महिला ने न तो पति के खिलाफ कोई शिकायत दी और न ही हिंदू विवाह अधिनियम के तहत कोई आवेदन दाखिल किया।

याचिकाकर्ता पति तलाक का हकदार इतना ही नहीं पारिवारिक अदालत के समक्ष भी पति द्वारा लगाए गए आरोपों का विरोध करने के लिए महिला पेश नहीं हुई थी। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि तथ्यों व परिस्थितियों को देखते हुए याचिकाकर्ता पति तलाक का हकदार है। पति ने पारिवारिक अदालत के निर्णय को दी थी चुनौती साथ ही याचिका को स्वीकार करते हुए पारिवारिक अदालत के निर्णय को रद कर दिया। याचिककार्ता पति ने 22 नवंबर 2022 को तलाक की मंजूरी देने से इन्कार करने के पारिवारिक अदालत के निर्णय को चुनौती दी थी।

अक्टूबर 2015 में हुई थी शादी

याचिकाकर्ता का कहना था कि अक्टूबर 2015 में उनकी शादी हुई थी, लेकिन दो महीने के अंदर ही पत्नी घर से चली गई। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि महिला उसे स्वजन से लड़ाई करती थी और उसके दो से तीन लड़कों के साथ संबंध था।

यह भी कहा कि वह संयुक्त परिवार में नहीं रहना चाहती थी और उसकी मां को वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाती थी। हालांकि, क्रूरता के आधार पर तलाक की मंजूरी देने से पारिवारिक अदालत ने इन्कार करते हुए याचिका खारिज कर दी थी।

निमार्णाधीन बिल्डिंग की तीसरी मंजिर से गिरे तीन कामगार, एक की मौत; दो घायल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शहर के सेक्टर-14 में निर्माणधीन इमारत में लकड़ी का शेड टूटने से मामा-भांजा और साथी मजदूर गिर गए। हादसे में भांजे की मौत हो गई, जबकि मामा और साथी श्रमिक घायल हो गए है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जबकि मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भेजा गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झारखंड के हजारी बाग के रहने वाले आसिफ अंसारी(27) अपने मामा मुस्ताक और साथी जितेंद्र के साथ सेक्टर-14 में मकान नंबर-1082 में निर्माण कार्य कर रहे थे। तीनों लकड़ी का शेड बना कर तीसरी मंजिल पर पलास्टर का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान लकड़ी का शेड टूट गया।

इसके चलते तीनों नीचे गिर गए। आसपास के लोगों ने तीनों को संभाला। गंभीर चोट लगने से आसिफ अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनके मामा मुस्ताक और साथी श्रमिक जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है। जबकि मृतक आसिफ का शव पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस में पहुंचाया। मामले की सूचना स्वजनों को दी गई है। जांच अधिकारी अजीत का कहना है कि स्वजनों के बयान के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने कसाबपुरा में 11 सड़कों-गलियों के पुनर्निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के मार्गदर्शन में खाद्य आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने सोमवार को बल्लीमारान विधानसभा के वार्ड 89 के अंतर्गत आने वाले कुरैश नगर क्षेत्र के कसाबपुरा में ग्यारह सड़कों-गलियों के पुनर्निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान डीयूएसआईबी और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्र के रहने वाले मुशरफीन, धर्मेन्द्र महावर, नबाबुद्दीन, आरिफ, फुरकान अहमद, शमी समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। बल्लीमारान क्षेत्र की जनता से किए वादों को पूरा करने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए विधायक और दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन ने जनता को कई विकास कार्य समर्पित किए। उन्होंने बल्लीमारन विधानसभा में विकास कार्यों को गति देते हुए लगभग 1.5 करोड़ की लागत से ग्यारह गलियों में आरएमसी रोड के पुनर्निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर इमरान हुसैन ने कहा कि केजरीवाल सरकार जन कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए हर वो प्रयास कर रही है जिससे जनता से जुड़े सभी जन कल्याणकारी कार्यों को पूरा किया जा सके। अरविन्द केजरीवाल सरकार के लिए जनता के हित सर्वोपरि हैं और हम उनसे किए सभी वादों को गारंटी के साथ पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के मार्गदर्शन में बल्लीमारन विधान सभा में बहुत तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और आगे भी दोगुनी रफ्तार से काम होंगे।

इस दौरान मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को कहा कि जलजमाव से बचने और क्षेत्र में गंदगी का निपटान सुनिश्चित करने के लिए जल निकासी के रखरखाव का काम नियमित और प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को क्षेत्र में स्वच्छ पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षतिग्रस्त पानी की पाइपलाइन की मरम्मत / बदलने का निर्देश दिया गया।

मंत्री इमरान हुसैन इस दौरान स्थानीय लोगों से बात भी की। स्थानीय लोगों ने दिल्ली सरकार के ईमानदार शासन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र की साफ-सफाई का भी लगातार ध्यान रखा जा रहा है। बल्लीमारान निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले लोग दिल्ली में 24 घंटे मुफ्त और सस्ती बिजली के लिए खुश हैं।

सतीश उपाध्याय ने किया दिल्ली जनवरी आईटीएफ जूनियर्स टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आर.के.खन्ना टेनिस स्टेडियम में सोमवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली लॉन टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने दिल्ली जनवरी आईटीएफ जूनियर्स (जे-200) टेनिस प्रतियोगिता (अंडर 18 लड़कों और लड़कियों के लिए) का उद्घाटन किया। इस मौके पर श्री उपाध्याय ने बताया कि इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया जैसे, 21 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 128 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया है। 8 जनवरी से 13 जनवरी, 2024 तक छह दिनों तक चलने वाले इस टूनार्मेंट में 64 लड़कियां और 64 लड़के उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। उन्होंने बताया कि यह जूनियर वर्ग के तहत भारत का सर्वोच्च टूनार्मेंट है जिसमें दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ियों ने भाग लिया है। श्री उपाध्याय ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और खेल की सच्ची भावना से खेलने के महत्व पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान, श्री उपाध्याय ने लोगों को जोड़ने और टीम वर्क को बढ़ावा देने में खेल के महत्व को व्यक्त किया। उन्होंने एक टीम के रूप में या चैंपियनशिप में खेलते समय खिलाड़ियों को एक-दूसरे से मिलने वाले अमूल्य सबक पर प्रकाश डाला, विश्वास और मजबूत रिश्तों के विकास पर जोर दिया। श्री उपाध्याय ने सभी खिलाड़ियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में टेनिस और खेल प्रेमियों और डीएलटीए के महासचिव संचालन-कर्नल रणवीर चौहान ने भाग लिया। इस अवसर श्री उपाध्याय और कर्नल चौहान ने तिरंगे गुब्बारे हवा में उड़ा कर कार्यक्रम का शुभारभ किया।

राज्यसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के तीनों उम्मीदवारों ने किया नामांकन

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी से तीनों उम्मीदवारों संजय सिंह, एनडी गुप्ता और स्वाति मालीवाल ने सोमवार को दिल्ली के सिविल लाइन स्थित ट्रांसपोर्ट कार्यालय में नामांकन किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के विधायक, पदाधिकारी व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। नामांकन के लिए संजय सिंह को जेल से कड़ी सुरक्षा में लाया गया। आम आदमी पार्टी की तरफ से राज्यसभा सदस्य के लिए उम्मीदवार स्वाति मालीवाल अपनी मां संगीता मालीवाल के साथ सिविल लाइन स्थित ट्रांसपोर्ट ऑफिस पहुंची। वहीं नामांकन दफ्तर में संजय सिंह के पिता दिनेश सिंह और उनकी पत्नी अनीता सिंह भी पहुंची। उनके पिता दिनेश सिंह ने कहा कि संजय सिंह जेल से छूटेंगे और सच्चाई की जीत होगी। वहीं दफ्तर के बाहर आप सांसद संजय सिंह के पहुंचने पर समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय और आम आदमी पार्टी के कई विधायक भी नामांकन दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर गोपाल राय ने कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा जनहित में आवाज उठाई है। स्वाति मालीवाल ने महिलाओं के लिए अच्छा काम किया है, हम जरूर जीतेंगे। नामांकन करने पहुंचे एक उम्मीदवार के साथ केवल चार लोगों को ही ट्रांसपोर्ट कार्यालय में प्रवेश करने दिया गया।

प्रिंस तेवतिया गैंग के गैंगस्टर गिन्नी को स्पेशल सेल ने छापा मारकर हरियाणा से दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर तरनजीत सिंह उर्फ गिन्नी को हरियाणा से गिरफ्तार किया है. यह प्रिंस तेवतिया गैंग का एक्टिव मेंबर है. इसे साउथ वेस्ट दिल्ली के दिल्ली कैंट थाना इलाके में 2022 में फायरिंग करके फॉर्च्यूनर गाड़ी की लूट के मामले में पुलिस टीम तलाश कर रही थी. तरनजीत सिंह उर्फ गिन्नी मूलतः पंजाब का रहने वाला है. वह पुलिस से लगातार बचने के लिए अपने ठिकाने बदल रहा था और उसने हुलिया भी चेंज करने की कोशिश की थी. स्पेशल सेल के डिप्टी पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार ने बताया कि 3 महीने से एसीपी वेद भूषण की देखरेख में इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह, पवन कुमार की टीम लगी हुई थी। आखिरकार जब इसके बारे में सटीक जानकारी स्पेशल सेल की टीम को मिल गई तो गुरुग्राम में छापा मारकर इसे धर दबोचा.गौरतलब है कि प्रिंस तेवतिया की पिछले साल तिहाड़ जेल में दूसरे गैंग ने हत्या कर दी थी. यह गैंग एक्सटॉर्शन, धमकी देने आदि कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है. लगभग सवा साल पहले 29 अक्टूबर 2022 को दिल्ली कैंट के राव तुला राम फ्लाईओवर के पास फॉर्च्यूनर गाड़ी लूटी गई थी. पीड़ित को डराने के लिए फायरिंग भी की गई थी. उस समय से दिल्ली कैंट पुलिस इसकी तलाश कर रही थी और तब से यह फरार चल रहा था.

कई घंटों की देरी से चल रही दिल्ली आने वाली 70 से ज्यादा ट्रेनें, यात्री परेशान

नई दिल्ली। कोहरे के कारण सोमवार को भी ट्रेनें विलंब से चलने से यात्री परेशान रहे। 70 से अधिक ट्रेनें एक घंटे से ज्यादा विलंब से राजधानी पहुंची। सबसे ज्यादा विलंब से अजमेर-जम्मूतवी एक्सप्रेस लगभग 12 घंटे की देरी से चल रही हैं। पिछले दिनों कि तुलना में ट्रेनों के समय में सुधार हुआ है, सोमवार सुबह दिल्ली आने वाली सिर्फ छह ट्रेनें छह घंटे से ज्यादा विलंब से चल रही हैं। पिछले दिनों कई ट्रेनें 10 से 20 घंटे की देरी से चल रही थीं।

तीन घंटे से ज्यादा विलंब से चलने वाली ट्रेनें

ट्रेन	देरी
अजमेर-जम्मूतवी एक्सप्रेस	:12 घंटे
जम्मूतवी-अजमेर एक्सप्रेस	: सवा आठ घंटे
खजुराहो-कुरुक्षेत्र गीता जयंती एक्सप्रेस	: पौनो नौ घंटे
मऊ-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस	: साढ़े आठ घंटे
कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस	: साढ़े सात घंटे
पुरी-योग नगरी ऋषिकेश कलिंग उत्कल एक्सप्रेस	:सात घंटे
विशाखापट्टनम-नई दिल्ली एपी एक्सप्रेस	:सवा पांच घंटे
यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस	:पौने छह घंटे
सिंगरौली-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस	:पौने पांच घंटे
मानिकपुर-हजरत निजामुद्दीन यूपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस	:पांच घंटे
बिलासपुर-हजरत निजामुद्दीन गोंडवान एक्सप्रेस	:साढे चार घंटे
भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	:सवा चार घंटे
डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	: चार घंटे
बेंगलुरु सिटी-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस	:चार घंटे
प्रयागराज-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस	: चार घंटे
दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस	:पौने चार घंटे
चेन्नई-नई दिल्ली तमिलनाडु एक्सप्रेस	: साढ़े तीन घंटे
सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	: सवा तीन घंटे
सियालदह-बीकानेर दुरंतो एक्सप्रेस	: सवा तीन घंटे
हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस	: सवा तीन घंटे
बांद्रा-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्वराज एक्सप्रेस	:सवा तीन घंटे
जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एमपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस	:सवा तीन घंटे
कुच्चुवेली-चंडीगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस	: सवा तीन घंटे
नांदेड़-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस	: तीन घंटे
कानपुर-नई दिल्ली श्रमशक्ति एक्सप्रेस	: तीन घंटे
बेंगलुरु सिटी-नई दिल्ली कर्नाटक एक्सप्रेस	:तीन घंटे

जगत प्रकाश नड्डा ने जंगपुरा विधानसभा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में उपस्थित हुए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने जंगपुरा विधानसभा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों एवं भाजपा कार्यकताओं को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाया

दिल्ली में आज 7 प्रमुख स्थानों पर विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम हुये जिनमें केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, अर्जुन मुंडा एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, महामंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर एवं श्रीमती विजया राहटकर, मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी, सांसद डॉ. हर्षवर्धन, प्रवेश साहिब सिंह एवं गौतम गंभीर सम्मिलित हुये और लाभार्थियों का अभिनंदन कर केन्द्रीय योजनाओं पर चर्चा की

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के केन्द्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से लाइव संवाद को सुनने के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के अलावा वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं अन्य नेता आज 7 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित हुये।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने जंगपुरा विधानसभा के प्रताप कैम्प में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों एवं भाजपा कार्यकताओं को केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव एवं श्री अर्जुन मुंडा, भाजपा की राष्ट्रीय श्रीमती विजया राहटकर, प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख श्री अनिल बलूनी एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी की उपस्थिति में 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प दिलाया। श्री नड्डा ने इस अवसर पर लाभार्थी मेले में लगे केन्द्रीय योजनाओं के कैम्पों में योजनाओं की जानकारी पा रहे लोगों एवं लाभार्थियों से चर्चा की और केन्द्रीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित किया।

प्रताप कैम्प में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. हर्षवर्धन एवं श्री गौतम गंभीर, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख श्री संजय मयूख, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री प्रत्यूष कंठ, प्रदेश पदाधिकारी श्री दिनेश प्रताप सिंह, श्री अभय वर्मा, श्रीमती योगिता सिंह, सुश्री बांसुरी स्वराज, सरदार इम्प्रीत सिंह बक्शी, श्रीमती सारिका जैन, श्री प्रवीण शंकर कपूर, जिला अध्यक्ष श्री विजेन्द्र धामा, विधायक श्री विजेन्द्र गुप्ता, श्री ओमप्रकाश शर्मा एवं श्री अनिल बाजपेई और पूर्व विधायक सरदार तरविन्दर सिंह मारवाह के अलावा केन्द्र सरकार की योजनाओं के हजारों लाभार्थी सम्मिलित हुये।

उत्तम नगर में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सांसद श्री प्रवेश साहिब सिंह की उपस्थिति में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लाइव संवाद सुना और उपस्थित लाभार्थी एवं भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प दिलाया।

पटेल नगर विधानसभा के रंजीत नगर में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा ने राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल एवं राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर की उपस्थिति में वहां उपस्थित लाभार्थी एवं भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्री योगेन्द्र चांदोलिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री सतीश गर्ग, प्रदेश मंत्री श्री हरीश खुराना उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 09 जनवरी, 2024

सप्ताह भर चलने वाले थिएटर उत्सवों में कलाकारों को उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखें

दिल्ली सरकार के कला संस्कृति एवं भाषा मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है साप्ताहिक नाट्य उत्सव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कॉमेडी सप्ताह के सफल समापन के बाद, अब दिल्ली, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दूरदर्शी नेतृत्व में कला और संस्कृति के साथ अपना जुड़ाव जारी रखते हुए एक सप्ताह के मनोरंजक नाटकीय प्रदर्शन के लिए तैयार हो रही है।

संगीत, साहित्य और दृश्य कला की पहल के साथ, केजरीवाल सरकार की कोशिशों से शहर में सांस्कृतिक पुनर्जागरण देखा गया है।इस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, यह सप्ताह अब नाट्य प्रदर्शनों पर केंद्रित है, जो दिल्ली के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध करने के लिए केजरीवाल सरकार के समर्पण को प्रदर्शित करता है। उर्दू नाटक महोत्सव और युवा नाट्य समारोह इस विश्वास के प्रमाण हैं कि एक जीवंत और संपन्न समाज के लिए विविध सांस्कृतिक अनुभवों का होना अति आवश्यक है। थिएटर का यह उत्सव, एक गतिशील और समावेशी सांस्कृतिक परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो सभी दिल्लीवासियों की भावना से मेल खाता है। 8 से 13 जनवरी तक उर्दू ड्रामा फेस्टिवल में आप सभी उर्दू भाषा की शाश्वत सुंदरता को फिर से महसूस कर सकते हैं। उर्दू अकादमी आपके लिए श्री राम सेंटर, मंडी हाउस के मे नाटकों की एक पूरी श्रंखला लेकर आए हैं जिसमें आप अनुभवी निर्देशकों के सरपरस्ती में कलाकारों के मनमोहक प्रदर्शन देख सकतेहैं। उर्दू ड्रामा फेस्टिवल आपके लिए श्री राम सेंटर में अनुभवी निर्देशकों द्वारा जीवंत किए गए प्रतिष्ठित उर्दू नाटकों को प्रस्तुत करता है। इस साप्ताहिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रसिद्ध नाटककार गिरीश कर्नाड द्वारा लिखित तुगलक, जान-ए-गजल, सोहनी महिवाल, हाय रुस्तम, इंसान निकलते हैं और गालिब के खत का मंचन किया जाएगा।

8 से 12 जनवरी तक चलने वाला युवा नाट्य समारोह दिल्ली के युवा थिएटर निर्देशकों का उत्सव है क क्योंकि साहित्य कला परिषद पहली बार युवा निर्देशकों के लिए एक मंच प्रस्तुत करता है। युवा नाट्य समारोह का आयोजन लिटिल थिएटर ग्रुप, मंडी हाउस में नई प्रतिभाओं को खोजने का एक अवसर है। एक सप्ताह के रोमांचक प्रदर्शन के लिए तैयार हो जाइए जो आपको विभिन्न दुनियाओं और भावनाओं में ले जाने का वादा करता है।

इसके माध्यम से युवा निर्देशक खुद को कल के थिएटर सितारों के जीवंत और नवीन दृष्टिकोण में देख सकेंगे। इस महोत्सव के माध्यम से उभरती प्रतिभाओं को पोषित कर एक पहचान मिल सकेगी और दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य के भविष्य को आकार दिया जा सकता है।

दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति और भाषा मंत्री श्री सौरभ भारद्वाज ने कहाः जैसा कि हम थिएटर के एक सप्ताह के उत्सव की शुरूआत कर रहे हैं, युवा समारोह और उर्दू नाटक महोत्सव रचनात्मकता, जुनून और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है कयुवा नाट्य समारोह थिएटर में नई रचनात्मकता का उत्सव है। मुझे इन युवा कलाकारों के जुनून और प्रतिबद्धता को देखकर गर्व है। वे हमारे सांस्कृतिक परिदृश्य का भविष्य हैं। मंच को उनके जीवंत दृष्टिकोण के लिए एक कैनवास बनने दें, और साथ ही साथ यह सप्ताह हमारे साझा सांस्कृतिक आख्यान को आकार देने में स्थायी शक्ति का एक प्रमाण बनें।

8 जनवरी को युवा नाट्य समारोह के उद्घाटन दिवस पर रंग दे बनसन्ती और जैसा तुम कहो का डबल बिल देखने के साक्षी बने।

चेहरे, मुझे अमृता चाहिए, चित्रलेखा, पापा, कांधे पर बैठा था शाप, रेजांग-ला, सावंत आंटी की लड़कियाँ, और रामानुजन जैसे नाटकों के साथ उभरते निर्देशकों की रचनात्मक कौशल और विविध सांस्कृतिक कथाओं का अनुभव करें। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि स्क्रीन से भरी दुनिया में, एक अनोखा जादू होता है, जो तब प्रकट होता है जब लोग थिएटर में इकट्ठा होते हैं, जहां हवा लाइव प्रदर्शन की ऊर्जा से गूंज उठती है। मंच पर कहानियों को जीवंत होते देखना सिर्फ मनोरंजन नहीं है; यह एक साझा अनुभव है, जो हमारे भीतर गहराई से गूंजता है। जैसा कि हम युवा नाट्य समारोह और उर्दू नाटक महोत्सव के मनमोहक क्षेत्रों में उतरते हैं, हमें याद रखना चाहिए कि थिएटर का सार न केवल इसके द्वारा प्रस्तुत कथाओं में निहित है, बल्कि कलाकारों और दर्शकों के बीच बने स्पष्ट संबंध में भी है क

यह नाट्य कार्यक्रम निःशुल्क प्रवेश के साथ सभी के लिए खुला है। तो, अपने फोन को छोड़कर, मंच की तात्कालिकता को अपनाएं, और प्रतीक्षा कर रही अपनी भावनाओं की दुनिया पर से पर्दा उठने दें। इस सप्ताह, लाइव प्रदर्शन की अत्यधिक खुशी और अपूरणीय प्रामाणिकता का जश्न मनाएं - एक कला रूप जो आभासी से परे है, यह मंच सभी को उपस्थित होने, संलग्न होने और एक साथ आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित करता है।

दिल्ली में कितनी सीटों पर कौन चुनाव लड़ेगा?

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच सोमवार को दिल्ली में आप और कांग्रेस नेताओं के बीच बैठक हुई। दोनों पार्टियों की ओर से सीट बंटवारे और चनावी मुद्दों पर चर्चा की गई। अभी सीट शेयरिंग को लेकर अंतिम फैसला लेना बाकी है।

कांग्रेस नेता ने कही ये बात

इससे पहले दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि आप के साथ हमारा टकराव दिल्ली सरकार को लेकर है। दिल्ली में सीट बंटवारे का फैसला जल्द होना चाहिए। उन्होंने (आप) तय किया है कि वह आईएनडीआईए के साथ आएंगे।

संदीप दीक्षित ने कहा कि आप के साथ हमारा टकराव दिल्ली सरकार को लेकर है। गठबंधन होगा या नहीं, यह बाद में तय होगा, अगर हुआ तो कौन-कौन सी सीटों पर चुनाव लड़ेगा? मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि अगर कोई गठबंधन होता है तो उसकी डिटेल जल्द से जल्द तय हो जाए, जिससे हम लोग भी तैयारी पूरी कर सकें।

चुनाव के कई मुद्दों पर चर्चा हुई- मुकुल वासनिक

सोमवार को आप और कांग्रेस नेताओं के बीच हुई बैठक के बाद कांग्रेस सांसद मुकुल वासनिक ने कहा कि चुनाव के कई मुद्दों पर चर्चा हुई। हमने आगामी चुनावों के लिए कई मुद्दों पर एक बैठक की। बातचीत जारी रहेगी और हम फिर मिलेंगे। उसके बाद ही सीटों के बंटवारे पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। हर चीज पर विस्तार से चर्चा हुई। हम एक साथ चुनाव लड़ेंगे और हम बीजेपी को करारा जवाब देंगे।

बैठक में आप की ओर से राज्यसभा सांसद संदीप पाठक, दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी और विधायक सौरभ भारद्वाज शामिल हुए। कांग्रेस की ओर से राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वासनिक, दिल्ली कांग्रेस प्रमुख अरविंदर सिंह लवली और पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद और मोहन प्रकाश भी मौजूद थे।

अयोध्या से आये पूजित अक्षित वितरित किये श्याम सुंदर अग्रवाल नें टीम के साथ

- हमे यह दीपावली धूम धाम से मनानी चाहिए अपने अपने घरों में दीप जलाए,रोशनी करे पठाखे चलाए।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्व महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल एवं निगम पार्षद नीमा भगत ने बेवर्ली हिल्स एवम मयूर ध्वज सोसायटी गीता कॉलोनी में 504 परिवारों को अयोध्या से आए पूजित अक्षत के साथ अयोध्या के मंदिर का चित्र भी वितरित किया। अक्षत वितरण करने वाली टोली ढोलक,मंजीरे बजाते हुए मेरी झोपडी के भाग आज खुल जायेंगे,राम आयेंगे,राम आयेंगे भजन गाते हुए घर घर में दस्तक दे रहे थे। सभी परिवारों को बताया गया 22 जनवरी को होने वाले रामोत्सव समारोह को धूम धाम से मनाए अपने घरों के मंदिर में इन अक्षतो से पूजा करे पास के मंदिरों में चल रहे कीर्तन में शामिल हो अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले भगवान श्री रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह को जरूर देखे 22 जनवरी 2024 ऐतिहासिक दीपावली होने वाली है हमे यह दीपावली धूम धाम से मनानी चाहिए अपने अपने घरों में दीप जलाए,रोशनी करे पठाखे चलाए। कार्यक्रम में बेवर्ली हिल्स सोसायटी के अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल,आरएसएस के नगर कार्यवाह रंजन , आशीश, एस एन खुराना,अनुपम जैन,हनुमान प्रसाद गौरव आहूजा, गीता कॉलोनी युवा मोर्चा अध्यक्ष यश गुलाटी भी शामिल हुए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा : भाजपा कार्यकताओं को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केन्द्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से लाइव संवाद को सुनने के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के अलावा वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं अन्य नेता आज 7 स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित हुये।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने जंगपुरा विधानसभा के प्रताप कैम्प में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों एवं भाजपा कार्यकताओं को केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं अर्जुन मुंडा, भाजपा की राष्ट्रीय श्रीमती विजया राहटकर, प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की उपस्थिति में 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प दिलाया। श्री नड्डा ने इस अवसर पर लाभार्थी मेले में लगे केन्द्रीय योजनाओं के कैम्पों में योजनाओं की जानकारी पा रहे लोगों एवं लाभार्थियों से चर्चा की और केन्द्रीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित किया।

प्रताप कैम्प में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. हर्षवर्धन एवं गौतम गंभीर, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख संजय मयूख, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ, प्रदेश पदाधिकारी दिनेश प्रताप सिंह, अभय वर्मा, श्रीमती योगिता सिंह, सुश्री बांसुरी स्वराज, सरदार इम्प्रीत सिंह बक्शी, श्रीमती सारिका जैन, प्रवीण शंकर कपूर, जिला अध्यक्ष विजेन्द्र धामा, विधायक विजेन्द्र गुप्ता, ओमप्रकाश शर्मा एवं अनिल बाजपेई और पूर्व विधायक सरदार तरविन्दर सिंह मारवाह के अलावा केन्द्र सरकार की योजनाओं के हजारों लाभार्थी सम्मिलित हुये।

उत्तम नगर में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सांसद प्रवेश साहिब सिंह की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लाइव संवाद सुना और उपस्थित लाभार्थी एवं भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प दिलाया। पटेल नगर विधानसभा के रंजीत नगर में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा ने राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल एवं राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर की उपस्थिति में वहां उपस्थित लाभार्थी एवं भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिये अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री योगेन्द्र चांदोलिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग, प्रदेश मंत्री हरीश खुराना उपस्थित रहे।

बाइक सवार टेंपो से टकराए तीन घायल, एक की मौत

नई दिल्ली। सोनिया विहार इलाके में नानकसर चौक के पास टेंपो मोड़ते समय बाइक सवार चार युवकों ने टेम्पों में टक्कर मार दी। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाएगा, जहां डॉक्टर ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मृतक अशफाक है। घायलों में तालीम, सिराज, और फैसल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और टेंपो चालक विकास निवासी सभापुर मिलन गार्डन को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। जानकारी के मुताबिक अशफाक परिवार के साथ न्यू सीलमपुर में रहता था। उसके परिवार में पत्नी रुखसार दो बेटा और एक बेटी है। अशफाक सिलाई का काम करता था। रविवार रात अपने तीन जानकार तालीम, सिराज और फैजल के साथ बाइक पर नानकसर की ओर जा रहा था, जैसे ही बाइक पर सवार चारों युवक नानकसर चौक के पास पहुंचे इसी बीच एक टेंपो चालक टेंपो को मोड़ रहा था। उनकी बाइक टेंपो में जा टकराई। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाएगा, जहां डॉक्टर ने अशफाक को मृत घोषित कर दिया। जबकि तालीम, सिराज और फैसल को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

जांच से जुड़े अधिकारी ने बताया कि मौके पर ऐसा कोई भी साक्ष्य नहीं मिला है। जिससे कि बाइक सवार चारों युवकों ने हेलमेट पहने हुए हो। तालीम और सिराज दोनों उत्तम नगर इलाके में काम करते हैं। वह बाइक से अपने घर नेहरू विहार आ रहे थे। तभी उन्होंने वजीराबाद इलाके में फैसल और अशफाक को बुला लिया। उसके बाद चारों नेहरू विहार की ओर जाने लगे।

पुरानी पेंशन की हो बहाली, जंतर-मंतर पर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे सरकारी एवं रेलवे कर्मचारी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पुरानी पेंशन योजना बहाली के लिए तीन दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल सोमवार को जंतर मंतर पर शुरू हो गई। पुरानी पेंशन बहाली के लिए गठित संयुक्त मंच तात्वाधान में नई दिल्ली रेलवे कार्यालयों के अलावा देश के कई सरकारी प्रतिष्ठानों में भी लोगों ने भूख हड़ताल कर अपनी मांग रखी।

जेएफआरओपीएस के संयोजक एवं एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्र ने जन्तर मन्तर पर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों से कहा, पुरानी पेंशन योजना की बहाली उन सभी केन्द्र एवं प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों का प्रमुख मुद्दा है जो एक जनवरी, 2004 से सरकारी सेवा मे आये हैं और पिछले वर्ष से सभी सरकारी एवं रेल कर्मचारियों के साथ ही रक्षा, शिक्षक तथा सरकारी उत्पादन इकाईयों के कर्मी भी पुरानी पेंशन बहाली पर साथ हैं और आंदोलन कर रहे हैं इसीलिए 10 अगस्त 2023 की रामलीला मैदान की ऐतिहासिक रैली भी आयोजित की गई।

शिवगोपाल मिश्रा ने कहा, यह आंदोलन रूकेगा नहीं, यह भूख हड़ताल अगले चार दिनों चलेगी। आंदोलन पूरे देश में सभी सरकारी कार्यालयों, रेलवे कार्यालय व अन्य प्रशासनिक कार्यालयों पर एआईआरएफ के झंडे तले आयोजित हो रहा है। पुरानी पेंशन को जरूरी बताते हुए उन्होने कहा कि कर्मचारियों के बुढ़ापे में उनकी कोई सामाजिक सुरक्षा नही है। सरकार खुद तो पेंशन लेती है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों के बुढापें की उनको कोई परवाह नही है। धरने पर कई यूनियन नेता शामिल हुए।

गला घोंटकर महिला को लूटा, पुलिस ने आरोपित किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । द्वारका जिले के बिंदापुर इलाके में बदमाशों ने एक महिला का गला घोंटकर पर्स व फोन लूट लिया। घटना छह जनवरी की सुबह के समय की है। सैनिक नगर इलाके में सुबह सैर पर जा रही महिला को एक बदमाश ने पीछे से दबोच लिया। फिर उनका गला तब तक घोटा जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि पीड़िता बेहोश होकर सड़क पर गिर जाती है। तभी बदमाश उनके हाथ से बैग और फोन लेकर फरार हो जाते हैं। बदमाश ने जिस समय इस वारदात को अंजाम दिया उस समय आसपास कोई नहीं था। महिला चिल्लाती रही, लेकिन कोई उसे बचाने के लिए नहीं आया। बदमाश वारदात के बाद आसानी से फरार हो गया। वहीं, यह घटना सामने के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान शिवकुमार उर्फ विक्की के रूप में हुई है। वह राजस्थान के भीलवाड़ा का रहने वाला है। इसके पास से लूटा गया बैग और मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। पूछताछ में पता चला कि इसके ऊपर पहले से अलग-अलग करीब छह मामले चल रहे हैं।

दिल्ली सरकार के पूर्व चेयरमैन तारिक सिद्दीकी का निधन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व चेयरमैन और जाने-माने राजनीतिक और सामाजिक नेता तारिक सिद्दीकी का 55 साल की उम्र में अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके निधन की खबर आम होते ही राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक हलकों में गम की लहर दौड़ गई और यकीन करना मुश्किल हो गया कि कल तक मुस्कुराता हुआ चेहरा अब हमारे बीच नहीं रहा। उनकी पत्नी के अलावा दो बेटे मंजर सिद्दीकी, रहबर सिद्दीकी, एक बेटी सना सिद्दीकी और दो भाई मुहम्मद राशिद सिद्दीकी और मुहम्मद खालिद सिद्दीकी हैं। मगरिब की नमाज के बाद फिरदौस मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल बासित ने ईदगाह जाफराबाद में नमाज ए जनाजा पढ़ाई और वेलकम कब्रिस्तान में दफनाया गया। मरहूम पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित के बहुत करीबी माने जाते थे और यही कारण था कि वह लंबे समय तक अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष भी रहे और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते थे और उर्दू समाचार पत्रों और मंचों से उनकी पहचान थी। इस का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है को इनके नमाज ए जनाजा में लोगों का हुजूम नजर आया। नमाज ए जनाजा में शामिल होने वाले और ताज़ियत करने वालों में पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, विधायक अब्दुल रहमान, पूर्व विधायक चौधरी मतीन अहमद, पत्रकार सैयद खुर्रम रजा, दिल्ली हज समिति के पूर्व अध्यक्ष डॉ. परवेज मियां, मिर्जा जावेद अली, दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष जाकिर खान मंसूरी, एमएलसी डॉ. खालिद अनवर, दरगाह हजरत निजामुद्दीन के सैयद काशिफ अली निजामी, हाजी जरीफ, चौधरी जुबैर अहमद, सैयद नासिर जावेद, दैनिक सियासी तकदीर के ग्रुप एडिटर मुस्तकीम खान, मोहम्मद तैय्यब हाजी नाज़िर मेहबूब खान, जहांगीर बेग, हाजी गालिब, अब्दुल रज्जाक, हाजी अनीस, हाजी मोइनुद्दीन, हाजी शमशाद, शेख सरताज मसूदी जरार अहमद, नदीम राइन और साहिल आदि के

22 जनवरी को दिवाली की तरह सजेगी मंडोली रोड मार्किट : बिन्नी वर्मा

नई दिल्ली। श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या से पहुंचे अक्षत मार्केट की अध्यक्ष श्रीमती बिन्नी वर्मा ने ग्रहण किया और उसके साथ मंडोली रोड की पूरी मार्केट में सभी दुकानदार भाइयों को भगवान श्री राम मंदिर अयोध्या धाम की फोटो एवं अक्षत सभी दुकानदार भाइयों को वितरण किए गए इस अवसर पर श्रीमती बिन्नी वर्मा ने कहा मार्केट को 22 जनवरी को दीपावली की तरह सजाया जाएगा इस अवसर पर मार्केट के संगठन मंत्री मुकेश पंचाल ने सभी दुकानदार भाइयों को अक्षत दिए और कहा सभी दुकानदार भाई अपने नजदीक के मंदिर या अपने पूजा स्थान पर 22 जनवरी को यह अक्षत भगवान श्री राम के चरणों में अर्पित करें पूजा स्थल पर रखें मार्केट की अध्यक्ष श्रीमती बिन्नी वर्मा सहित मार्केट के पदाधिकारी ने हिस्सा लिया

लिफ्ट में फंसे 10 लोग, दमकलकर्मियों ने चार घंटे प्रयास कर बचाया

नई दिल्ली। मध्य जिले के राजेन्द्र प्लेस इलाके स्थित रेस्टो एंड बार में रविवार आधी रात लिफ्ट रुकने के कारण इमारत में एक साथ 10 लोग फंस गए। दमकल विभाग और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लगभग चार घंटे की मशक्कत के बाद लिफ्ट को काटकर आज सुबह 6:30 बजे लोगों को लिफ्ट से निकाला।

जानकारी के अनुसार लिफ्ट में ज्यादा लोगों के सवार हो जाने के कारण लिफ्ट ओवरलोड हो गई थी, जिसकी वजह से लिफ्ट फंस गई। लिफ्ट में फंसे लोग इस इमारत में स्थित एक रेस्टोरेंट में पार्टी करने आए थे। लिफ्ट जिस जगह फंसी, वहां 18 से 20 इंच मोटी दीवार थी। हालांकि दमकलकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए लिफ्ट में फंसे लोगों का हौसला बनाए रखा और लिफ्ट के ऊपरी हिस्से को सावधानी से काट कर लोगों को निकाल लिया।

दमकल कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात पौने तीन बजे के आसपास राजेंद्र प्लेस से कॉल मिली थी कि कुछ लोग लिफ्ट में फंस गए हैं। इसके बाद मौके पर कनॉट प्लेस और प्रसाद नगर फायर स्टेशन से गाड़ियां भेजी गईं। टीम जब अंदर पहुंची तो देखा की लिफ्ट दीवार के बीच में फंस गई है। उसके बाद ऊपर से लिफ्ट के गेट को खोला गया और फिर दमकलकर्मी नीचे उतरकर लिफ्ट के ऊपरी हिस्से पर पहुंचे। फिर कटर की मदद से लिफ्ट के ऊपरी हिस्से को काटा गया।

प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया को जुडिशल पावर दी जाए और न्यूजप्रिंट और सरकारी विज्ञापनों से जीएसटी हटाई जाए

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट दिल्ली एनसीआर की बैठक में की गई मांगे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली।देश में प्रेस को लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है लेकिन आजादी के पिछत्तर (75) साल बीत जाने के बाद भी प्रेस को आज तक संवैधानिक मान्यता प्रदान नहीं की गई, प्रेस के पास कोई भी संवैधानिक अधिकार,सुरक्षा और सुविधा नहीं है। इसलिए प्रेस को भी अन्य तीन, विधायिका,कार्यपालिका और ज्यूडिसरी की तरह संवैधानिक दर्जा प्रदान किया जाए। यह माँग इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसियशन,दिल्ली झ्र एनसीआर की बैठक में की गई। बैठक में बारह सूत्रीय मांगों का एक मीडिया चार्टर भी रखा गया।

एसोसिएशन के प्रेसिडेंट गोविंद मिश्रा ने कहा कि लोकतन्त्र और प्रेस में बहुत ही गहरा संबंध है बिना मजबूत प्रेस के देश में लोकतन्त्र मजबूत नहीं रह सकता है। देश में मीडिया को मिली अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता बहुत सारे दूसरे कानूनों और प्रविधानों से घिरी हुई है। एक आम आदमी के पास प्रेस से ज्यादा स्वतन्त्रता है और एक सरकारी कर्मचारी के पास एक पत्रकार से ज्यादा अधिकार हैं। दूसरे, पत्रकारों का उत्पीड़न होना अब बहुत ही आम बात हो गई है और यह इसीलिए है क्यों कि पत्रकारों को कोई भी अधिकार और सुरक्षा हासिल नहीं है। हर सरकार प्रेस को दबाने और अपना प्रवक्ता बनाने की कोशिश करती है ।उन्होने कहा कि इसके साथ प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया को अर्ध न्यायिक शक्तियां मिलना चाहिए ताकि पत्रकारों पर लगने वाले आरोपों की वह प्राइमरी जांच कर सके। इस बात पर भी उन्होने अफसोस जाहिर किया कि अधिकतर समाचार सस्थानों की सेवा शर्तें बहुत ही खराब होती हैं.।

संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विपिन धूलिया ने कहा कि सरकार द्वारा न्यूज प्रिंट और मीडिया को मिलने वाले विज्ञापनों पर जीएसटी लगाने से छोटे और मझोले अखबारों के सामने अस्तित्व बचाए रखने का संकट खड़ा हो गया है। इससे तमाम पत्रकार बेरोजगार हो जाएंगे।उन्होने यह भी मांग की कि पत्रकारों की सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए कानून लाया जाना चाहिए और पत्रकारों पर हमले को संज्ञेय अपराध माना जाए ताकि उनकी हर प्रकार की सुरक्षा हो सके। धूलिया ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से करीब दो सौ लोग निकाले जाने पर भी कहीं से कोई प्रतिक्रिया ना होने पर बहुत ही निराशा व्यक्त की।

इसी प्रकार हिंदुस्तान टाइम्स के कई पत्रकार सालों तक धरने पर बैठे रहे। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई ।

एक उर्दू चैनल के संपादक,लेखक तहसीन मुन्नवर ने कहा कि उर्दू प्रेस के हालात तो और भी खराब हैं । डिजिटल मीडिया के लिए सरकार द्वारा लाए गए नए प्राइवेसी बिल में मीडिया को अलग से और विस्सल ब्लोअर कानून के तहत मीडिया को भी शामिल किए जाने की जरूरत है। उन्होने कहा कि इसके साथ साथ मीडिया को भी अपना स्तर सुधारना होगा इसके लिए पत्रकारों की शिक्षा और प्रशिक्षण में सुधार की बहुत अवश्यकता है। सिर्फ पैसा कमाने के उद्देश्य से पत्रकार शिक्षा संस्थान गली मोहल्लों में खुल गए हैं उन्हें बंद कर देना चाहिए । उन्होने कहा कि कई राज्य सरकारों ने पत्रकारों के लिए कुछ अच्छे काम भी किए हैं लेकिन इन प्रावधानों को पूरे देश में लागू करने की जरूरत है।

इसके अलावा मीटिंग में संस्था के दिल्ली-एनसीआर के महासचिव प्रमोद कुमार,वरिष्ठ पत्रकार संजय सिंह ,कृष्णकांत, समीरत्म्ज मिश्रा,सुशील देव, और इकबाल ने भी अपने विचार रखे ।मीटिंग में अपनी मांगों के समर्थन में एक्शन प्लान पर भी चर्चा हुई ।

पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर स्मृति पुरस्कार से राष्ट्र टाइम्स के संपादक विजयशंकर चतुर्वेदी सम्मानित

नई दिल्ली। चित्रकला संगम की ओर से कंस्टीट्यूशनल क्लब दिल्ली में पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर काव्य संध्या और सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस सम्मान समारोह के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली, चित्र कला संगम के अशोक जैन और रवि जैन के हाथों वरिष्ठ पत्रकार विजय शंकर चतुवेर्दी को सम्मानित किया गया। उनके अलावा समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय विश्वास के संपादक विजय मोहन ने किया। हालांकि व्यस्तता के कारण कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी कार्यक्रम में नहीं आ पाई लेकिन उन्होंने खेद प्रकट करते हुए अपना संदेश जरूर भेजा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर ऐसे सौभाग्यशाली लोगों में से थे, जो हमारी आजादी की पहली रोशनी के गवाह थे। उन्होंने अपनी कलात्मक दृष्टि से दुनिया देखी, उसे दर्ज किया और कई पुरस्कारों से सम्मानित हुए। हमें यह जानकर बेहद खुशी है कि चित्रकला संगम और उनके पुत्रों द्वारा हर वर्ष उनके स्मृति दिवस पर काव्य संध्या एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता रहा है। इस अवसर पर सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विजय शंकर चतुवेर्दी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि कैसे वीरेंद्र प्रभाकर जी के चित्रों ने दिल्ली के विकास व बदलाव में एक अहम भूमिका निभाई। चतुवेर्दी ने बताया कि खासकर पूर्वी दिल्ली की 70 फीसदी समस्याओं के समाधान व विकास की कहानी स्वर्गीय वीरेंद्र प्रभाकर जी के चित्रों ने ही लिखी। कांग्रेस सांसद और बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि पत्रकारीय और सामाजिक सरोकार में हमारी कई मुलाकात पद्मश्री वीरेंद्र प्रभाकर एक छायाकार-पत्रकार से अधिक मित्र थे, जो सभी के लिए समभाव रखते थे। हमें इस बात की बेहद खुशी है कि उनके दोनों पुत्र अशोक जैन और रवि जैन ने उनके सरोकार और विरासत को आगे बढ़ाया है। राजीव शुक्ला ने यह भी कहा कि हास्य कवि अरुण जैमिनी ने देश के क्रिकेटरों के लिए काव्य संध्या के आयोजन का प्रस्ताव रखा है, उस पर भी हम विचार करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मंत्री की पुण्यतिथि मनाई गई

मुजफ्फरपुर ।आज बिहार सरकार के पूर्व मंत्री काँटी कुशी निवासी स्वर्गीय प्रोफेसर शंभू शरण ठाकुर की पुण्यतिथि काँटी विकास संघर्ष समिति के बैनर तले मनाई गई। केवीएसएस अध्यक्ष पिनाकी झा, उपाध्यक्ष हर्षवर्धन ठाकुर, सहित नूतन साहित्यकार परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह चंद्र, सेवानिवृत शिक्षक स्वराज लाल ठाकुर, राजकुमार, काजू यादव, सेवानिवृत्ति बिओ परशुराम ठाकुर, सहित अन्य लोगों ने उनके तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारी मात्रा में विदेशी शराब सहित वाहन जब्त, चालक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर ।मध्य निषेध विभाग एवं पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ढाई हजार लीटर विदेशी शराब के साथ एक वाहन भी जब्त किया है ।इस मामले में चालक को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। बिहार मद्यनिषेध इकाई, पटना द्वारा मिली सूचना के आधार पर करजा थाना की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए करजा थाना अंतर्गत बड़कागांव स्थित महिन्द्रा चौक के पास एक ट्रक में धान के भूसा के साथ छिपाकर रखे कुल विदेशी शराब - 2258.280 लीटर के साथ अभियुक्त महेश यादव ग्राम नीरपुर पटियासा थाना-अहियापुर को गिरफ्तार किया गया है। इस सिलसिले में शराब लदे वाहन को भी जब्त किया गया है ।इस संदर्भ में करजा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए पैसा मांगने का आरोप

मुजफ्फरपुर ।जिले के गायघाट प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ईलाज के नाम पर मरीज से रुपया मांगने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर कुम्हरौल गांव के भगवती देवी ने सीएचसी के डॉ कालीचरण रजक के विरुद्ध थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि वह अपने घर में गिर गई थी, जिससे उसके हाथ में गहरी चोट लग गई। इसके बाद वह ईलाज कराने गायघाट सीएचसी पहुंची, जहां ओपीडी में बैठे डॉ कालीचरण ने हाथ का एक्सरे कराने के बाहर भेज दिया और 15 सौ रुपए भी ले लिए। एक्सरे देखने के बाद उन्होंने बताया की हाथ का हड्डी टूट गया हुआ है। इसके बाद रेफर करने के बजाए सीएचसी के बाहर अपने निजी क्लीनिक में ले गए। और हाथ का प्लास्टर करने के बाद कुछ दवाइयां देकर 35 सौ रुपए और ले लिए। जब पूछा की सरकारी अस्पताल में इलाज का पैसा नहीं लगता है तो कोइ जवाब नहीं दिए। थाना अध्यक्ष मोनू कुमार ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण, संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार तथा जिलाधिकारी श्री विजय प्रकाश मीणा के निदेशानुसार जिला प्रशासन, मधेपुरा के सौजन्य से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिले के चौसा प्रखंड में महिला संकुल स्तरीय संघ में महिला मुद्दों पर आधारित फिल्म गुंजन सक्सेना का प्रदर्शन किया गया। साथ ही सखी वार्ता का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में आई. सी. डी. एस द्वारा गर्भवती महिलाओं का गोदभराई की गई। इस दौरान वन स्टॉप सेन्टर एवं जिला हब फॉर एम्पोवेर्मेंट ऑफ वीमेन, मधेपुरा के पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा उपस्थित महिलाओं को महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार द्वारा संचालित योजनाएं यथा-वन स्टॉप सेंटर, सामाजिक पुनर्वास, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, 181, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के साथ-साथ मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी, श्रीमती रश्मि कुमारी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा मिशन शक्ति योजना का प्रारंभ किया गया है। यह योजना महिलाओं सम्पूर्ण लाइफ साइकिल पर आधारित है महिलाएं अपनी समस्या जिला समाहरणालय परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर अथवा जिला हब फोर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन कार्यालय को दूरभाष, ईमेल एवं कार्यालय में उपस्थित होकर दे सकती है। जिले के सभी संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा आई. सी. डी. एस के तहत संचालित सभी छः सेवाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मिशन समन्वक, मो. इमरान आलम ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाने हेतु प्रधानमंत्री वंदना योजना अहम भूमिका निभा रही है। इसके तहत प्रथम वार गर्भवती होने वाली माता को सशर्त दो किस्तों में 5 हजार दिया जाता है एवं द्वितीय संतान कन्या शिशु होने पर एक मुफ्त 6 हजार माता के खाता में डी बी टी के माध्यम से दिया जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती कुमारी शालिनी, केंद्र प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर मधेपुरा ने कहा कि अब महिलाओं को डरने की जरूरत नहीं है। महिलाओं से संबंधित सभी तरह के समस्या के समाधान के लिए समाहरणालय परिसर में वन स्टॉप सेंटर एवं जिला हब एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय संचालित है जिसके तहत महिलाओं को महिलाओं से संबंधित सभी तरह की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वही लैंगिक विशेषज्ञ श्री राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना बालिकाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में आम भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में सभी महिला पर्यवेक्षिका, सामुदायिक समन्वयक जीविका, सभी प्रखंड समन्वयक, जीविका दीदी, सेविका, सहायिका साथ-साथ कई महिलाएं मौजूद थी।

विश्वविद्यालय अधिकारियों की सम्पत्ति की जांच आर्थिक अपराध शाखा से कराने की मांग

प्रात : किरण, संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जन आधिकार पार्टी (लो०) मुजफ्फरपुर द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बिहार विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस कैंपस में आयोजित किया गया। प्रेस को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश ने बिहार विश्वविद्यालय थाना कांड संख्या 10/23 की हाई कोर्ट के रिटायर न्यायाधीश से उच्चस्तरीय जांच की मांग समेत विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, निवर्तमान कुलपति रजिस्टार, निवर्तमान रजिस्टार, फाइनेंस ऑफिसर, वित्तीय सलाहकार, कंट्रोलर, टेबलेट के संपत्ति की जांच आर्थिक अपराध शाखा से कराई जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से 2023 तक हुए परीक्षा में मार्क्स फाइल, टेबुलेशन रजिस्टर एवम कॉपी के नंबरों का मिलान किया जाए ताकि टॉपर घोटाला समेत बड़े स्तर पर मोटी रकम लेकर फेल को पास किए जाने का खुलासा हो सके ।गया है इसका खुलासा हो सके। साथ में विश्वविद्यालय मैं हुए बहाली प्रक्रिया में रोस्टर प्रणाली लागू नहीं करना एवम चहेते को मोटी रकम लेकर पदो को बेचने एवं इन सबके बैंक खाता की जांच हो । उन्होंने कहा कि इन प्रमुख मांगो को लेकर आज जन अधिकार पार्टी लो० मुजफ्फरपुर के द्वारा पूर्व में कुलपति आवास से लेकर कुलाधिपति आवास तक पदयात्रा भी कर चुकी है। यदि 15 जनवरी तक कार्रवाई सुनिश्चित नही होती है तो पार्टी जिला इकाई सांकेतिक उपवास करेगी । उसके बाद अनिश्चितकालीन उपवास पर जाने को मजबूर होगी। राकेश कुमार गुड्डू ने कहा कि डिस्टेंस विभाग के पूर्व एवं वर्तमान डायरेक्टर ने विश्वविद्यालय को अवेध इनकम का अड्डा बना दिया है ।इनकी संपत्ति की जांच होगी तो कई बड़े-बड़े फ्लैट, जमीन, कैश जो भारी मात्रा में अर्जित किया गया है , उसका पदार्फाश हो सकेगा। इस संयुक्त प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से सवर्ण प्रकोष्ठ के प्रांतीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुड्डू, नगर अध्यक्ष प्रभात रंजन झा मौजूद रहे।

सोमवार की सुबह बड़े पैमाने पर अंग्रेजी शराब बरामद, कारोबारी फरार

प्रात : किरण, संवाददाता

मुरलीगंज (मधेपुरा) थाना क्षेत्र अंतर्गत जीतापुर पंचायत के वार्ड छह नहर के पास सोमवार की अहले सुबह गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर 51 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद किया है। लेकिन कारोबारी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष रणवीर कुमार ने कहा कि छानबीन के क्रम में बरामद शराब जीतापुर पंचायत के विवेक सिंह का प्रतित हुआ है। और अन्य लोगों के संलिप्त होने की जांच की जा रही है। बताया कि विवेक सिंह के घर से कुछ दूर एक गिट्टी बालू दुकान परिसर में शराब की कार्टून लावारिस हालत में मिला। कुल 51 कार्टून में 375 एमएल का 1224 बोतल शराब बरामद हुआ है। शराब बरामदगी मामले में विधि सम्मत कार्रवाई किया जा रहा है।

जिले में आयोजित होगा प्रतिभा प्रतियोगिता

टॉप छात्रों को मिलेगी बारहवीं तक की पढ़ाई की मुफ्त सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। स्थानीय गंगजला चौक स्थित निजी होटल में प्रयास की एक बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता अविनाश शंकर बंटी और ई मणि भूषण सिंह द्वारा किया गया। बैठक में सभी सरकारी , गैर सरकारी स्कूल और कोचिंग संचालकों को प्रयास के माध्यम से हो रही प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के संदर्भ में जानकारी दी गई। प्रतियोगिता परीक्षा में लगभग तीन सौ स्कूल एवं एक कोचिंग से दस हजार बच्चों के भाग लेने की उमीद जताई गई। जिसकी परीक्षा दो चरणों में होगी। प्रत्येक कक्षा से टॉप टेन बच्चों का चयन चार तरह की परीक्षा के द्वारा किया जाएगा। जिन्हें जिला स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। मेंटर्स एडुसर्व प्रगति क्लासेज और बुक वर्ल्ड के प्रोपराइटर के द्वारा अन्य कई घोषणा की गई। जिसके अंतर्गत दसवीं से टॉप तीन बच्चों को 11 एवं 12 की कोचिंग एवं पुस्तक निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में हीरा होमियो सेवा सदन के चैयरमेन डॉ भरत भूषण सिंह , एकलव्या सेन्ट्रल स्कूल के निदेशक मुकेश सिंह , आर्दश पब्लिक स्कूल के निदेशक मलिक , सक्षम शिक्षण वाटिका के निदेशक रजनीश , चौहान इंगलिश क्लास के राणा चौहान , प्रगति क्लासेज के निदेशक चंदन , विद्याश्रम क्लासेज से रोशन , मार्डन मिथिला पब्लिक स्कूल के निदेशक आलम , कृष्णा निकेतन के निदेशक सुनील चौधरी , सी.ए आशीष कुमार झा , साइंस होटल कोचिंग के राम प्रवेश सहित अन्य निदेशक और प्राचार्य उपस्थित थे।

कहानीकार मोहन राकेश की रचनाएं मर्म को छूती हैं : चंद्रभूषण सिंह चंद्र

ब्रह्मानन्द ठाकुर
प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मोहन राकेश नई कहानी आंदोलन के नायक थे। उनकी कहानियां, नाटक व यात्रा वृतांत पाठकों के दिल को छू जाती हैं। जो पाठक उनकी रचनाओं को पढ़ता है, वह उनके शब्दों में डूब जाता है। सोमवार को साहित्य भवन कांटी में अध्यक्षीय संबोधन में चंद्रभूषण सिंह चंद्र ने मोहन राकेश की जयंती समारोह में यह बातें कही। नूतन साहित्यकार परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मोहन राकेश ने अपने अल्प जीवनकाल में पाठकों पर अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपना जीवन अपनी शर्तों पर जिया। लहरों के राजहंस, आषाढ़ का एक दिन, अंधेरे बंद कमरे, आधे - अधूरे उनकी कालजयी रचनाएं हैं। उन्होंने अपने जीवन में जो कुछ भी भोगा, जीया व अनुभव किया, उसे जस के तस अपने साहित्य में रच दिया। मोहन राकेश के जीवनवृत पर प्रकाश डालते हुए चंद्र ने कहा कि लेखन को उन्होंने जीवन में प्रथम स्थान दिया। जिंदादिली, फक्कड़पन व मस्तमौलापन उनके व्यक्तित्व का हिस्सा रहा। इससे उन्होंने कभी समझौता नही किया। सेवानिवृत डीडीओ परशुराम सिंह ने कहा कि मोहन राकेश ने तीन नाटक लिखें। आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस व आधे अधूरे। आषाढ़ का एक दिन पर मणि कॉल ने फिल्म बनायी, जो बहुत चर्चित हुई व पुरस्कृत भी। राकेश कुमार राय ने कहा कि मोहन राकेश का नाटक आधे अधूरे भारत में बदलते शहरी परिवेश में मूल्यों में परिवर्तन को मार्मिक ढंग से पेश करता है। स्वराजलाल ठाकुर ने बतलाया कि उन्होंने डायरी को भी एक विधा का दर्जा दिलाया। सेवानिवृत शिक्षक रामेश्वर महतो ने मोहन राकेश के यात्रा संस्मरण के पुस्तक आखिरी चट्टान तक के बारे में कहा की उनके यात्रा संस्मरण के वाक्य छोटे-छोटे व बेहद प्रभावकारी हैं। जयंती समारोह में पिनाकी झा, रजनीश कुमार, प्रकाश कुमार, वसंत शांडिल्य ने भी मोहन राकेश की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

प्रभु स्मरण से बनेगा जीवन मंगलमय : मुनि रमेश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) जीवन को मंगलमय बनाने के लिए अपने आराध्य देव का प्रातःकाल के समय श्रद्धा भक्ति से स्मरण करना चाहिए। जो व्यक्ति प्रातः काल की मंगलवेला में अपने इष्ट का ध्यान करता है, इष्ट का स्मरण करता है उसे अवश्य ही भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ब्रह्म मुहूर्त में जागरण से अनेक शारीरिक मानसिक और और भावनात्मक लाभ मिलते हैं। आज के युग में लोगों ने ब्रह्म मुहूर्त के महत्व को विस्मृत कर रहे हैं। इस कारण उनके जीवन में अमन चैन नहीं है। उपरोक्त विचार आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य मुनि श्री रमेश कुमार जी ने वाणिज्य समिति धर्मशाला में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। जैन मुनि रमेश कुमार कुछ दिन से बिहारीगंज में प्रवास कर रहे हैं उनके प्रवचन सुनने के लिए जैन, जैनेत्तर, अग्रवाल और बिहारी समाज के लोग काफी संख्या में आ रहे हैं। मुनि रमेश कुमार ने आगे कहा- प्रातःकाल की मंगलवेला में अपने प्रभु का नाम जप ने से पांच लाभ होते हैं। जिससे वह स्वयं, पूरा परिवार और समाज को लाभ मिलता है। ब्रह्म मुहूर्त में प्रभु स्मरण करने से स्वयं के व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाया जा सकता है। मुनि रत्न कुमार जी ने कहा- मनुष्य का जीवन चिन्तामणी रत्न के समान अमूल्य है। इसे दुनिया के गौरख धंधों में नहीं खोना चाहिए। धर्म की आराधना के लिए भी समय निकालना चाहिए। जिससे यह जन्म सार्थक बन सके। इस मौके पर कमल पटवारी, विजय बोथरा, सुमन बोथरा, माखन जी सहित कई गण्यमान लोगों उपस्थित थे। बताया गया कि मुनि रमेश कुमार जी सहवर्ती मुनि रत्न कुमार जी बिहारीगंज से 9 जनवरी को विहार करके रजनी विराजेंगे और 10 जनवरी को मुरलीगंज पहुचेंगे। वहां पर भी कुछ दिनों का प्रवास रहेगा।

नफरत की दीवार तोड़ने के लिए जागरुकता की जरूरत 13जनवरी को निकाला जाएगा सद्भावना मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सद्भावना मंच कार्यकारिणी समिति की बैठक लक्षणदेव प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में रॉयल गार्डन ,नवाब रोड में संपन्न हुई। बैठक का मूल उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के वासियों में आपसी सद्भाव , समामजिक सौहार्द , सामाजिक समरसता, प्रेम और भाईचारा को बढ़ावा देने के लिए सार्थक प्रयास पर जोर दिया । बिखरते समाज को एक सूत्र में बांधने एवं समुदायों के बीच बढ़ती नफरत की दीवार को तोड़ने के लिए जागरूकता लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उपस्थित सदस्यों ने अपने विचारों के माध्यम से टूटते संबंधों को मजबूती से जोड़ने के लिए इसे गति प्रदान करने एवं कार्य योजना पर काम करने की सख्त जरूरत महसूस किया। बिरेंद्र सिंह ने कहा कि सामाजिक सद्भावना एवं भाईचारे के मामले में ग्रामीण क्षेत्रों से ज्यादा शहरी क्षेत्रों में गिरावट आई है ।प्रो शब्बीर अहमद पप्पू ने कहा कि हमे सभी हलकों में आपसी प्रेम और भाईचारे का वातावरण बनाए रखने के लिए निष्ठापूर्वक काम करते रहना है । संयुक्त सचिव मोहम्मद इश्तेयाक ने संगठन विस्तार एवं सद्भावना मंच के उद्देश्य को जन -जन तक पहुंचाने के लिए बेहतर और असरदार कार्ययोजना पर काम करने की बात कही । अध्यक्ष लक्षनदेव प्रसाद सिंह ने सभी कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रो अरुण कुमार सिंह, प्रो सैयद अबूजर कमालुद्दीन के सुझाव पर मुजफ्फरपुर नगर क्षेत्र में एक सद्भावना मंच के बैनर तले शांति मार्च या सद्भावना मार्च अथवा रैली निकालने का प्रस्ताव दिया, जिसे सदस्यों के आम सहमति से स्वीकार कर लिया गया। तय हुआ कि 13जंवरी को शांति रैली अथवा सद्भावना मार्च निकाला जाएगा जिसके तहत ....प्रो अरुण कुमार सिंह को इस प्रस्तावित रैली के रूपरेखा तैयार करने के लिए पांच सदस्यीय समिति का संयोजक बनाया गया जिसमे प्रो अबूजर कमालुद्दीन, उमाशंकर सहनी, डॉक्टर हरेराम महतो ,एवं वीरेंद्र सिंह शामिल है । रैली अथवा मार्च को सफल बनने के लिए अंतिम कार्योजना हेतु मंगलवार को एक बैठक की जाएगी और सदस्यों से आग्रह किया गया की सोशल मीडिया एवं व्यक्तिगत संबंध के माध्यम प्रस्तावित रैली में शामिल होने का प्रचार प्रसार करेंगे । बैठक में सचिव डॉ महमूदुल हसन, संयुक्त सचिव मोहम्मद इश्तेयक , प्रो शब्बीर अहमद पप्पू (सदस्य बिहार राज्य मदरसा बोर्ड) हससाम तारिक, हरेंद्र बाबू, मोहम्मद हमीद , रिजवान एजाजी, मनौवर आजम, शब्बीर अंसारी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक का टीम कोलकाता के लिए रवाना, देश स्तर पर करेंगे प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा । मधेपुरा, सहरसा सुपौल से राज स्तरीय चयनित 11 छात्राओं का टीम मार्गदर्शक शिक्षक अमृता कुमारी, शैलेश कुमार चौरसिया, जूनियर साइंटिस्ट आनंद विजय और दीपक कुमार के साथ सहरसा जंक्शन से सियालदह एक्सप्रेस से कोलकाता के लिए रवाना हुए। जहां देश स्तर पर मधेपुरा के छात्र विज्ञान का प्रदर्शन करेंगे। ज्ञात हो कि बिहार से 35 छात्र का चयन किया गया है जिसमें मधेपुरा का 10 छात्र एवं सुपौल से एक छात्र चयनित हुए हैं। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष और क्षेत्रीय समन्वक राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस मधेपुरा के सफल प्रयास से मधेपुरा देश स्तर पर जूनियर वैज्ञानिकों का टीम गठन करने जा रहा है। मधेपुरा की पहचान देश स्तर पर दिलाने में डॉ. श्रीकृष्ण कुमार, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ मधेपुरा के अनुमंडल पार्षद श्रीमती अमृता कुमारी का अहम योगदान है। वहीं शिक्षक वंदना कुमारी, प्रतिमा कुमारी, हिरा भारती, किरण भारती, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. अरुण कुमार, सुनील चौरसिया, पुरुषोत्तम कुमार, डॉ. लवकेश कुमार, प्रशांत कुमार, नीरज कुमार, धर्मेंद्र कुमार, ललन कुमार, दीनबंधु सहित अन्य शिक्षक एवं पदाधिकारी का सहयोग रहा।

विष्णु महायज्ञ को लेकर बैठक का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बनमा ईटहरी/सहरसा। जिला के प्रखंड क्षेत्र के कुशमी गांव में नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसका शुभारंभ आगामी 16 फरवरी को होगा। इसके पूर्व भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली जाएगी। नौ दिवसीय विष्णु महायज्ञ का समापन आगामी 24 फरवरी को किया जाएगा। समापन के बाद 24 फरवरी को विशेष विष्णु महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ की तैयारी युद्धस्तर पर की जा रही है। तैयारी को लेकर सोमवार को ग्रामीणों की एक बैठक हुई। जिसमें तैयारी की समीक्षा की गयी। मौके पर पंकज यादव, गणेश साह, संतोष पासवान, विदुर बढ़ई, जगदेव शर्मा, पप्पू यादव, अर्जुन बढ़ई, रंजन पासवान, रूपेश कुमार, संजय चौधरी, मनीष कुमार, श्याम सुंदर यादव, सज्जन पासवान, मिथलेश कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

डेढ़ माह से ट्रांसफार्मर खराब अंधेरे में रात गुजारने की विवशता

मामला प्रखंड क्षेत्र के नाढ़ी पंचायत वार्ड छह यादवनगर टोला का

प्रात : किरण संवाददाता

● विद्युत विभाग के कर्मी नहीं दे रहे ध्यान

मुरलीगंज (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नाढ़ी पंचायत के वार्ड छह यादव नगर टोला का डेढ़ माह पूर्व से ट्रांसफार्मर खराब रहने के कारण लोग अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर है। प्रखंड क्षेत्र के अन्य जगहों पर भी ट्रांसफार्मर खराब होने की बात कही जा रही है। जबकि अन्य जगहों के ट्रांसफार्मर विभाग द्वारा बदलने की कार्रवाई की गई है। लेकिन नाढ़ी पंचायत के वार्ड छह यादव नगर टोला के उपभोक्ता करीब डेढ़ माह से बिजली के लिए परेशान है। ट्रांसफार्मर खराब रहने के कारण विद्युत चालित सभी प्रकार के काम ठप हो गया है। बैट्री, इनवर्टर भी बेकार साबित हो गया है। मोटर आटा मिल बंद रहने से लोगों को दूसरे गाँव गेहुं पिसाने जाने की विवशता बनी है। ग्रामीण चंदन यादव, धर्मेंद्र कुमार, डोमी कुमार, शंकर यादव, नीतीश कुमार, ज्योतिष यादव, दिलीप यादव, मिथिलेश यादव, रविन्द्र शर्मा, संजय शर्मा ने कहा कि करीब डेढ़ माह पूर्व हीं ट्रांसफार्मर खराब हुआ है। विद्युत विभाग को अवगत कराने के बावजूद अभी तक खराब ट्रांसफार्मर बदला नही गया है। बच्चों का पठन-पाठन प्रभावित हो गया है। विद्युत विभाग के कर्मी और अधिकारी उदासीन रवैए अपनाए हुए हैं। इस बावत विद्युत विभाग के जेई हर्ष कुमार ने कहा कि जानकारी हुई है, जल्द हीं ट्रांसफार्मर बदलने की कार्रवाई की जाएगी।

विदेशी शराब बनाने की फैक्ट्री का उद्भेदन, 4 कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । पुलिस और उत्पाद विभाग की लगातार चौकसी और धर-पकड़ के बाबजूद शराब कारोबारी का धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है ।इस कड़ी में उत्पाद विभाग की टीम ने अहियापुर थाना अंतर्गत राघोपुर मुहल्ले के दोमौजिले मकान में छापेमारी कर शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है ।यहां एक दो मंजिला मकान में विदेशी शराब बनाने की फैक्ट्री चल रही थी। अहियापुर थानेदार और उधर से गुजरने वाले पुलिस पदाधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। उत्पाद विभाग की टीम ने शनिवार की देर शाम दो मंजिला मकान की घेराबंदी कर शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। बताया जाता है कि प्रभारी उत्पाद अधीक्षक अभिनव कुमार व इंस्पेक्टर पिंकी कुमारी के नेतृत्व में छापेमारी की गई। मकान के अंदर पार्टी कर रहे चार धंधेबाजों को भी गिरफ्तार किया गया। शनिवार रात आठ बजे से शुरू हुई कार्रवाई 11 बजे तक जारी रही ।इस दौरान एक पिकअप भी जब्त की गई। उसके अंदर रखी भारी मात्रा में नकली शराब हजारों पीस बोतल, कमरे से शराब पैकिंग करने की सामग्री, 25 लीटर स्प्रिट क्षमता के 10 से अधिक खाली गैलन, रैपर, ढक्कन समेत अन्य सामान बरामद किए गए।

भारत को विकसित बनाने की जिम्मेदारी युवाओं की है : डॉ. कैलाश प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा । विकसित भारत की संकल्पना में समग्र विकास की कामना निहित है। इसमें देश के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं नैतिक सभी आयामों का विकास निहित है। यह बात ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के प्रधानाचार्य डॉ. कैलाश प्रसाद यादव ने कही। वे सोमवार को माई भारत : विकसित भारत @ 2047 विषयक भाषण प्रतियोगिता में बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केन्द्र संगठन, मधेपुरा के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने कहा कि युवा ही देश के भविष्य हैं। भारत को विकसित बनाने की जिम्मेदारी युवाओं की है। वहीं भाषण प्रतियोगिता में स्वीटी कुमारी ने प्रथम, लता कुमारी ने द्वितीय तथा मिथुन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका उपकुलसचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर, टी. पी. कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर (इतिहास) डॉ. अमिताभ कुमार तथा सी. एम. साइंस कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर (वाणिज्य) डॉ. संजय कुमार परमार ने निभाई ।कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय जिला युवा अधिकारी हुसैन जहां ने की। संचालन सीनेटर डॉ. रंजन कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सौरभ कुमार ने की। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक बाबू साहब, लक्ष्मी रानी, इरशाद आलम, मनीष कुमार, सौरभ कुमार आदि उपस्थित थे।

समस्तीपुर जिला के विभूतिपुर में दो पक्षों में जमकर गोलीबारी, दो जख्मी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के पटपारा चौक पर सोमवार की शाम दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। जिससे चौक पर भगदड़ मच गया। लोग इधर उधर जान बचाकर भाग खड़े हुए। इस घटना में एक चाय दुकानदार सहित दो लोग जख्मी हुए हैं। जिन्हें परिजनों ने इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। जख्मी चाय दुकानदार की पहचान बाबूलाल सहनी के रूप में की गयी है। चाय दुकानदार को बांए पैर के ठेहुना के ऊपर गोली लगी है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि दूसरे पक्ष के जख्मी युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसकी पहचान पटपारा गांव के ही विजय सहनी के रूप में की गयी है। इसे तीन-तीन गोलियां लगी हुई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया है। घटना को लेकर जख्मी चाय दुकानदार बाबूलाल का कहना है कि वह अपने दुकान पर बैठा हुआ था। इस दौरान उसके दुकान के सामने विजय सहनी एवं उपेंद्र सहनी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। विजय सहनी हाथ में पिस्टल लेकर उसके दुकान में घुस गया। इसपर उसने विजय को दुकान से निकलने को कहा तो उसने उसपर गोली चला दी। बताया जाता है कि इसके बाद विजय सहनी पर दूसरे पक्ष ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिसमें विजय सहनी भी जख्मी हो गया। स्थानीय सूत्रों की मानें तो घटना के पीछे अवैध शराब का कारोबार एवं मछली पालन से संबंधित तालाब को लेकर पूर्व से चली आ रही रंजिश है। विजय सहनी किसी केस का फरारी अभियुक्त भी बताया जाता है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस छानबीन में जुट गयी है। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है।

अज्ञात अपराधियों ने चाचा-भतीजा को गोली मार किया जख्मी

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के लदोरा गांव में अज्ञात अपराधियों ने बाईक सवार युवक चाचा-भतीजा को गोली मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। गोली की आवाज सुनते ही गांव में अफरातफरी मच गई है। अपनी जख्मी युवक की पहचान लदौरा गांव वार्ड 7 निवासी राजू कुमार सिंह उर्फ राजू एवं उनके चाचा सुखनैन सिंह के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का बताना है कि जख्मी चाचा भतीजा का ईलाज डीएमसीएच में चल रहा है। जहां राजू कुमार सिंह उर्फ राजू का स्थिति बहुत नाजुक बनी हुई है। राजू कुमार के सिर में एक गोली लगने की चर्चा है। राजू कुमार पूर्व में लदौरा पंचायत का उप सरपंच रह चुका है। राज कुमार सिंह उर्फ राजू लदौरा चौक से अपने घर जा रहा था। इसी रास्ते में पहले से घात लागए अज्ञात अपराधियों द्वारा इस धटना को अंजाम दिया गया है। वहीं थाना अध्यक्ष राजन कुमार कुछ भी बताने से इनकार किया है।

सम्पादकीय

प्रभु श्रीराम के नाम पर विकास

विकास किसी भी रूप में हो, वह आम जन के लिये हितकारी ही होता है। आज पूरी दुनिया की उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के एतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या के पुरातन वैभव व विकास कार्यों की चर्चा करते हुए रैली में यह कहा। उन्होंने कहा भारत की मिट्टी के कण-कण व जन-जन का मैं पुजारी हूं। 15 हजार 700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास कर मोदी ने रामपथ, भक्ति पथ के निर्माण व सरयू नदी में गंदे पानी की आवक रोकने जैसी चातें भी कीं। वंदे भारत, नमो भारत व अमृत भारत ट्रेनों के संचालन की चर्चा करते हुए इस त्रिशक्ति ट्रेन को भारतीय रेल का कायाकल्प करने वाला बताया। उन्होंने बताया, तुलसीदास ने कहा था कि गरीब की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। इसलिए ये गरीब सेवा की भावना से शुरू की गई हैं। 34 वंदे भारत ट्रेनों में डेढ़ करोड़ यात्रियों द्वारा की गईं यात्राओं की चर्चा करते हुए मोदी ने यात्राओं व परिक्रमाओं को भगवान व आस्था से जोड़ते हुये कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अयोध्या नगरी को धन्यधान्य से परिपूर्ण व समृद्धि के शिखर पर आनंद से भरा हुआ वताया है। ज्यों-ज्यों लोक सभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है, त्यों-त्यों राम मंदिर को लेकर भाजपा की रणनीति जोर-शोर से काम करती नजर आने लगी है। यही मुद्दा है, जिसने भाजपा को दो सीटों से सीधे केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता बनाया। 14-22 जनवरी तक देश के सभी मंदिरों, धार्मिक स्थलों व तीर्थ स्थलों में स्वच्छता अभियान चलाने की बात कर मोदी गांव-गांव, कस्वों-छोटे शहरों आदि में रहने वाले देशवासियों को सीधा श्रीराम से जोडे का काम किया है। सरकार के इस प्रयोग पर तिलमिलाया विपक्ष अब तक इसकी कोई काट नहीं ढूंढ पाया है। वे मन्दिर को पूरे देश का कह रहे हैं और कभी भी वहां दर्शन के लिए जाने की बात कर अपनी आस्था सुनिश्चित कराने की कोशिशें भी करते नजर आ रहे हैं। हालांकि सरकार बार-बार दोहराती है कि राम मन्दिर निर्माण राजनीति का विषय नहीं है और रामलला पांच सौ वर्षों से इसका इंतजार कर रहे थे। यह न सिर्फ आस्था व विश्वास से जुड़ा मुद्दा है, चल्कि इसे लगातार भावनाओं से जोड़ा जाता रहा है। यह विशाल आयोजन निःसंदेह भाजपा को बड़ा राजनीतिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ही किया जा रहा है। मगर इन व्यवस्थाओं के माध्यम से तथा इसे मिल रहे प्रचार से यहां भक्तों की आमद बढ़ेगी जिसका स्थानीय लोगों/बाजारों को लाभ मिलना तय है।

पटना का मेट्रो

स्मृति सिंह

बिहार में मेट्रो का होना बिहार की बदलती तस्वीर का प्रमाण कहा जा सकता है। बिहार की बढ़ती आबादी व बढ़ती ट्रैफीक समस्याओं को देखते हुए बिहार में, विशेषतः पटना में मेट्रो जैसे त्वरित परिचालन की आवश्यकता बहुत पहले से ही महसूस किया जाता रहा है। 14 सितंबर 2011 को भारत के योजना आयोग द्वारा अनुमोदित पटना मेट्रो को सार्वजनिक-निजी साझेदारी मोड के तहत दो मार्गों पर पेश किया जा रहा है। बिहार के मुख्य सचिव दीपक कुमार द्वारा 3 जुलाई 2018 को प्रस्तावित पटना मेट्रो रेल की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को राज्य कैबिनेट के समक्ष पेश करने के लिए मंजूरी दिया गया, जिसमें भूमि अधिग्रहण लागत सहित परियोजना के संशोधित अनुमानित लागत के साथ 19,500 करोड़ रुपये शामिल थे। 4 मार्च 2019 को पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने औपचारिक रूप से इंदिरा भवन में अपना कार्यालय खोलकर पटना मेट्रो के इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शुभारंभ किया।

पहले चरण में पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से मलाही पकड़ी के बीच पटना मेट्रो के पांच स्टेशन मार्च 2025 तक सबसे पहले चालू होंगे। 2027 तक पटना मेट्रो रेल दो कॉरिडोर पर चलने की उम्मीद है। पटना मेट्रो के अंतर्गत कुल 26 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं। दानापुर-मीठापुर-खेमनीचक तक बनने वाले कोरिडोर-एक में 14 जबकि पटना जंक्शन रेलवे स्टेशन से आइएसबीटी तक बनने वाले कोरिडोर-दो में कुल 12 स्टेशन बनाया जाना प्रस्तावित है। दोनों ही कोरिडोर में दो-दो इंटरचेंज स्टेशन बनेगा। यह मेट्रो रेल परियोजना दोनों कोरिडोर मिलाकर 32 किमी से अधिक की है। कोरिडोर -1 की लंबाई 17.933 किमी जबकि कॉरिडोर- 2 की लंबाई 14.564 किमी. की होगी।

किसी भी राज्य में मेट्रो की निर्माण राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। पटना रेल का खर्च भी राज्य सरकार ही वहन कर रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में बिहार सरकार के आर्थिक मदद के लिए जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन लिमिटेड के साथ 29 मार्च 2023 को पटना मेट्रो रेल परियोजना के लिए 5,509 करोड़ (वर$804.31 मिलियन) का अनुबंध किया गया है, जो कुल खर्च का साठ प्रतिशत है। लारसन एंड टूब्रो नामक कंपनी ने 1989 करोड़ रुपये के अनुबंध के साथ इस परियोजना के डिजाइन व निर्माण का आदेश दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना से जनवरी 2022 में प्राप्त की है।

लेकिन, इस परियोजना के निर्माण से संबंधित कई प्रश्न उठते हैं जो बहुत स्वभाविक हैं। पहला प्रश्न यह है कि बिहार, जहां एक तरफ विशेष राज्य के दर्जा के लिए केंद्र से लगातार सिफारिश कर रहा है, जहां अवसरों व सुविधाओं का अभाव होने के कारण युवाओं को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ता है, वहां इतनी बड़ी रकम कर्ज के रुप में लेना क्या बिहार के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए उचित है? यह बात सत्य है कि जब हम किसी देश, राज्य या क्षेत्र विशेष के सर्वांगिण विकास की बात करते हैं तो हमारा उद्देश्य हर क्षेत्र में विकास करना होता है। चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, समाज कल्याण हो, सेवा हो या यातायात। लेकिन बिहार जैसा राज्य जहां शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज या प्रशासन आदि के क्षेत्र में करने को बहुत कुछ शेष है, वहां यातायात पर इतनी बड़ी रकम खर्च करना कहां तक उचित है। दूसरा प्रश्न यह है कि बिहार, जहां जनता पर बेरोजगारी पहले ही इतना हावी है, वहां मेट्रो जैसे विकल्प के आ जाने से क्या ऑटो, ई-रिक्शा चालकों तथा हाथ रिक्शा चालकों का रोजगार नहीं छीन जाएगा? क्या सड़क किनारे लगने वाली दुकानों का नुकसान नहीं होगा? जब कोई फ्लाई ओवर बनता है तो मुख्य सड़क या सर्विस रोड के किनारे सजी दुकानों की ग्राहकी कम हो जाती है, तो ऐसे में जिन सड़को के उपर मेट्रों का निर्माण किया जा रहा है क्या वहां कि दुकानों को नुकसान नहीं होगा? क्या यह बेरोजगारी को बढ़ाने का एक और कारक नहीं बनेगा? क्या इस बढ़ी हुई बेरोजगारी में और इजाफा नहीं हो जाएगा? इस बात को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बढ़ी हुई बेरोजगारी और निराशा अपराध को भी जन्म देती है।

बात अगर मेट्रो की रखरखाव की ही करें तो पटना जैसा शहर जहां जगह-जगह नाले की समस्याओं से लोगों का जीवन दुभर हुआ पड़ा है। वहां इस बात की क्या आश्वस्ति है कि भुमिगत रेल में पानी नहीं भरेगा। आए दिन पटना की सड़कों पर तैरते नाले का पानी और जलजमाव की समस्याओं से लोगो को जुझना पड़ता है. नाले के पानी के निष्कासन की सुविधा दुरुस्त न होने के कारण बरसात के पानी का निकास भी पटना शहर के लिए एक अहम समस्या है। ऐसे में पटना मेट्रो का वह हिस्सा जो भुमिगत है उसकी सुरक्षा व लोगों की सुविधाओं के प्रति कितनी आश्वस्तता दिखाई पड़ती है। साथ ही बिहार के लगभग हर सार्वजिनक जगहों पर, सरकारी दफ्तरों के अंदर व आसपास, चाहे वह किसी भी विभाग के हो, पान व गुटखा के पीक का दिखना आम बात है। पटना मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए सड़कों पर लगाए गए बैरिकेड्स को भी तो लोगों ने लाल रंग में रंग ही दिया है। ऐसे कृत्य करते हुए लोग एक बार भी यह नहीं सोचते कि इसके रखरखाव में जो पैसे खर्च होते हैं वह भी उनके ही जेब से कर के रूप में निकलता है। तो ऐसे में इस बात की क्या गारंटी है कि भविष्य में हजारों करोड़ की लागत से बना मेट्रो इससे अछुता रहेगा। लोगों के अंदर नैतिकता के अभाव में गाहे-बिगाहे सार्वजनिक स्थानों से चोरी की घटनाएं भी बिहार में उतनी ही आम हैं। ऐसे में पटना मेट्रो कितना सुरक्षित होगा। सभी सार्वजनिक जगहों की हर संभव चाक-चौबंद के बावजुद भी कुछ सामाजिक तो कुछ प्राकृतिक अप्रिय घटनाएं घटती रहतीं हैं। ऐसे में हम पटना मेट्रों के लिए अलग और नया क्या उम्मीद करें। क्योंकि सरकार भी वहीं, लोग भी वही तथा उनकी मानसिकता व नियत भी वही। और जब हम लोगों की मानसिकता नहीं बदल सकते तो भौगोलिक व पर्यावरणीय स्थितियाँ तो हमारे वश में होतीं ही नहीं।

श्रीराम जी करेंगे भाजपा की चुनावी नैया पार?

सभी राजनीतिक दल चुनावी मैदान में अपनी अपनी रणनीति बनाने में व्यस्त है। खासकर केन्द्र की भाजपा सरकार के अपने समस्त शक्तियों लगाकर पुनः सता के सिंघासन पर आसीन होना चाहती है। इसका सबसे बडा प्रमाण इसी माह के 22 जनवरी कोअयोध्या में भव्य नवर्निमित राम मंदिर उद्घाटन है। केद्र की भाजपा सरकार के लिए राम मंदिर निर्माण का श्रेय का सेहरा पहने के लिए कितना उतावली है। इससे लगाया जा सकता है कि बीते बर्ष के 27 दिनों के अन्दर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी का तीन बार अयोध्या दौरे पर आना है। फिलहाल आप के मन अयोध्या के बारे में जानने उत्सुकता बडी गई होगी। आप के मन में कुछ प्रशन वह जिज्ञासा होगी कि आखिर अयोध्या में क्या है जो नरेन्द् मोदी को यहां आने के लिए विवस कर दिया है। मै आप को परेशान ना करते हुए अयोधया के बारे कुछ बताने का प्रयास कर रहा हूँ। बीते वर्ष 2023 के अन्तिम तीन दिनो तक मुझे भी अयोध्या को नजदीक से देखने का मौका स्वर्णिम अवसर मिला। भारत की प्राचीन नगरियों में से अयोध्या एक है। इसका उल्लेख पौराणिक ग्रंथों में मिलता है। हिंदु धार्मिक ग्रंथों में सप्त पुरियों इस प्रकार है-अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, कांची, अवंतिका (उज्जयिनी) और द्वारका में शामिल किया गया है। अयोध्या को अथर्ववेद में ईश्वर का नगर बताया गया है। स्कंदपुराण के अनुसार अयोध्या शब्द अ कार ब्रह्मा, य कार विष्णु है तथा ध कार रुद्र का स्वरूप है। अयोध्या नगरी में कई महान योद्धा, ऋषि-मुनि और अवतारी पुरुष हो चुके हैं भगवान श्रीराम ने भी यहीं जन्म लिया था। वही जैन मत के अनुसार यहां आदिनाथ सहित 5 तीर्थंकरों का जन्म हुआ था। अयोध्या की गणना भारत की प्राचीन सप्तपुरियों में प्रथम स्थान पर की गई है।

विनोद कुमार सिंह
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की भुमिका वैश्विक राजनीति की हमेशा ही रहा है। सन 2024 के आगमन के संग ही सूर्यदेव की दर्शन नही देने व कड़ाके की ठण्ड से देशवासी जुझ रहे है। वही दुसरी ओर भारतीय राजनीति व सता के गलियारों में सन 2024 होने वाते लोक सभा चुनाव के गरमी की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है। सभी राजनीतिक दल चुनावी मैदान में अपनी अपनी रणनीति बनाने में व्यस्त है। खासकर केन्द्र की भाजपा सरकार के अपने समस्त शक्तियों लगाकर पुनः सता के सिंघासन पर आसीन होना चाहती है। इसका सबसे बडा प्रमाण इसी माह के 22 जनवरी कोअयोध्या में भव्य नवर्निमित राम मंदिर उद्घाटन है। केद्र की भाजपा सरकार के लिए राम मंदिर निर्माण का श्रेय का सेहरा पहने के लिए कितना उतावली है। इससे लगाया जा सकता है कि बीते बर्ष के 27 दिनों के अन्दर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी का तीन बार अयोध्या दौरे पर आना है। फिलहाल आप के मन अयोध्या के बारे में जानने उत्सुकता बडी गई होगी। आप के मन में कुछ प्रशन वह जिज्ञासा होगी कि आखिर अयोध्या में क्या है जो नरेन्द् मोदी को यहां आने के लिए विवस कर दिया है। मै आप को परेशान ना करते हुए अयोधया के बारे कुछ बताने का प्रयास कर रहा हूँ। बीते वर्ष 2023 के अन्तिम तीन दिनो तक मुझे भी अयोध्या को नजदीक से देखने का मौका स्वर्णिम अवसर मिला। भारत की प्राचीन नगरियों में से अयोध्या एक है। इसका उल्लेख पौराणिक ग्रंथों में मिलता है। हिंदु धार्मिक ग्रंथों में सप्त पुरियों इस प्रकार है-अयोध्या, मथुरा, माया (हरिद्वार), काशी, कांची, अवंतिका (उज्जयिनी) और द्वारका में शामिल किया गया है। अयोध्या को अथर्ववेद में ईश्वर का नगर बताया गया है। स्कंदपुराण के अनुसार अयोध्या शब्द अ कार ब्रह्मा, य कार विष्णु है तथा ध कार रुद्र का स्वरूप है। अयोध्या नगरी में कई महान योद्धा, ऋषि-मुनि और अवतारी पुरुष हो चुके हैं। भगवान श्रीराम ने भी यहीं जन्म लिया था। वही जैन मत के अनुसार यहां आदिनाथ सहित 5 तीर्थंकरों का जन्म हुआ था। अयोध्या की गणना भारत की प्राचीन सप्तपुरियों में प्रथम स्थान पर की गई है। जैन परंपरा के अनुसार भी 24 तीर्थंकरों में से 22 इक्ष्वाकु वंश के थे। इन 24 तीर्थंकरों में से भी सर्वप्रथम तीर्थंकर आदिनाथ (ऋषभदेव जी) के साथ चार अन्य तीर्थंकरों का जन्मस्थान भी अयोध्या ही है। बौद्ध मान्यताओं के अनुसार बुद्ध देव ने अयोध्या अथवा साकेत में 16 वर्षों तक निवास किया था। अयोध्या नगरी की स्थापना सरयू नदी के तट पर बसे इस नगर की रामायण अनुसार विवस्वान (सूर्य) के पुत्र वैवस्वत मनु महाराज द्वारा स्थापना की गई थी। माथुरों के इतिहास के अनुसार वैवस्वत मनु लगभग 6673 ईसा पूर्व हुए थे। ब्रह्माजी के पुत्र मरीचि से कश्यप का जन्म हुआ। कश्यप से विवस्वान और विवस्वान के पुत्र वैवस्वत मनु थे। वैवस्वत मनु के10 पुत्र-इल, इक्ष्वाकु, कुशनाम, अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यन्त, करुष, महाबली, शर्याति और पृषध थे। इसमें इक्ष्वाकु कुल का ही ज्यादा विस्तार हुआ। इक्ष्वाकु कुल में कई महान प्रतापी राजा, ऋषि, अरिहंत और भगवान हुए हैं। इक्ष्वाकु कुल में ही आगे चलकर प्रभु श्रीराम हुए। अयोध्या पर महाभारत काल तक इसी वंश के लोगों का शासन रहा। पौराणिक कथाओं के अनुसार ब्रह्मा से जब मनु ने अपने लिए एक नगर के निर्माण की बात कही तो वे उन्हें विष्णुजी के पास ले गए। विष्णुजी ने उन्हें साकेत धाम में एक उपयुक्त स्थान बताया। विष्णुजी ने इस नगरी को बसाने के लिए ब्रह्मा तथा मनु के साथ देवशिल्पीम विश्व कर्मा को भेज दिया। इसके अलावा अपने रामावतार के लिए उपयुक्तद स्था न ढूंढने के लिए महर्षि वशिष्ठब को भी उनके साथ भेजा। मान्यनता है कि वशिष्ठक द्वारा सरयू नदी के तट पर लीलाभूमि का चयन किया गया, जहां विश्वेकर्मा ने नगर का निर्माण किया। स्कंदपुराण के अनुसार अयोध्याा भगवान विष्णुठ के चक्र पर विराजमान है। उत्तर भारत के तमाम हिस्सों में जैसे कौशल, कपिलवस्तु, वैशाली और मिथिला आदि में अयोध्या के इक्ष्वाकु वंश के शासकों ने ही राज्य कायम किए थे। अयोध्या और प्रतिष्ठानपुर (झूंसी) के इतिहास का उद्गम ब्रह्माजी के मानस पुत्र मनु से ही सम्बद्ध है। जैसे प्रतिष्ठानपुर और यहां के चंद्रवंशी शासकों की स्थापना मनु के पुत्र ऐल से जुड़ी है, जिसे शिव के श्राप ने इला बना दिया था, उसी प्रकार अयोध्या और उसका सूर्यवंश मनु के पुत्र इक्ष्वाकु से प्रारम्भ हुआ। अयोध्या रघुवंशी राजाओं की बहुत पुरानी राजधानी थी। पहले यह कौशल जनपद की राजधानी थी। प्राचीन उल्लेखों के अनुसार तब इसका क्षेत्रफल 96 वर्ग मील था। बाल्मी कि रामायण के 5वें सर्ग में अयोध्याउ पुरी का वर्णन विस्ताइर से किया गया है। भगवान श्रीराम के पुत्र कुश ने एक बार पुनः राजधानी अयोध्या का पुनर्निर्माण कराया था। इसके बाद सूर्यवंश की अगली 44 पीढ़ियों तक इसका अस्तित्व बरकरार रहा। रामचंद्र से लेकर द्वापरकालीन महाभारत और उसके बहुत बाद तक हमें अयोध्या के सूर्यवंशी इक्ष्वाकुओं के उल्लेख मिलते हैं। इस वंश का बृहद्रथ, अभिमन्यु के हाथों ह्यमहाभारतह्ल के युद्ध में मारा गया था। महाभारत के युद्ध के बाद अयोध्या उजड़-सी गई लेकिन उस दौर में भी श्रीराम जन्मभूमि का अस्तित्व सुरक्षित था जो लगभग14वीं सदी तक बरकरार रहा। प्राचीन भारतीय ग्रंथों के आधार पर इनकी स्थापना का काल ई.पू. 2200 के आसपास माना है। इस वंश में राजा रामचंद्रजी के पिता दशरथ 63वें शासक हैं। बृहद्रथ के कई काल बाद यह नगर यह नगर मगध के मौर्यों से लेकर गुप्तों और कन्नौज के शासकों के अधीन रहा। यहां महमूद गजनी के भांजे सैयद सालार ने तुर्क शासन की स्थापना की। वो बहराइच में 1033 ई. में मारा गया था। उसके बाद तैमूर के पश्चात जब जौनपुर में शकों का राज्य स्थापित हुआ तो अयोध्या शर्कियों के अधीन हो गया। आईन-ए-अकबरी के अनुसार इस नगर की लंबाई 148 कोस तथा चौड़ाई 32 कोस मानी गई है। सरयू नदी के तट पर संतुष्ट जनों से पूर्ण धनधान्य से भरा-पूरा, उत्तरोत्तर उन्नति को प्राप्त कौशल नामक एक बड़ा देश था। इसी देश में मनुष्यों के आदिराजा प्रसिद्ध महाराज मनु की बसाई हुई तथा तीनों लोकों में विख्यात अयोध्या नामक एक नगरी थी। इन्द्र की अमरावती की तरह महाराज दशरथ ने उस पुरी को सजाया था। आप को बता दें कि अयोध्या घाटों और मंदिरों की प्रसिद्ध नगरी है। सरयू नदी यहां से होकर बहती है। सरयू नदी के किनारे 14 प्रमुख घाट हैं। इनमें गुप्त द्वार घाट, कैकेयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण घाट आदि विशेष उल्लेखनीय हैं। राम जन्मभूमि मंदिर, यह स्थान रामदूत हनुमान के आराध्य प्रभु श्रीराम का जन्म स्थान है। राम एक ऐतिहासिक महापुरुष थे और इसके पर्याप्त प्रमाण हैं। शोधानुसार पता चलता है कि भगवान राम का जन्म 5114 ईस्वी पूर्व हुआ था। अपुष्ट खबरें के अनुसार 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी। फिलहाल भाजपा समर्थको व रामभक्तो को आगामी 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार है। जब प्रधान मंत्री मोदी राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे। नव निंमाणाधीन राम मंदिर के उद्घाटन के पूर्व 30 दिसम्बर को स्वयं नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ने के उदश्यों से दो नई अमृत भारत ट्रेनों व छह नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई तथा पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। उन्होनें यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर 10 हजार लोगों को संभालने की क्षमता है, लेकिन नवीनीकरण पूरा होने के बाद अब यह क्षमता बढ़कर 60 हजार तक पहुंच जाएगी। प्रधानमंत्री ने वंदे भारत एवं नमो भारत के बाद नई ट्रेन श्रृंखला अमृत भारत के बारे में जानकारी दी।

लोकसभा चुनाव से पहले राहुल की न्याय यात्रा की धूम

इंडिया गठबंधन बना। और एक सीट पर एक लड़ने की सहमति हुई। हालांकि हिन्दी प्रदेश के तीन राज्यों में कांग्रेस बीजेपी से सीधे मुकाबले में हारी। मगर यह बीजेपी की जीत कम और कांग्रेस की हार ज्यादा थी। और कांग्रेस की हार अपने राज्य के नेताओं पर सब कु छ छोड़ देने के कारण थी। कांग्रेस के राज्यों के नेता थोड़ी सी ताकत पाते ही खुद को सर्वेसर्वा समझने लगते हैं। वे समझते हैं कि वोट उनके नाम से मिलते हैं। जबकि वोट कांग्रेस की प्रगतिशील नीतियों उसके जनसमर्थक रवैये एवं नेहरू गांधी परिवार के नाम से मिलते हैं। क्या कांग्रेस के क्षत्रप कभी यह सोचते हैं कि पहली यात्रा भी राहुल की दूसरी भी उनकी! क्यों? क्या क्षत्रप जो विधानसभा हारने से पहले राहुल का विकल्प बनने की सोच रहे थे एक यात्रा भी अपने राज्य के अलावा पड़ोसी राज्य में भी निकाल सकते हैं? अपने राज्य में भी निकालने को निकाल लें। मगर लोग कितने आएंगे? प्रभाव कितना पड़ेगा? क्या राहुल की पहली यात्रा के बाद जिस तरह सब विपक्षी दल गठबंधन के लिए मान गए। वैसे क्या वे अपने राज्य में प्रभाव पैदा कर सकते हैं? इसका जवाब है कि नहीं! इसीलिए राहुल को दूसरी यात्रा शुरू करना पड़ी। समय कम था। लोकसभा चुनाव सिर पर खड़े हैं।

शकील अख्तर
लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

राहुल की पहली यात्रा एक साहसिक पहल थी और यह दूसरी उसकी निर्णायक परिणीति! जो माहौल पिछले साल राहुल की भारत जोड़ो यात्रा ने बनाया था जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस ने दक्खन फतह की। दो दक्षिणी राज्यों में चुनाव हुए दोनों जगह पहले कर्नाटक और फिर तेलंगाना में कांग्रेस जीती और सबसे बड़ी बात कि जिस विपक्षी एकता से सत्ता पक्ष घबराया हुआ था वह हुई।

इंडिया गठबंधन बना। और एक सीट पर एक लड़ने की सहमति हुई। हालांकि हिन्दी प्रदेश के तीन राज्यों में कांग्रेस बीजेपी से सीधे मुकाबले में हारी। मगर यह बीजेपी की जीत कम और कांग्रेस की हार ज्यादा थी। और कांग्रेस की हार अपने राज्य के नेताओं पर सब कु छ छोड़ देने के कारण थी। कांग्रेस के राज्यों के नेता थोड़ी सी ताकत पाते ही खुद को सर्वेसर्वा समझने लगते हैं। वे समझते हैं कि वोट उनके नाम से मिलते हैं। जबकि वोट कांग्रेस की प्रगतिशील नीतियों उसके जनसमर्थक रवैये एवं नेहरू गांधी परिवार के नाम से मिलते हैं।

क्या कांग्रेस के क्षत्रप कभी यह सोचते हैं कि पहली यात्रा भी राहुल की दूसरी भी उनकी! क्यों? क्या क्षत्रप जो विधानसभा हारने से पहले राहुल का विकल्प बनने की सोच रहे थे एक यात्रा भी अपने राज्य के अलावा पड़ोसी राज्य में भी निकाल सकते हैं? अपने राज्य में भी निकालने को निकाल लें। मगर लोग कितने आएंगे? प्रभाव कितना पड़ेगा?

क्या राहुल की पहली यात्रा के बाद जिस तरह सब विपक्षी दल गठबंधन के लिए मान गए। वैसे क्या वे अपने राज्य में प्रभाव पैदा कर सकते हैं? इसका जवाब है कि नहीं! इसीलिए राहुल को दूसरी यात्रा शुरू करना पड़ी।

समय कम था। लोकसभा चुनाव सिर पर खड़े हैं। और सबसे बड़ी बात राहुल के घुटने की चोट। पहली यात्रा के समय भी वह पुरानी चोट उभर आई थी। खिलाड़ियों के साथ यह समस्या होती है। खासतौर पर फुटबाल खेलने वालों के। राहुल की प्रारम्भिक शिक्षा सेंट कोलम्बस में हुई। वहां वे फुटबाल ही खेलते थे। जब 1984 में इन्दिरा गांधी की हत्या हुई तो उस राहुल सेंट कोलम्बस में ही थे। वहीं से उन्हें कड़ी सुरक्षा में ले जाया गया था। सुरक्षा की शुरूआत वहीं से हुई। उससे पहले राहुल सामान्य छात्र की तरह खेलते पढ़ते थे। खैर तो यह बीड़ा फिर राहुल को उठाना पड़ा। अगर कांग्रेस के क्षत्रप कमलनाथ मध्य प्रदेश में अहंकार, राजस्थान में गहलोत और पायलट आपसी झगड़े और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल मीडिया पर अति निर्भरता और उसके कारण उपजी आत्ममुग्धता छोड़ देते तो राहुल को इस दूसरी यात्रा पर नहीं निकलना पड़ता। तीनों राज्य कांग्रेस जीत जाती। और उससे बने माहौल के जरिए कांग्रेस और इन्डिया गठबंधन जीत के आत्मविश्वास के साथ लोकसभा चुनाव में जाते।

मगर कांग्रेस विधानसभा हारी और एक बार फिर बोझ राहुल के सिर आ गया। कांग्रेसी यह कभी नहीं समझते कि अपने नेता को कितना दौड़ाना चाहिए। जैसे रेस के घोड़े पर दांव लगा होता तो उसकी चिन्ता नहीं की जाती सिर्फ जीत के नोट ही नोट दिखाई देते हैं। वैसे ही कांग्रेसियों को राहुल में अपने हित दिखाई देते हैं। राहुल की सफलता का मतलब उन्हें सत्ता मिलना है। उनके धंधे पानी चलना है। उन्हें न कांग्रेस से मतलब ने नेहरू गांधी परिवार से। हमने कांग्रेस के करीब एक दर्जन बड़े नेताओं से बात की होगी जो 2012 से 2014 तक सरकार में और पार्टी में टाप हैसियत में थे कि अन्ना हजारे जैसे नकली आंदोलन को वे क्यों नहीं समझ पाए और उससे क्यों नहीं निपट पाए? दूसरे सारे मुद्दों पर ज्ञान प्रदर्शन करने वाले इन नेताओं में से किसी के पास कोई जवाब नहीं था। केवल वे अन्ना जी, हजारे जी ही कहते रह गए। मतलब ये सारे नेता अनुकूल परिस्थितियों के हैं। प्रतिकूल परिस्थितियां में यह हाथ पांव डाल देते हैं। याद कीजिये 1977 से 1980। अगर इन्दिरा गांधी और संजय गांधी हिम्मत नहीं करते तो क्या कांग्रेस वापस आ सकती थी? 1991 में कांग्रेस सरकार क्या हत्या से पहले राजीव गांधी की मेहनत के बिना आ सकती थी? 2004 में सोनिया गांधी कमर कस के नहीं निकलतीं तो क्या इन कांग्रेसियों को दस साल सत्ता सुख मिल सकता था? और इसीलिए अब राहुल को दूसरी बार भारत यात्रा पर निकलना पड़ रहा है। भारत के इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई दूसरी बार इतनी बड़ी यात्रा कर रहा हो। पहली यात्रा साढ़े चार महीने की थी। दूसरी चूंकि लोकसभा चुनाव बिल्कुल सिर पर आ गए इसलिए कम समय करीब सवा दो महीने की है। मगर दूरी पहली यात्रा से लगभग दो गुने के करीब कवर करेगी।

कभी हार न मानने वाली जुझारू आदिवासी नेता हैं संपतिया उइके

कृष्णमोहन झा

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हाल में ही जब अपने 28 सदस्यीय मंत्रिमंडल का गठन किया तो नये मंत्रियों की सूची में मंडला जिले की लोकप्रिय आदिवासी नेता संपतिया उइके का नाम देखकर मुझे सुप्रसिद्ध हिंदी कवि स्व मैथिली शरण गुप्त की निम्नलिखित पंक्तियां बरबस ही याद आ गई-,जितने कष्ट कंटकों में है जिनका जीवन सुमन खिला गौरव गंध उन्हें उतना ही यत्र यत्र सर्वत्र मिला।।

उक्त पंक्तियां मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव कै नवगठित मंत्रिमंडल की सदस्य संपतिया उइके की संघर्षपूर्ण जीवन यात्रा पर अक्षरशः चरितार्थ होती हैं। 4 जुलाई 1967 को मंडला जिले के एक छोटे से गांव के बेहद गरीब परिवार में जन्मीं संपतिया उइके को बचपन में बहुत अभावों का सामना करना पड़ा। थोड़ी बड़ी हुईं तो पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु मजदूरी करने से भी परहेज नहीं किया। शिक्षार्जन के पश्चात आजीविका हेतु कुछ समय के लिए वे शिक्षकीय व्यवसाय में भी संलग्न रहीं लेकिन दूसरी ओर समाज सेवा का और बडा दायरा उनकी प्रतीक्षा कर रहा था। संपतिया उइके के अंदर मौजूद नेतृत्व कौशल और संगठन क्षमता के गुणों ने जब उन्हें समाज सेवा की भावना से मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा के सरपंच का चुनाव लडने के लिए प्रेरित किया तो उसमें मिली विजय से उनके राजनीतिक सफर का शुभारंभ हो गया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। तीन दशक से अधिक के अपने राजनीतिक सफर में संपतिया उइके ने अनेक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किए हैं। संपतिया उइके तीन बार जिला पंचायत के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं। 2017 में मध्यप्रदेश के राज्य सभा सांसद अनिल माधव दवे के आकस्मिक निधन से रिक्त सीट पर भाजपा नेतृत्व ने उन्हें राज्यसभा में भेजने का जो फैसला किया वह आदिवासी नेता के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान का उचित सम्मान था। गत वर्षांत में संपन्न राज्य विधानसभा के चुनावों में उनकी जीत के बाद से ही यह अनुमान लगाए जा रहे थे कि मध्यप्रदेश की नई सरकार में उन्हें अहम जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। ये अनुमान सही साबित हुए और आज मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के बीच उनकी गणना प्रमुखता से होने लगी है। एक गरीब परिवार में इस गौरवशाली मुकाम तक के उनके सफर को मैं यथार्थतः शून्य से शिखर की यात्रा मानता हूं। बचपन से लेकर युवावस्था तक उन्हें कदम कदम पर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा परन्तु उन्होंने कभी हार नहीं मानी। दुर्गम पथ की कोई भी बाधा उन्हें उन्हें समाज सेवा के पुनीत मार्ग से विचलित नहीं कर सकी। राजनीति में प्रवेश करने के पीछे उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा कभी नहीं रही। महत्वपूर्ण पद की लालसा और अहंकार से हमेशा कोसों दूर रहने वाली संपतिया उइके की स्वभावगत विनम्रता ही उनकी वास्तविक पहचान है। उनकी इसी विनम्रता ने उन्हें जनता के विशेष स्नेह और आदर का पात्र बनाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की नवगठित सरकार में संपतिया उइके को महत्वपूर्ण विभाग का उत्तरदायित्व सौंपे जाने पर आज जब मैं उन्हें इस लेख के माध्यम से अपनी हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं प्रेषित कर रहा हूं तब मेरे मानस पटल पर अतीत की वे स्मृतियां जीवंत हो उठी हैं जब मुझे उनका सहयोगी और सलाहकार बनने का अवसर मिला लेकिन इसे मैं उनकी विशाल हृदयता ही मानूंगा कि महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रहते हुए भी उन्होंने हमेशा मुझे अनुजवत् स्नेह प्रदान किया। सम्पत्तिया जी से मेरी पहली मुलाकात सन 1999 में ग्राम टिकरवारा में हुई थी जब मैं देशबंधु सम

संक्षिप्त खबरें

संदिग्ध परिस्थितियों में सेवानिवृत शिक्षक के बेटे की मौत

अमरोहा। संदिग्ध परिस्थितियों में सेवानिवृत शिक्षक के बेटे की मौत हो गई। शव ट्यूबवेल की कोठरी में पड़ा मिला। परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ठंड से मौत होने की आंशका जता रही है। मौत का कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव पतेई खालसा के बाहरी हिस्से में सरकारी ट्यूबवेल व पास ही कोठरी भी बनी है। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने वहां एक युवक का शव पड़ा देखा। गांव में इस बाबत जानकारी होने पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। मृतक की शिनाख्त संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के गांव गुमसानी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक रामवीर सिंह के 40 वर्षीय बेटे अभय के रूप में की गई। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के मुताबिक सेवानिवृत शिक्षक रामवीर सिंह के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अभय सिंह गांव पतेई खालसा में अपने ननिहाल में रहता था। यहां वह ढाबों पर मजदूरी करता था। बताया कि उसे शराब पीने की आदत थी। फिलहाल, मौत का कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। वहीं, अभय की मौत का कारण ठंड के साथ ही शराब के अधिक सेवन को भी माना जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले में जांच एवं कार्रवाई करने की बात कही।

एकजुट हो ब्राह्मण समाजः विनय शर्मा

अमरोहा।अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की बैठक सोमवार को नगर के झकड़ी अड्डा पर विधिक सलाहकार विशाल शर्मा एडवोकेट के आवास पर हुई। अध्यक्ष पंडित विनय शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है।बताया कि मंगलवार को बाबा मनीराम जयंती का आयोजन ब्राह्मण पुरोहित धर्मशाला के सत्संग भवन में किया जाएगा। हवन और प्रसाद का वितरण किया जाएगा। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भव्य शुभारंभ के मौके पर ब्राह्मण धर्मशाला के मंदिर में श्रीराम आरती, हनुमान चालीसा का पाठ और प्रसाद वितरण होगा। शाम में दीपक जलाए जाएंगे। इस दौरान संगठन महामंत्री विवेश शर्मा,कोषाध्यक्ष विशाल शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, संरक्षक ब्रजकिशोर शर्मा, महेशचंद शर्मा, अश्विनी शर्मा, अनुज शर्मा, सुंदरलाल शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, आशुतोष श्रीवत्स, रामनारायण शर्मा, मंगल शर्मा, चेतन शर्मा, विश्वमणि शर्मा,राहुल शर्मा, श्रीशचंद शर्मा आदि रहे।

नामी न्यूज चैनल के एंकर को मिली जान से मारने की धमकी, कॉल कर आरोपी बोला- परिवार को भी...

शहर में आपराधिक गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रहीं हैं। नोएडा पुलिस अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। लेकिन, इसके बावजूद बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। अब बदमाशों ने एक नामी मीडिया संस्थान के एंकर को जान से मारने की धमकी दे डाली है। इसको लेकर पीड़ित ने सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में मुकदमा दर्ज कराया है। क्या है पूरा मामला पुलिस को दी शिकायत में टाइम्स नाऊ में काम करने वाले यश अग्रवाल ने बताया कि उनका ऑफिस सेक्टर-16ए स्थित फिल्म सिटी में है। आरोप है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया और कहा कि उनके यहां काम करने वाले न्यूज एंकर और उसके परिवार के लोगों की वह हत्या कर देगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास

नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर अवैध कब्जा करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ थाना फेस 3 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्राधिकरण का कहना है कि आरोपी प्राधिकरण की भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-5 के अवर अभियंता नवीन कुमार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बसई गांव में नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर सोनू धर्मवीर यादव अंकित यादव अवैध कब्जा करने का पिछले काफी समय से प्रयास कर रहे हैं। पूर्व में इन खसरा नंबरों पर अवैध कब्जे की कार्रवाई को प्राधिकरण द्वारा कई बार रोका जा चुका है। थाना प्रभारी में बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

दीदी-भुलियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने हेतु कृतसंकल्प है सरकार : सीएम धामी

प्रात : किरण, संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में आयोजित दीदी भुली महोत्सव को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीदी-भुलियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने हेतु सरकार कृतसंकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरकाशी गंगा और यमुना की लोक संस्कृति, विरासत और आस्था का संगम है। इस जिले में बाबा विश्वनाथ की धरती पर मातृशक्ति का जो स्नेह मिला, वह उनके जीवन में यादगार रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी दीदी भुलियों के जीवन में आजीविका चलाने, बच्चों का लालन पालन करने जैसे कई कठिनाइयों को देखते हुए हमारी सरकार ने नौकरी में 30 फीसद आरक्षण दिया है। इसके अलावा महिला सशक्तिकरण को लेकर चलाई जा रही लखपति दीदी, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, एकल महिला सशक्तिकरण योजना, नन्दा गौरा योजना, ब्याज मुक्त लोन योजना समेत कई योजनाओं का लाभ दीदी भुलियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ह्यदीदी-भुली महोत्सव में भाग लेने आई हजारों महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार अंतिम छोर (हिस्से) तक बैठे अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने में शिद्दत और संकल्प के साथ जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक उत्तराखंड आदर्श राज्य न बन जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण की सदियों से जो मनोकामना थी, वह 22 जनवरी को पूरी हो रही है। देवभूमि का सनातन स्वरूप बनाए रखने में हम प्रयासरत हैं। इस स्वरूप में किसी भी सूरत में बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 लोगों को बचाने के लिए चले ऑपरेशन को कामयाब बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अफसरों की टीम से लेकर उत्तरकाशी और देश की जनता का आभार जताया। कहा कि सिलक्यारा ऑपरेशन पर देश और दुनिया की नजर थी। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सिलक्यारा ऑपरेशन को समय पर पूरा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो मार्गदर्शन और समय समय पर जो मशीनरी और सहायता उपलब्ध कराई है, वह इस अभियान को कामयाब बनाने में महत्वपूर्ण थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरकाशी के लाल धान ने देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त कर किसानों, अधिकारियों और सरकार के काम पर मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री ने ओडीओपी पुरस्कार मिलने पर जिले को बधाई देते हुए जलजीवन मिशन में भटवाड़ी ब्लॉक में सबसे पहले सौ फीसदी जल-संयोजन होने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकास तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज मातृशक्ति की जो भीड़ मुख्यमंत्री के स्वागत में जुटी हैं, वह उत्तरकाशी के इतिहास में पहली बार देखने को मिली हैं। इस मौके पर टिहरी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने भी विचार रखे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए डीएम अभिषेक रुहेला ने कोटी-बनाल भवन निर्माण शैली में निर्मित पंचपुरा भवन की प्रतिकृति और सिलक्यारा ऑपरेशन की सफलता के फोटो का कोलाज और इस रेस्क्यू अभियान को कामयाब बनाने के लिए जनपदवासियों की तरफ से आभार पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री ने जिला पुलिस द्वारा मिशन सिलक्यारा पर तैयार की गई काफी टेबल बुक का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, भाजपा, बागवानी विकास परिषद के उपाध्यक्ष राजकुमार, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, डीएम अभिषेक रुहेला, एसपी अपर्ण यदुवंशी, मुख्य विकास अधिकारी जय किशन, अपर जिलाधिकारी रजा अब्बास , भाजपा नेता लाखीराम जोशी, किशोर भट्ट आदि भी मौजूद रहे।

श्री वेंक्टेश्वरा में "नमो विकसित भारत एम्बेसडर अभियान" का शुभारम्भ

युवा शक्ति राष्ट्र शक्ति, इसके बल पर आज भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश - उदय गिरि

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प अभियान विकसित भारत ऐम्बेसडर अभियान का शानदार शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आयी केन्द्रीय संस्कृति मंत्री,भारत सरकार,मीनाक्षी लेखी ने इस अवसर पर हजारों युवाओं को विकसित भारत अभियान में अपना शत प्रतिशत देने का संकल्प दिलाते हुए भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में युवाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को सबसे ऊपर बताया।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के डॉ. सी.वी. रमन सभागार में आयोजित ह्यह्यनमो विकसित भारत अभियानह्यह्य का शुभारम्भ मुख्य अतिथि केन्द्रीय संस्कृति एवं विदेश मंत्री भारत सरकार श्रीमति मीनाक्षी लेखी, कार्यक्रम अध्यक्ष एवं वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी जिलाध्यक्ष उदय गोस्वामी, कार्यक्रम संयोजक एवं भाजयुमों अध्यक्ष शुभम चौधरी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मजबूत विदेश नीति, विकासकारी योजनाओं, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नई शिक्षा नीति, आयुष्मान भारत, उज्जवला योजना जैसी सैंकड़ो कल्याणकारी योजनाओं से एक दशक पहले वाली भारत की ह्यह्यबीमारू इमेजह्यह्य को पूरी तरह बदलकर विश्व पटल पर भारत को पहली पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया। आज युवा शक्ति के दम पर भारत 2047 तक न सिर्फ विकसित राष्ट्र होगा, बल्कि पूरी दुनिया का सरताज बनेगा।इस अवसर पर प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोड़ा, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, समूह सलाहकार आर.एस. शर्मा, कुलपति डॉ. राकेश यादव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे, डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राम निवास शर्मा, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. ऐना एरिक ब्राउन, एस. एस. बघेल, अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, आशी नायर एवं प्रशान्त कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्रों को मिलेःमीनाक्षी लेखी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रमों तहत पालिका परिषद ने नगर के जे.एस.एच कालेज के रामलीला ग्राउंड मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे पहुंची केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे मे विस्तार से जानकारी देते दी। सभा मे आये हुए आमजन से अधिक से अधिक लाभकारी योजनाओं का लाभ लिए जाने का आह्वान किया, श्रीमती मिनाक्षी लेखी द्वारा लोगो के प्रधानमंत्री की शपथ भी दिलाई गयी। जिसमे उपस्थित जनसमूह द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित एवं विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था बनाये जाने का प्रण लिया गया। अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की सरकार की योजनाओं का लाभ वंचितों को दिए जाने के लिए सरकार प्रयासरत है।जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी, पुलिस अधीक्षक कुवंर अनुपम सिंह,भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी, कार्यक्रम संयोजक एवं नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष गिरीश त्यागी,अपर जिलाधिकारी सुरेन्द्र सिंह, नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार, भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष हरज्ञान सिंह प्रजापति, जिला महामंत्री पूरन सिंह सैनी आदि मौजूद रहे।

ताला तोड़कर उड़ाए आठ लाख के गहने, रिश्तेदार के घर गया था परिवार, सीसीटीवी में कैद घटना

नोएडा, एजेंसी

ठंड के मौसम में चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं। पुलिस के लगातार एक्शन के बावजूद चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ऐसा ही एक मामला सेक्टर-22 के चौड़ा गांव से आया है। जहां एक घर से चोरों ने करीब आठ लाख रुपए के गहने और दो लाख रुपए की नगदी लेकर फरार हो गए। घटना के दौरान पीड़ित परिवार रिश्तेदार के यहां गया हुआ था। सुबह सूचना के बाद पीड़ित गांव में पहुंचा। इसकी शिकायत उसने कोतवाली पुलिस को दी है। थाना सेक्टर 24 की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। चोरी कर फरार हुए चोर शिकायतकर्ता मोहित बैरागी ने बताया कि वे छह जनवरी को अपने मामा के यहां गए थे। उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ मायके गई हुई थी। सुबह साढ़े तीन बजे के करीब चोर मोहित के घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश हुए और एक लाख 95 हजार रुपये की नगदी और करीब आठ लाख रुपये के गहने चोरी कर फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। इसमें चोर गेट का ताला तोड़ते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस को दी सीसीटीवी फुटेज शिकायतकर्ता ने बताया कि रिश्ते के भाई ने उन्हें फोन करके चोरी की घटना के बारे में जानकारी दी। रिश्ते का भाई जब अंदर गया तो देखा सारा सामान बिखरा हुआ था और गहने और नगदी समेत अन्य सामान गायब थे। उन्होंने चोरी की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मोहित ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया है। जिसमें चोर की करतूत दिखाई दे रही है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चोरों को पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई है। जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

नोएडा में जीनत मर्डर केस : चार ईरानियों को जेल भेजा, मुख्य आरोपी अब भी फरार, अवैध रूप से भारत में रह रहे थे

नोएडा, एजेंसी

सेक्टर-113 थाना पुलिस ने जीनत मर्डर केस में अवैध रूप से भारत में रह रहे परिवार को हिरासत में ले लिया है। हत्या करने वाले ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेकिन, मुख्य आरोपी इमरान हाशमी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। सूत्रों के मुताबिक, पूरे परिवार का वीजा साल-2022 में ही एक्सपायर हो गया था। इसके बावजूद ये लोग अवैध तरीके से इंडिया में रह रहे थे। क्या है जीनत मर्डर केस जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से तेहरान (ईरान की राजधानी) का रहने वाला एक परिवार सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सेक्टर-116 में अपने रिश्तेदार के साथ किराये के मकान में रह रहा था। शुक्रवार की देर रात में परिवार के सदस्यों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी बीच जीनत की उसके पिता और रिश्तेदार इमरान हाशमी के बीच किसी बात को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई। यह नोकझोंक देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई। आरोप है कि इमरान ने जीनत के साथ मारपीट करते हुए उस पर चाकू से तोबड़तोड़ कई वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल जीनत को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। विदेश मंत्रालय को भी दिया चकमा सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा परिवार कई सालों से नोएडा में रह रहा था। जुलाई-2022 में इनका वीजा भी एक्सपायर हो चुका था। सूत्रों का कहना है कि यह हत्या पारिवारिक विवाद को लेकर नहीं हुई है, बल्कि आपसी बंटवारे को लेकर हुई है, लेकिन नोएडा पुलिस इसे पारिवारिक विवाद बता रही है। हत्या की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। पुलिस ने चार आरोपियों को भेजा जेल पूछताछ में आरोपियों की पहचान 18 वर्षीय फारसीद हामिदानी पुत्र असलम हामिदानी, 38 वर्षीय जरा बोदागीजाद्दे पत्नी असलम हामिदानी, 34 वर्षीय जिनाज रहिमीपुर पत्नी अली बोदागीजाद्दे नी वाहिद, 27 वर्षीय जीनत अहमदी पत्नी दाउद बोदागीजाद्दे के रूप में हुई है। इस मामले में मुख्य आरोपी इमरान हाशमी पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है। क्या कहती है पुलिस एसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि ईरानी युवती की हत्या के बाद पुलिस ने इस मामले में परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिसमें तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। इस मामले में मुख्य आरोपी इमरान हाशमी अभी फरार चल रहा है। उसकी पुलिस तलाश कर रही है।

एमिटी के साथ मिलकर पुलिस करेगी पारिवारिक विवादों का समाधान

नोएडा, एजेंसी

पारिवारिक विवादों के निवारण के लिए पारिवारिक विवाद समाधान क्लीनिक स्थापित करने के उद्देश्य से एमिटी विश्वविद्यालय और नोएडा कमिश्नरेट पुलिस के महिला व बाल सुरक्षा सेल के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता पर हुआ है। इस समझौता पत्र पर पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह और एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला की उपस्थिति में एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. आर.के. कपूर और गौतमबुद्धनगर पुलिस के महिला व बाल सुरक्षा सेल के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस रविशंकर निम ने हस्ताक्षर किये। इस समझौता पत्र के अंर्तगत घरेलू विवादों के निवारण के लिए सेक्टर-108 पुलिस आयुक्त कार्यालय में पारिवारिक विवाद समाधान क्लीनिक की स्थापना की गई है, जिसमें पारिवारिक विवादों को परामर्श एवं मध्यस्थता के माध्यम से हल किया जायेगा। इसमें एमिटी लॉ स्कूल, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलाइड सांइसेस और एमिटी सेंटर फॉर गाइडेंस एंड कांउसिल के विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क सेवाएं प्रदान की जायेगी। पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने इस दौरान कहा कि पुलिस कमिश्नरेट ने पहल करते हुए एमिटी विश्वविद्यालय के तत्वाधान में पारिवारिक विवाद समाधान क्लीनिक की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के दिशानिदेर्शानुसार द्वारा पारिवारिक विवादों के निवारण के लिए परामर्श प्रदान करना और मध्यस्थता कराना है। चूंकि हम इसमें एमिटी के मनोविज्ञान विशेषज्ञों को भी जोड़ रहे है इससे मध्यस्थता की गुणवत्ता में सुधार आयेगा और विवादों को पूर्ण निवारण होने की दिशा में हमारे कदम बढेंगे। पुलिस पारिवारिक विवाद के मामलों को बहुत अलग तरीके से निपटाती है, क्योंकि पीड़ित केंद्रित होने के कारण पुलिस को दायरा बढ़ाने का अवसर प्राप्त नहीं होता और वे पीड़ितों की मानसिकता को कम समझ पाते है ऐसे मामलों में निपटने के लिए हमें पेशेवरों की मदद की जरूरत है जो अधिक बेहतर तरीके से परमार्श प्रदान कर सकते है। एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने कहा कि एमिटी सदैव छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के साथ अपने समाजिक कर्तव्य का निर्वहन भी करता है। इसी क्रम में गौतमबुद्धनगर पुलिस के साथ इस पारिवारिक विवाद समाधान क्लीनिक में हमारे विशेषज्ञ निःशुल्क परामर्श सेवा प्रदान करेंगे। इस अवसर पर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारियों सहित एमिटी लॉ स्कूल के चेयरमैन डॉ. डी. के. बंद्योपाध्याय, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलाइड सांइस की एक्टिंग निदेशक डॉ. रंजना भाटिया, एमिटी लॉ स्कूल की एडिशनल डायरेक्टर डॉ. शैफाली रायजादा उपस्थित थी।

पूर्व सांसद ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

नौगावां सादात। पूर्व सांसद चौ० कंवर सिंह तंवर ने विधानसभा नौगावां के ग्राम नगलिया मुंशी में आयोजित ह्यविकसित भारत संकल्प यात्राह्ल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव संवाद कार्यक्रम को देखा।जिसमें हजारों की संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों को प्रदेश व केन्द्र सरकार की लाभकारी योजनाओं के बारे में सविस्तार जानकारी दी, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं आयुष्मान कार्ड वितरित किए। साथ ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ ली। इस अवसर पर पूर्व सांसद चौ० कंवर सिंह तंवर जी के साथ, जिला पंचायत सदस्य पति पिन्टू भाटी, कमल प्रधान, होशियार सिंह प्रधान, नरेश सिंह, प्रकाशवीर सिंह, मोनू यादव, रूपचंद सिंह, खडग सिंह, प्रदीप कुमार, अनिल, महिपाल सिंह, व अन्य सभी विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों समेत अन्य क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

नोएडा में महिला व्हीलचेयर बास्केट बॉल कैंप संपन्न : यूएन एंबेसडर ने भी किया अभ्यास, बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

नोएडा, एजेंसी

नोएडा इंडोर स्टेडियम में चल रहे चार दिवसीय भारतीय महिला व्हीलचेयर बास्केट बॉल कैंप का समापन सोमवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर यूएन एंबेसडर शोंबी शार्प बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। उन्होंने भारतीय टीम के साथ अभ्यास किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टीम का बढ़ाया हौसला व्हीलचेयर बास्केट बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष वरुण अहलावत ने कहा कि आज अंतिम दिन जिस तरह यूएन एंबेसडर और नोएडा के सामाजिक लोगों ने कोर्ट पर पहुंचकर टीम का उत्साहवर्धन कर मनोबल बढ़ाया है, इससे टीम निश्चित ही थाईलैंड में होने वाली एशिया ओसियाना जोन चैंपियनशिप में तिरंगा लहराएंगी। इन्होंने दी शुभकामनाएं कैंप के अंतिम दिन नोएडा इंडोर स्टेडियम के संचालनकर्ता सिक्योरिटी सॉल्यूशन की सीईओ अनीता अरोड़ा, डीएसओ अनिता नागर, मदरलैंड अस्पताल के सीईओ डॉ. बबीत कुमार, इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेडक्रॉस से चारु शर्मा, एवियर एजुकेशनल हब के चेयरमैन संदीप सिंह, युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह और फोनरवा की नवनियुक्त टीम ने बास्केट बॉल कोर्ट पर पहुंचकर भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं। ये भी रहे मौजूद इस अवसर पर टीम के सलाहकार लोकेश चौहान और अमित सिंह, कोच कैप्टन लुईस जॉर्ज, मैनेजर कलवा राधा राव, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. भारती शर्मा, यूनुस खान और अंकुर शर्मा आदि मौजूद थे।

जेपी बिल्डर ने ऑफिस में लगाया ताला, एओए ने टेंट लगाकर निवासियों की सुनीं समस्याएं

नोएडा, एजेंसी

सेक्टर-151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में एओए कार्यालय को लेकर बिल्डर और अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन (एओए) के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। एओए ने बिल्डर पर ऑफिस स्पेस नहीं देने का आरोप लगाया है। बिल्डर ने एओए पर जबरदस्ती कब्जा करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की। वहीं, एओए ने नोएडा अथॉरिटी से बिल्डर के खिलाफ पत्र लिखा है। एओए ने शनिवार से टेंट में कार्यालय बनाकर काम शुरू कर दिया है। सोमवार को तीसरे दिन भी एओए ने सोसाइटी में बने टेंट में बैठकर काम किया। दिसंबर में रजिस्टर्ड हुई एओए ओए अध्यक्ष योगेश सिंह ने बताया कि यहां 4 हजार से ज्यादा परिवार रहते हैं। अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) का रजिस्ट्रेशन न होने से सोसाइटी में बेहतर काम नहीं हो पा रहा था। सोसायटी एओए दिसंबर में रजिस्टर्ड हुई। उसके बाद बिल्डर से ऑफिस स्पेस की मांग की गई, जिसमें सोसायटी के लोगों की समस्याएं सुनी जा सकें। एओए के अनुरोध पर भी बिल्डर मैनेजमेंट ने ऑफिस स्पेस नहीं दिया। एओए ने सोसायटी के फैसिलिटी ऑफिस के एक खाली कमरे में अपना ऑफिस शुरू किया। बनाया नया ऑफिस योगेश सिंह ने बताया कि बिल्डर प्रबंधन ने एओए ऑफिस में लगे ताले को तोड़कर उस पर कब्जा कर लिया। इस बाबत बिल्डर ने पुलिस से शिकायत की है। सोसाइटी में बिल्डर कोई काम निवासियों के लिए करने नहीं दे रहा है। मजबूरन उन्होंने ओपन एरिया में टेंट लगाकर नया ऑफिस बनाया है। यहां जमीन पर बैठकर निवासियों की समस्याओं को सुना जा रहा है।

नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का बड़ा एक्शन : ड्यूटी से गायब 28 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, हुए लाइन हाजिर

नोएडा, एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर से इस समय की बड़ी खबर सामने आ रही है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने 6 दरोगा, 15 हेड कांस्टेबल और 7 आरक्षी को लाइन हाजिर कर दिया है। जांच में पता चला है कि ये सभी अपनी ड्यूटी को ठीक तरीके से नहीं कर रहे थे। ड्यूटी के समय पर सभी पुलिसकर्मी गायब थे। जिसकी वजह से लक्ष्मी सिंह ने यह एक्शन लिया है। इन स्थानों पर लक्ष्मी सिंह मैदान में उतरीं जानकारी के मुताबिक पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने रविवार की रात को 9:30 बजे से 11:00 बजे तक कई स्थानों का दौरा किया था। उन्होंने यातायात पुलिस के ड्यूटी प्वाइंट का आक्समिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लिंक स्टेडियम चौक, राय रेजिडेंसी, अट्टा चौक, एडोब चौक, सेक्टर-49, सेक्टर-100, सेक्टर-105 और 107 चौक आदि ड्यूटी प्वाइंट पर यातायात कर्मी उपस्थित नहीं मिले। एसीपी और डीसीपी से मांगा जवाब पुलिस ने बताया कि जिस पर पुलिस कमिश्नर द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए 6 दरोगा, 15 हेड कांस्टेबल और 7 आरक्षी को लाइन हाजिर कर दिया है। लक्ष्मी सिंह ने 28 पुलिस कर्मियों के खिलाफ गैरहाजिर और अनुशासनहीनता बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया गया है। डीसीपी यातायात एवं सहायक पुलिस आयुक्त पवन कुमार और राजीव कुमार गुप्ता को समय 10:24 तक अपने क्षेत्र में उपस्थित नहीं मिलने पर स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय कार्यकारिणी का बैठक औरंगाबाद में संपन्न

आरा। भोजपुर जिले के लाल आरा पकड़ी निवासी युवाओं के साथी ₹श्री राजू कुमार जी₹, नाला मोड निवासी ₹श्री राजेश गुप्ता जी₹, और चौधरियान के ₹श्री राम कुमार गुप्ता जी, पीरो के युवा साथी ₹विकास रौनियार₹ को अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के कार्यकरणी में जगह देकर महासभा को मजबूत करने का काम किये है। इसके पूर्व में ₹सन्तन रौनियार₹ आरा और ₹श्री अरबिंद जी बिहिया₹ को जगह देकर महासभा के साथ मिलकर समाज को बांधने का काम किए है। इसके लिए अध्यक्ष श्री श्रवण जी और महासचिव विशाल जी को तहे दिल से धन्यवाद!

खमीदौरा पंचायत में निः शुल्क चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

दुर्गावती (कैमूर)। स्थानीय प्रखंड के खमीदौरा पंचायत सरकार भवन पर रूद्राक्ष हॉस्पिटल लंका वाराणसी के द्वारा बाल रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग, स्पाइन सर्जन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, न्यूरो एवम् स्पाइन, कैंसर विभाग,, यूरोलॉजी विभाग, न्यूरोलॉजी विभाग तथा सर्जरी विभाग के डॉक्टरों द्वारा निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पहुंचे मरीजों ने अपनी जांच कराई जिन मरीजों का रोग यहां जांच करने लायक नहीं था उन्हें अपने यहां आने की सलाह दी गई। साथ ही गरीबों और विकलांगो के बिच कंबल का वितरण भी किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाजपा के पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह भी शामिल होकर जरूरतमंदों की सेवा में लगे रहे।

शराब के साथ एक गिरफ्तार, शराबी भेजा गया जेल

दुर्गावती कैमुर। दुर्गावती पुलिस ने गश्ती के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर खजुरा बाजार से तीन पीस शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जिसका नाम पवन गुप्ता बताया जाता है। जांच के दौरान पता चला कि पवन गुप्ता अपने जैकेट में शराब लिए हुए था। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके जैकेट से तीन पीस टेट्रा पैक की शराब पाई गई। वही खजुरा बाजार से ही नशे की हालत में राजेश कुमार यादव ग्राम धनसराय को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनो का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराए जाने के बाद दुर्गावती थाने में प्राथमिक की दर्ज कर दोनों को पुलिस ने जेल भेज दिया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर सेविकाओं ने की गोदभराई

बिक्रमगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा सोमवार को गोदभराई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी सीडीपीओ शशि कुमारी ने बताया कि प्रत्येक महीने में 7 तारीख को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं का गोदभराई आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा किया जाता है। वही गोदभराई के दौरान गर्भवती महिलाओं एवं केंद्र पर उपस्थित अन्य महिलाओं को स्वास्थ्य व जच्चा बच्चा के स्वस्थ रहने के संबंध में जानकारी दिया जाता है। इस दौरान प्रभारी सीडीपीओ शशि कुमारी के द्वारा नगर परिषद के आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 16 एवं 110 पर निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण के उपरांत अपनी उपस्थिति में सेविकाओं के द्वारा गर्भवती महिलाओं का गोदभराई कराया गया। गर्भवती महिला एवं उनके परिजनों तथा केंद्र पर उपस्थित स्थानीय लोगों को हरी साग-सब्जी एवं पोषण युक्त आहार लेने के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया।

पुलिस ने वारंटी को जेल भेजा

संझौली (रोहतास) स्थानीय थाना क्षेत्र के जिगनी गांव से पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी थानाध्यक्ष अनिता दास ने बताई कि गुप्त सूचना पर छापेमारी कर काफी दिनों से फरार चल रहा आरोपी जिगनी निवासी सियाराम पांडे को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेजा गया।

दो दिवसीय विद्यालय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के डीएवी पब्लिक स्कूल सेमरा बिक्रमगंज के परिसर में डीएवी सीएई क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के निर्देशन में दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ। जिस कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि प्राचार्य आरएन पाठक, कोचस प्राचार्य प्रेमचंद्र त्रिपाठी, प्रशिक्षक जगदीश प्रजापति , प्रतीक मिश्रा, स्वामी नाथ शुक्ल , रामकुमार उपाध्याय , राजनंदन त्रिपाठी तथा विभिन्न विद्यालयों से आए हुए लगभग 45 शिक्षकों के बीच दीप प्रज्वलित कर किया गया।

तिलकुट की सौंधी खुशबू से गुलजार हुआ भोजपुर का बाजार

प्रात: किरण/ आलोक भारती

आरा। जिले में इन दिनों तिलकुट की सौंधी खुशबू से पूरा बाजार गुलजार हो रहा है। मकर संक्रांति के त्योहार में अब कुछ दिन ही शेष रह गए हैं। ऐसे में भोजपुर के बाजारों में तिलकुट, चूड़ा, लाई की दुकानें सज गई हैं। इसको लेकर बाजारों में चहल-पहल पहले की अपेक्षा बढ़ने लगी है। शहर के हर चौक-चौराहे पर मकर संक्रांति को लेकर दुकानें सज गई हैं। महंगाई के बावजूद लोग अपनी हैसियत के मुताबिक तिलकुट से लेकर लाई, गुड़, तिल, चूड़ा की खरीदारी करते दिखाई दे रहे हैं। मकर संक्रांति त्योहार में उपयोग में आने वाले सभी सामानों की कीमत पिछले साल की तुलना में बढ़ गई है। लोग धर्म व रीति-रिवाजों के अनुसार चूड़ा व दही के साथ तिल की खरीदारी करने के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। मकर संक्रांति के अवसर पर तिलकुट व लाई की मांग बढ़ गई है। जिले के कोइलवर में भी तिलकुट की दुकानें सज गई है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन देवता पृथ्वी पर अवतरित होते हैं और गंगा स्नान करते हैं। इस वजह से इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। स्नान के बाद दान की परंपरा है। जिसके बाद आमजन दही, चूड़ा, गुड़ और तिलकुट का आहार लेते हैं।

160 से 240 रुपए किलो तक बाजार में उपलब्ध है तिलकुट: इस बार तिलकुट की कीमत पिछले वर्ष के मुकाबले बढ़ गई है। इस साल बाजार में तिलकुट 160 रुपये से लेकर 240 रुपये प्रति किलो की दर पर उपलब्ध है। बाजार में बासमती चूड़ा 80 रुपये किलो, कतरनी चूड़ा 60 रुपये किलो, गुड़ वाला तिलकुट 200 से 240 रुपये प्रतिकिलो, चीनी वाला तिलकुट 160 से 240 रुपये प्रतिकिलो, काला तिल पट्टी 240 रुपये, सफेद तिल पट्टी 240 रुपये, गुड़ 50 रुपये प्रति किलो, मुढ़ी लाई 70 रुपये प्रति किलो,बादाम पट्टी 200 रुपये प्रतिकिलो की दर से बिक रहा है। महंगाई के बावजूद बाजारों में खरीददारों की भीड़ देखी जा रही है। तिलकुट दुकानदार राहुल ने बताया कि महंगाई की मार बाजार पर पड़ी है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष लोग कम मात्रा में तिलकुट,लाई,चूड़ा खरीद रहें हैं। इस बार की बिक्री बिल्कुल भी नहीं है अभी तक हमने 10 क्विंटल तिलकुट तैयार किया है अगर ग्राहकों की मांग बढ़ती है तो आगे और बनाया जायेगा। हमारे यहां से लोकल दुकानदार भी थोक मात्रा में तिलकुट लेकर जाते हैं। हमारे यहां बबुरा,परेव,कोइलवर, जमालपुर, धंड़ीहा, कुल्हड़िया,सकडडी से लोग तिलकुट की खरीददारी करने आते हैं। मकर संक्रांति के एक माह पूर्व से ही गया से आये करीगरों द्वारा तिलकुट बनाने का काम शुरू हो जाता है।

भोजपुर जिला परिषद नित नई ऊंचाईयों को छू रहा है: धनंजय यादव

प्रात: किरण संवाददाता

आरा : सदर पुर्वी -25 के जिला पार्षद और राजद के युवा नेता ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुये कहा कि भोजपुर जिला परिषद के वर्तमान मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह उपविकास आयुक्त विरेन्द्र विरकर जी के कार्यकाल में भोजपुर जिला परिषद नित नयीं ऊंचाईयों को छू रहा है ।ईनके द्वारा शिक्षा ,स्वास्थय , पंचायती राज विभाग , मनरेगा सहित जनकल्याण और जनसमस्याओं की दिशा में लगातार सराहनीय कार्य किये जा रहें हैं । जिला पार्षद धनंजय यादव द्वारा बताया गया कि उन्होंने जिला परिषद की साधारण बैठकों में लगातार विद्यालयों में जर्जर और टुटे हुये छतों की मरम्मति , शौचालयों एवम रसोईघरों की मरम्मती , मनरेगा के माध्यम से विद्यालयों की चहारदिवारी का निर्माण करानें , मृत शिक्षकों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सहायक एवम परिचारी के रूप में नियुक्त करनें एवम आरा सदर प्रखंड के जमिरा गांव में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पुरुष एवं महिला वार्ड का निर्माण करानें सहित और भी बहुत जिलें में जनकल्याण एवम जनसमस्याओं से संबंधित मांग किये थें । इन मांगों को गंभीरता से लेते हुये उपविकास आयुक्त द्वारा त्वरित कार्यवाई की गयी जिसके फलस्वरुप पांच सौ इकानबे विद्यालयों की चहारदीवारी का निर्माण मनरेगा के माध्यम से कराने के लिये चिन्हित किया गया है । विद्यालयों की मरम्मति के लिये तीन करोड़ चौहत्तर लाख की राशि का विभागीय स्विकृति मिली चुकी है । अनुकंपा के आधार पर मृत शिक्षकों के आश्रितों को सहायक एवम परिचारी पद के लिये एक सौ ईक्हत्तर अभ्यर्थियों की सूचि बनाई ली गयी है जिन्हे जल्द ही नियुक्ति पत्र दी जायेगी । जमिरा अतिरिक्त प्रा स्वा केंद्र में पुरूष एवम महिला वार्ड का निर्माण भी अंतिम चरण में है । इसी प्रकार जिला परिषद की विकास योजनाएं भी लगातार प्रगति पर हैं । इस तरह ईनके कार्यकाल में हो रहें विकास कार्य और जनसमस्याओं के समाधान कार्य के लिये ये निश्चित रुप से बधाई के पात्र हैं । जिला परिषद की बैठकों में किये गयें मांगों के संबंध में त्वरित कार्रवाई करनें के लिये जिला पार्षद ने विशेष आभार भी व्यक्त किया ।

ब्रह्मलीन परम तपस्वी पूज्य पुजारी संत श्री 108 केशव दास जी महराज की प्रथम पुण्यतिथि मनाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा :- ब्रह्मलीन परम तपस्वी पूज्य पुजारी संत श्री 108 केशव दास जी महराज की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर बड़ी मठिया में अखंड हरिकीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह आयोजन उनके शिष्य बजरंग दल भोजपुर के विभाग सह संयोजक चंदन ओझा द्वारा किया गया। इस दौरान संत श्री केशव दास बाबा के सैकड़ों भक्तों ने उन्हें याद कर उनके चित्र के सामने शीष नवाया। उनके शिष्य शिवजी ओझा ने बताया कि संत श्री केशव दास जी महाराज की यादे आज भी ताजा है। केशव बाबा ने अपने तप से बड़ी मठिया को सींचा हैं। ये अद्वितीय संत थे। सरल चित्त, भौतिक सुखों से दूर सादगी भरा जीवन जीने वाले महान संत ने अपनी त्याग, तपस्या और सेवा से बड़ी मठिया को पुरे बिहार मे पहचान दिलाया। उन्होंने निर्धन जनों के शैक्षणिक, आर्थिक तथा सामाजिक जागरूकता के लिए कार्य किया। करीब छह दशक से आरा के बड़ी मठिया मे श्री हनुमान जी व ठाकुर जी की सेवा में रहने वाले संत के प्रति क्षेत्र के सभी संप्रदाय के लोगों के मन में श्रद्धा हैं । आज के इस भौतिकवादी दौर में ऐसा त्यागी संत शायद ही कहीं मिलेंगे। यही कारण है आज भी लोगों में उनके स्मृति मात्र से श्रद्धा का भाव उत्पन्न हो जाता है। इस कार्यक्रम में बिहार के अनेकों साधु-संत व सैकड़ो भक्त शामिल हुए।

कलश अक्षत वितरण को लेकर भाजपा ने तेज किया अभियान

नोखा (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के लेवडा गांव में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष गांधी चौधरी के नेतृत्व में अक्षत कलश और भगवान श्री राम का फोटो वितरण किया गया। जबकि अयोध्या में राम मंदिर उत्सव को लेकर पूजित अक्षत कलश को गांव के सैकड़ों लोगों के बीच वितरण किया गया। वही अयोध्या में श्रीराम लला मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव तहत अक्षत कलश वितरण समारोह में ग्रामीण बढ़ चढ़ कर भाग भी ले रहें है। जो प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में श्रीराम मंदिर उत्सव तहत कार्यकर्ता अक्षत घर-घर पहुंच रहें है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि हर ग्राम, हर मोहल्ला अयोध्या धाम जैसे हो इस उद्देश्य से अक्षत के द्वारा हर घर में भगवान श्री राम चित्र के साथ निमंत्रण दिया जा रहा है।

डीएम ने प्रतिमाओं के रंग रोगन व साफ सफाई सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

भभुआ कैमुर जिला पदाधिकारी कैमूर सावन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी से संबंधित बैठक की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। सभी सदस्यों के द्वारा बैठक में पूर्व की भांति ही झंडोत्तोलन का समय निर्धारित करने पर सहमति व्यक्त की गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रातः 6:30 बजे से पटेल चौक भभुआ से कैमूर स्तंभ भभुआ तक प्रभात फेरी निकाले जाने का निर्णय लिया गया। जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को प्रभात फेरी का अनुश्रवण एवं नियंत्रण रखने हेतु सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बीआरपी ,महिला शिक्षिकाएं, वॉलिंटियर्स की प्रतिनियुक्ति करने एवं थाना के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला अंतर्गत विभिन्न स्मारकों एवं प्रतिमाओं के स्थल की साफ सफाई एवं माल्यार्पण करने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया । जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद भभुआ को सभी स्मारकों एवं प्रतिमाओं के रंग रोगन साफ सफाई इत्यादि सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। मेजर ,पुलिस लाइन ,भभुआ द्वारा बताया गया कि जगजीवन स्टेडियम भभुआ में परेड का पूर्वाभ्यास दिनांक 16.01.24 से 24.01.24 तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 11:00 बजे तक किया जाएगा। जिसमें जिला सशस्त्र बल ,बीएमपी, गृह रक्षा वाहिनी, एनसीसी एवं स्काउट एंड गाईड की संयुक्त मार्च पास्ट हेतु हिस्सा लेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला पदाधिकारी द्वारा जगजीवन स्टेडियम भभुआ के ग्राउंड की तैयारी एवं शहर की साफ सफाई हेतु नगर कार्यपालक पदाधिकारी भभुआ को निर्देशित किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह स्थल जगजीवन स्टेडियम भभुआ में विभिन्न विभागों यथा नेहरू युवा केंद्र, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, जिला कल्याण शाखा, सामाजिक सुरक्षा ,जिला कृषि कार्यालय, सर्व शिक्षा अभियान, डीपीओ आईसीडीएस, पीएचईडी, मधनिषेध, वन प्रमंडल कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, बाल संरक्षण इकाई कैमूर इत्यादि द्वारा झांकी निकाली जाएगी।

डीएवी नेशल स्पोर्टस में तिरंदाज राजलक्ष्मी को मिला काश्य

प्रात: किरण संवाददाता

आरा।बी.एस.डीएवी. के विद्यार्थी न सिर्फ अपने पठन-पाठन बल्कि वैदिक-सांस्कृतिक गतिविधियों और खेलकूद के क्षेत्र में भी नित नये मुकाम हासिल करते रहे हैं।इस स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा राजलक्ष्मी ने 'डीएवी.नेशनल स्पोर्ट्स' की तीरंदाजी प्रतियोगिता में काश्य पदक जीतकर राज्य व विद्यालय का नाम रौशन किया। यह प्रतियोगिता सरला पाटिल डीएवी.प.स्कूल, नोयडा, सेक्टर-56 'ए' में आयोजित थी। 5 जनवरी,24 को देशभर के इक्कीस राज्यों की कुल -18 चुनिंदा बालिका तिरंदाजों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद राजलक्ष्मी को काश्य पदक मिला। 14 वर्ष के अपने आयु वर्ग में राजलक्ष्मी 'रिकर्व आर्चरी' का उपयोग करती हैं। विदित हो कि इसके पहले प्रक्षेत्रीय(स्टेट लेवेल) स्तर पर राजलक्ष्मी ने तीनो राउंड में स्वर्ण पदक पाया था। इस आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिला था। राजलक्ष्मी की यह उपलब्धि डीएवी. बिहार के लिए गौरवान्वित करनेवाली है।

राजलक्ष्मी की इस उपलब्धि पर बी.एस.डीएवी. प.स्कूल, प्रधानाचार्या श्रीमती नीशू जायसवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को हासिल करना है। हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राजलक्ष्मी को प्रधानाचार्या के साथ-साथ खेल शिक्षिका शिवा श्रोत्रिय , किरण कुमारी, पी.साहू, कमलेश दुबे और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री के संवाद को सुना गया

आरा विधानसभा के सनदिया में विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह हुए शामिल

प्रात: किरण संवाददाता

आरा: विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत सोमवार को बड़हरा विधानसभा अंतर्गत आरा प्रखंड के सुंदरपुर बरजा पंचायत के इजरी पीपरा और आरा प्रखंड के रामापुर सनदिया पंचायत के सनदिया मे मोदी गारंटी वाली गाड़ी से प्रधानमंत्री मोदी जी का देश के जनता के साथ संबोधन हुआ। उक्त दोनो जगहो पर जनसभा का आयोजन किया गया।

सुंदरपुर बरजा के इजरी पीपरा महामाया मंदिर परिसर मे एक जन सभा का आयोजन किया गया, जिसमे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह,जिला कार्यक्रम संयोजक ई.धीरेन्द्र सिंह,कृषि वैज्ञानिक प्रवीण कुमार द्रिवेदी,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय कुमार सिंह,प्रवक्ता धीरज सिंह,मंडल अध्यक्ष धनंजय तिवारी मुखिया, पंचायत प्रतिनिधि सहित केन्द्रीय विभाग के पदाधिकारी और सैकड़ो लाभार्थी और आम जनता शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का देश भर के लाभार्थियों और आम जनता का संबोधन को मोदी गारंटी वाली गाड़ी के माध्यम से बड़ा स्क्रीन पर देखा और सुना गया। उक्त अवसर पर पंचायत के सैकड़ो जीविका दीदियो का जमावड़ा रहा।जीविका दीदीओ ने केन्द्र सरकार से चल रहे योजनाओ के लाभान्वित होने का अपना विचार लोगो से साझा की और उन्होने उन योजनाओ को अपने जीवन का बदलाव बताया। उक्त अवसर पर बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाऊँ लोगो के जीवन मे बदलाव ला रहा है।उन्हे गरीबी रेखा से बाहर निकाल कर आत्मनिर्भर बना रहा है।मोदी गारंटी वाली गाड़ी से वंचित लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओ का लाभ प्राप्त हो रहा है।जीविका दीदीयो को बहुत लाभ हो रहा है।उन्हे प्रधानमंत्री जी द्वारा कृषि यंत्र के रुप मे ड्रोन मिलेगा और प्रशिक्षित कर रोजगार प्रदान किया जाएगा। सभा मे शामिल सभी लोगो ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया।

वहीं आरा प्रखंड के रामापुर सनदिया मे बिहार सरकार के पूर्व कृषि मंत्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित देश बनाने के संकल्प को हम सभी देशवासियों को मिलकर पूरा करना है।केन्द्र सरकार की सारी योजनाएँ गरीबी रेखा से बाहर निकालने वाला और आमदनी को बढाने वाला है।आज देश तेजी से आगे बढ रहा है और बहुत जल्द हम तीसरी अर्थव्यवस्था देश बन जाएँगे। वहीं जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओ से सभी को लाभ प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एक महत्वाकांक्षी योजना है,जिससे समाज के नीचले तबके के बढई,लोहार,कुम्भहार,दर्जी आदि 18 वर्गो के कारिगरो को इस योजना से तीन लाख तक का ऋण मिल सकता है।उन्हे प्रशिक्षण के लिए 2500 रुपए प्राप्त होगा।सभी कारिगरो को इस योजना मे पंजीकरण करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष ई. धीरेन्द्र सिंह ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मोदी वाली गारंटी गाड़ी का लाभ लोगो को बताते हुए कहा कि इससे लाभार्थियों को तुरंत और सीधा लाभ मिल रहा है। देश के प्रत्येक व्यक्ति की आमदनी मे बढोतरी और विकसित बनाने की गारंटी है। रामापुर सनदिया कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष दुर्गा राज सहित मुखिया मधु कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि राजीव सिंह,आरा ग्रामीण अध्यक्ष अशोक सिंह, विधान सभा संयोजक अजय सिंह , लल्लू राम, रंजन सिंह, योगेन्द्र साह सहित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के प्रबंधक सहित केन्द्र सरकार के पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री विकसित संकल्प यात्रा योजना को लोगों ने सुना लाइव

प्रात: किरण संवाददाता

नासरीगंज (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के अमियावर पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा तहत प्रधानमंत्री की गारंटी योजना को लोगों ने सराहा। मौके पर एलईडी वैन ग्रामीण जनता के बीच रथ पहुंचते ही उसका जोरदार स्वागत हुआ। जहां केंद्रीय योजना और पदाधिकारियों के साथ पहुंची एलईडी वैन द्वारा आयुष्मान,विश्वकर्मा योजना ,उज्जवला,किसान क्रेडिट कार्ड , माई भारत पोर्टल पर सभी लाभार्थियों को जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन कराया। वही नमो ड्रोन दीदी के द्वारा खेतो में ड्रोन उड़ाकर दावा का छिड़काव किया गया। इस कार्यक्रम में एकत्रित सभी लोगो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण सुन काफी सराहा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद् सदस्य नेवीदिता सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री का सपना है की 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन विश्व शक्ति बनेगा। क्योंकि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का विकास नहीं होगा तो भारत विकसित राष्ट्र नही बनेगा। वही गारंटी योजना रथ लाभार्थी के बीच पहुंच आयुष्मान विश्वकर्मा, किसान, उजव्ला योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दे रहें। इस अवसर पर विजय सिंह , प्रमोद कुशवाहा, मुखिया रामदुलारी देवी, जिला परिषद प्रियंका प्रसाद, अमित कुशवाहा, अजय शौंडिक, कौशल श्रीवास्तव, ललबाबु प्रसाद ,मदन प्रसाद, रमेश चौरसिया, सुनील सिंह, संदीप ठाकुर, कामेंद्र बैठा सहित सैकड़ों में लाभार्थी ग्रामीण मौजूद थें।

अयोध्या धाम कलश अक्षत का हुआ वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

संझौली (रोहतास) हर घर भगवा छाएगा, एक दिन रामराज आयेगा। नारों के साथ, सोमवार को मुख्य बाजार आरा-सासाराम पथ के समीप, मां काली मंदिर प्रांगण में अयोध्या धाम श्री राम मंदिर से स्वयं सेवकों द्वारा लाया गया। कलश अक्षत का वितरण किया गया। अक्षत लेने के लिए पूरे दिन दर्जनों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटती रही। स्वयं सेवक संघ के सदस्य रवि शंकर कुमार, रविंद्र कुमार, गौरव गुप्ता, विशाल, रोशन, अंकित, मोनू गुप्त, अभिषेक, बंटी व रोहन कुमार ने बताया कि 2:30 बजे तक एक हजार लोगों को शुभ अक्षत के साथ श्रीराम मंदिर का तस्वीर दिया जा चुका है. शाम पांच बजे तक अक्षत का वितरण किया जाता रहेगा। अक्षत वितरण के बाद संध्या 6:00 बजे शिव सरोवर तट पर भगवान भोलेनाथ मंदिर के प्रांगण में दीपोत्सव का कार्यक्रम किया जाएगा. जहां हजारों की संख्या में महिला, पुरुष, युवा, युवती राम भक्त शामिल होंगे।

छात्रों ने कॉलेज परिसर में किया हंगामा

राजपुर (रोहतास) प्रखंड केन श्रीश्री चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय में बीए पार्ट वन के छात्रों ने सोमवार को जमकर हंगामा किया। इस संबंध में छात्रों ने कहा कि स्कूल प्रशासन के तरफ से फॉर्म भरने के लिए विद्यार्थियों से अधिक पैसों की सूली की जा रही है। वही जब स्कूल प्रशासन से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताएं कि विद्यार्थियों से किसी तरह का नाजायज पैसा की वसूली नहीं की जा रही है। जो वास्तविक पैसा है वही ली जा रही है।

ससुराल पक्ष ने दहेज के लिए विवाहिता का किया हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

ससराम (रोहतास) जिला के दरिगांव थाना पुलिस ने शंकरपुर टोला में विवाहिता के हत्या कर चिता पर जलाते हुए शव को कब्जे में लेते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है। इस संबंध में दरिगांव प्रभारी थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि शंकर पुर टोला से विकास बिंद कि पत्नी रमावती देवी के जलाते हुए शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर अगली कार्रवाई जारी है।

प्रभारी थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि रोहतास जिला के संझौली थाना अंतर्गत बसौरा निवासी सोहन बिंद ने अपने पुत्री रमावती कि शादी दो वर्ष पहले शंकर पुर टोला निवासी विकास बिंद से किया था। शादी के बाद से ही उनके पुत्री को ससुराल वालों ने दहेज को लेकर आए दिन प्रताड़ित करते थे। जिसकी पुत्री रमावती को गला दबाकर हत्या कर दिया। विवाहिता के शव को ससुराल पक्ष ने छुपा कर रखा था। लेकिन शव के गंध आने पर हो हल्ला नहीं मचे आज शंकरपुर टोला में विवाहिता के शव को जलाने लगे। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने दरिगांव थाना से गुहार लगाया। जहां दलबल के साथ पहुंचे थाना अध्यक्ष प्रभारी राजीव कुमार ने चिता पर जलते हालत में विवाहिता कि शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं ससुराल पक्ष ने पुलिस को देखकर भाग खड़े हुए। विवाहिता के पिता ने दहेज को लेकर अपने पुत्री को गला दबाकर हत्या करने तथा साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य शव को जलाने का प्राथमिकी दर्ज कराई है।

वीकेएसयू की साइट फिर ठप्प, नामांकन पोर्टल से भोजपुरी गायब

छात्र संघ सदस्यों का आरोप भोजपुरी विरोधी और अक्षम हैं अधिकारी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट वीकेएसयू डॉट एसी डॉट इन एक बार फिर से पिछले हफ्ते से ठप्प है जिसकी वजह से कई छात्र मूल डिग्री, माइग्रेशन के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे। वहीं दूसरी तरफ पीजी नामांकन पोर्टल पर भोजपुरी में नामांकन लेने के इच्छुक छात्रों को भोजपुरी विषय चुनने का विकल्प नजर नहीं आ रहा। इन दोनों मुद्दों को लेकर भोजपुरी छात्र संघ के सदस्यों ने छात्र कल्याण संघ कार्यालय पहुँच कर आक्रोश जताया। ज्ञात हो कि हर सत्र में भोजपुरी, प्राकृत, लोक प्रशासन सहित पांच विषयों के लिए किसी भी विषय के स्नातक आवेदन कर सकते हैँ। भोजपुरी में विद्यालय शिक्षकों की बहाली के चलते पीजी में नामांकन के लिए छात्रों का रुझान बढ़ा है। भोजपुरी छात्र संघ के सह संयोजक और विभाग प्रमुख सोहित सिन्हा और शोधार्थी रवि प्रकाश सूरज ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन अकादमिक माहौल खास कर भोजपुरी को लेकर लगातार उपेक्षा दिखा रहा है। छात्र कल्याण कार्यालय पहुंचने पर नामांकन समिति के सदस्यों ने आश्वासन दिया कि कल तक नामांकन पोर्टल को सुधार लिया जायेगा। भोजपुरी छात्र संघ ने कल तक भोजपुरी में नामांकन के लिए पोर्टल नहीं खोले जाने और विश्वविद्यालय की वेबसाइट चालू नहीं होने पर राजभवन शिकायत कर अधिकारियों को पदमुक्त किये जाने और एक व्यक्ति को एक ही पद दिये जाने की मांग करेगी। छात्र संघ का आरोप है कि आये दिन वेबसाइट बंद होती रहती है और पिछले दो माह से अब तक कई बार आश्वासन के बावजूद भोजपुरी का स्नातक सिलेबस अपलोड नहीं हुआ। द भोजपुरिया फाउंडेशन के अरबिंद सिंह, विकास कुमार, अमित अप्पू ने कहा कि विश्वबिद्यालय शाहाबाद में जिन उद्देश्यों को लेकर स्थापित हुआ उसे अधिकारियों ने पूरा नहीं होने दिया।

आरा में ट्रेन की चपेट में आने से ट्रैकमैन जख्मी

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के अप मेन लाइन पर सोमवार के दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से एक ट्रैकमैन गंभीर रूप से जख्मी हो गए।जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार जख्मी ट्रैकमैन शाहपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी स्व.धनु यादव के 55 वर्षीय पुत्र छितेश्वर यादव है एवं व

धनुष स्टारर कैप्टन मिल्लर का ट्रेलर रिलीज

साउथ के सुपरस्टार धनुष की अगली फिल्म 'कैप्टन मिल्लर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। अरुण माथेश्वरन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 12 जनवरी को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर के मुताबिक फिल्म की कहानी आजादी से पहले की है।

यह एक ऐसे शख्स की कहानी है जिसका नाम कैप्टन मिल्लर है। वह अंग्रेजों के लिए डकैत तो कुछ लोगों की नजर में खूनी है। वहीं वो शख्स खुद को शैतान बुलाता है। कैप्टन मिल्लर पहले ब्रिटिश आर्मी का ही सोल्जर था। वह ब्रिटिशर्स से अपने गांव वालों की रक्षा कर रहा है जो उसके गांव में छिपा खजाना लूटना चाहते हैं। 2 मिनट 54 सेकेंड के इस ट्रेलर में धनुष अपने लोगों के लिए अंग्रेजों को बेरहमी से मारते नजर आ रहे हैं।

शेर का शिकार भेड़िया ले जाए तो?

मारधाड़ से भरपूर इस ट्रेलर के अंत में एक सीन है जिसमें गांव वाले बैलगाड़ी पर अंग्रेजों की लाशें लादकर ले जा रहे हैं। वॉइस ओवर में डायलॉग आता है- 'एक भूखे भटकते शेर को जंगल में एक शिकार मिलता है.. मगर लकड़बग्घों का एक झुंड भी उसी शिकार को चुराने की फिराक में है। ऐसे में..उस शिकार को..एक भेड़िया उठाकर ले जाए तो ? क्या होगा?'

पहले 15 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी फिल्म

'कैप्टन मिल्लर' में धनुष के अलावा शिव राजकुमार, प्रियंका मोहन, सुदीप किशन, विनोथ किशन, नासर, एडवर्ड सोनेनब्लिक समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म पहले पिछले साल 15 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, अब यह पोंगल के मौके पर 12 जनवरी को रिलीज होगी।

फीस के मामले में हीरोइनों को हीरो जितनी अहमियत क्यों नहीं दी जाती?

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म जगत के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म फैमिली स्टार से। मृणाल ठाकुर ने खास मुलाकात में कई महिला मुद्दों पर बात की।

अपनी फिल्मों के किरदारों के जरिए आप तरह -तरह से विभिन्न वर्ग की महिलाओं की आवाज बनी हैं, आज अगर औरतों की बात की जाए, तो उन्हें लेकर आपको सबसे ज्यादा क्या बात परेशान करती है?

-मेरे लिए सबसे बड़ी इंस्पिरेशन रही है, प्रियंका चोपड़ा। मैंने उनके तमाम इंटरव्यूज और आर्टिकल पढ़े हैं। मैं आज जो कुछ भी हूं, उन्हीं की प्रेरणा के कारण हूं। उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि लोगों को ट्रेंड सेंटर महिलाएं पसंद नहीं आतीं। वो औरतें नापसंद की जाती हैं, जो हां में हां नहीं मिलाती। आमतौर पर उन्हीं महिलाओं को पसंद किया जाता है, जो हां में हां मिलाती हैं। आप मुझे फेमिनिस्ट न समझें, मगर मैंने महसूस किया है कि जब लड़कियां लॉजिक लगाती हैं, तो लड़कों को पसंद नहीं आतीं। लड़कों को सारी छूट है, मगर लड़कियों को नहीं, ऐसा क्यों? आपको सुनकर अजीब लगेगा, मगर कई बार ऐसे दिन भी आते हैं, मेरी जिंदगी में, जब मैं खुद से सवाल करती हूं कि मैं औरत बनकर क्यों पैदा हुई? मगर फिर दूसरे ही पल मैं खुद से ये भी पूछती हूं कि अनगिनत लड़कियां, जो मुझसे प्रेरित होती हैं, उन्हें मेरे हारने से फायदा नहीं होगा।

क्या आप मानती हैं कि अब पर्दे पर महिला किरदार सशक्त हैं?

-बिलकुल। मेरी अपनी सभी फिल्मों में मेरा कुछ न कुछ अहम पार्ट जरूर रहा है। 60-70 की फिल्मों पर आप निगाह डालें, तो देखेंगी कि हीरो ही हीरोइन के प्यार में पड़ता था, मगर अब के दौर में लड़कियां भी लड़कों को प्रपोज कर रही हैं। वो अपने जीवन साथी को चुन रही हैं। अब हीरोइनें सिर्फ शो पीस नहीं हैं। आज फिल्मों में महिला किरदार आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी हैं। आज सिनेमा में किरदारों के जरिए वुमनहुड का सेलिब्रेशन दर्शाया जाता है। हम कह रहे हैं कि महिलाओं को भी हक है अपनी जिंदगी जीने का। मैं फेमिनिस्ट नहीं हूं, मगर मैं समानता की बात जरूर करना चाहूंगी।

कैसा लगता है जब आपको पैन इंडिया स्टार कहा जाता है। आप हिंदी सिनेमा के साथ -साथ साउथ में भी कई अच्छी फिल्मों का हिस्सा रही हैं?

मुझे बहुत अच्छा लगता है, जब मैं अलग-अलग भाषाओं की फिल्में करती हूं। बहुत जल्द मैं स्पैनिश और फ्रेंच फिल्म का हिस्सा बनना चाहूंगी। जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब मुझे स्टीरियोटाइप करार दे दिया गया था कि ये तो टीवी आर्टिस्ट है, मगर मैंने लोगों से कहा, रुकिए, मैं खुद को लेकर हमेशा आत्मविश्वासी थी। मैंने सीरियल्स से शुरुआत की और मराठी में भी काम किया। फिर मैंने हिंदी और साउथ सिनेमा में लगातार काम किया है। अब बहुत जल्दी में पोलिश और फिलिपिनो जैसी भाषाओं में काम करना चाहूंगी। पैन इंडिया स्टार के बाद ग्लोबल स्टार का खिताब हासिल करना चाहूंगी।

आप अपनी तीसरी तेलुगू फिल्म फैमिली स्टार करने जा रही हैं?

जी और अपनी इस फिल्म को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। इसकी शूटिंग के लिए मैं न्यू यॉर्क में हूं। फिल्म के हीरो विजय देवरकोंडा हैं। यह फिल्म हिंदी में भी आएगी। इससे पहले मैं सीता रामम में दुलकर सलमान और हाय नन्ना में नानी के साथ नजर आई थी। इस फिल्म में भी आप मुझे रोमांटिक रोल में देखेंगे। मैं अगर कहूं कि मैं क्वीन ऑफ रोमांस बनना चाहती हूं, तो गलत न होगा। मैं रोमांस में बहुत विश्वास करती हूं। जब हम बड़े हो रहे थे, तब हमारे लिए रोमांस के किंग शाहरुख खान हुआ करते थे। मैं इस जेनरेशन में यकीन पैदा करवाना चाहती हूं कि शिद्दत से भी प्यार किया जा सकता है। एक समय रोमियो-जुलियट, लैला-मजनूं थे, तो आज भी मिसाल बनाई जा सकती है। जो रंग मेरी असल जिंदगी में मिसिंग है, वो मैं अपने किरदारों के साथ जी लेती हूं।

कटरीना ने बांधे विजय सेतुपति के तारीफों के पुल, बोलीं- साथ काम करने के लिए थी उत्साहित

अभिनेत्री कटरीना कैफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वे साउथ अभिनेता विजय सेतुपति के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबर्दस्त क्रेज है। फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर और दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। वही, अब कटरीना कैफ ने विजय के साथ काम करने के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने विजय के अभिनय की प्रशंसा की।

कटरीना ने विजय को कास्ट करने के बारे में बात की और कहा, श्रीराम राघवन ने मुझे नहीं बताया था कि वे विजय को कास्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि, जब उन्होंने मुझे बताया कि वे विजय को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट कर रहे हैं, तो मैंने उनका नाम गूगल पर सर्च किया। मैं विजय के फिल्म में हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित थी। जहां अन्य लोग उनकी कास्टिंग को असामान्य कह रहे हैं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा, मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे दो कलाकार एक बहुत ही असामान्य कहानी के लिए एक साथ आ रहे हैं। प्रतिभाशाली कलाकार हैं विजय अभिनेत्री ने आगे कहा, मैंने पहली बार विजय को फिल्म क्लास ऑफ 83 में नोटिस किया था। विजय और श्रीराम दोनों ने उनसे कहा, उनकी फिल्म 83 नहीं, 96 है। कटरीना ने कहा, सॉरी 96, मुझे वास्तव में फिल्म 96 बहुत पसंद आई थी, इसमें ऐसे कई सीन थे, जो मुझे अभी तक याद हैं। उनकी अभिनय प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कटरीना ने कहा, वे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जो भी करते हैं बहुत ईमानदारी और निडर होकर करते हैं। उनके पास जीवन के प्रति एक अनोखा दृष्टिकोण है और वे उनके प्रदर्शन में दिखता है।

इटावा में बी प्राक के कॉन्सर्ट में मची भगदड़

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायक बी प्राक ने शनिवार शाम को उत्तर प्रदेश के इटावा महोत्सव में शानदार प्रस्तुति दी। हालांकि, चीजें तब काफी अप्रिय हो गईं जब अधिकारियों को संगीत कार्यक्रम को बीच में ही अचानक समाप्त करना पड़ा। इस शो में हजारों लोग शामिल हुए और स्थानीय पुलिस और अधिकारियों के लिए भीड़ को संभालना असंभव हो गया। रिपोर्ट्स की मानें तो, 15,000 से ज्यादा लोग उस आयोजन स्थल पर पहुंचे, जिसकी असल में क्षमता सिर्फ 5,000 लोगों की थी। भीड़भाड़ के कारण किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कॉन्सर्ट को महज डेढ़ घंटे के अंदर ही खत्म कर दिया गया। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, बी प्राक का संगीत कार्यक्रम शनिवार शाम 7 बजे शुरू होने वाला था। हालांकि, शाम 5 बजे से ही लोग बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पर एकत्र हो गए और गायक के आने और केंद्र मंच पर आने के बाद भीड़ बढ़ती गई। कार्यक्रम स्थल की कई तस्वीरें और वीडियो अब ऑनलाइन सामने आए हैं, जिसमें टूटी हुईं कुर्सियां देखी जा सकती हैं, और भीड़ ने संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचाया। इसी कारण अधिकारियों को शो खत्म करना पड़ा और यह सुनिश्चित करना पड़ा कि लोग सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल जाएं।

मुझे खुद पर दबाव डालना पसंद नहीं

बॉलीवुड में कोंकणा सेन शर्मा की अपनी एक अलग पहचान है। उन्होंने न सिर्फ अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता, बल्कि अपनी निर्देशन क्षमता का भी लोहा मनवाया। कोंकणा ने साल 2016 में ए डेथ इन द गंज फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म को न सिर्फ दर्शकों ने पसंद किया, बल्कि समीक्षकों ने भी इसे खूब सराहा। इसके बाद कोंकणा ने साल 2023 में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज 2 में द मिरर का भी निर्देशन किया। फिल्हाल कोंकणा अपनी अपकंमिग वेब सीरीज किलर सूप को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में कोंकणा ने अपने अगले निर्देशन प्रोजेक्ट को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पास एक वेब सीरीज और एक फिल्म का आइडिया है, लेकिन वे उसे तब तक आगे नहीं बढ़ाना चाहती, जब तक की लह खुद उसको लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाती। कोंकणा ने कहा, मैं एक वेब सीरीज के आइडिया पर काम करने की कोशिश कर रही है। मेरे पास एक फीचर फिल्म के लिए भी एक आइडिया है, लेकिन मैं खुद पर कोई दबाव डालना नहीं पसंद करती। अगर यह अच्छा नहीं हुआ तो मै खुद इसे छोड़ दूंगी।

मैं शर्मीला, शांत और बहुत गुस्से वाला था

मनोज बाजपेयी की आने वाली वेब सीरीज किलर सूप आजकल सुर्खियों में है। ये सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 11 जनवरी को रिलीज होगी। एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने अपने गुस्से के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि दिल्ली में उन्हें ऐंगर इश्यूज हो गए थे। वे डीटीसी बसों में महिलाओं को परेशान करने वाले लोगों से झगड़ा कर लिया करते थे। मनोज बाजपेयी ने हाल ही में जिस्ट के एक इंटरव्यू में अपने गुस्से के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा- मुंबई जाने से पहले मैं दिल्ली में रहता था। उस समय मेरा गुस्सा बेकाबू था। डीटीसी बसों में अक्सर मेरे झगड़े हो जाते थे। डीटीसी बसों में मुझे बहुत गुस्सा आता था। जब भी मैं देखता था कि कोई किसी महिला के साथ गलत हरकत कर रहा है और अगर महिला विरोध कर रही है तो मैं सच में उस आदमी की पिटाई कर देता था। दिल्ली में मेरे ज्यादातर झगड़े इसी वजह से हुए हैं। हालांकि मुझे इस बात पर कोई पछतावा नहीं है। मनोज बाजपेयी ने अपने पुराने दिनों के और भी किस्से शेयर किए। उन्होंने कहा- जब मैं बिहार में था, उस समय भी मेरे झगड़े होते थे। मैं लगभग 17-18 साल का था। वहां अलग-अलग मोहल्लों के अलग-अलग ग्रुप होते थे और फिर उनके साथ झगड़े हुआ करते थे। मनोज बाजपेयी ने खुद को शर्मीला, शांत और बहुत गुस्से वाला व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा- मेरे संघर्ष के दिनों में मेरा गुस्सा बढ़ता ही गया। हालांकि अब मैंने अपने गुस्से पर काबू पाना सीख लिया है। दरअसल मैं बहुत पहले ही समझ गया था कि ये गुस्सा मेरे लिए सही नहीं है और इससे मुझे ही नुकसान हो रहा है।

मनोज बाजपेयी किलर सूप में दिखेंगे

मनोज बाजपेयी तकरीबन 20 सालों से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने पिंजर, शूल, सत्या, गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है और दर्शकों का दिल जीता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन में कमाल की परफॉर्मेंस दी। ऐसे में अब एक्टर की वेब सीरीज किलर सूप में वे डबल रोल में दिखेंगे।

करण जौहर की अगली फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ जमेगी जान्हवी कपूर की जोड़ी

करण जौहर एक फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं। फिल्म का नाम डेडली बताया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुराग कश्यप लिखेंगे और निर्देशन राज मेहता करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के जरिए एक नए यूनिवर्स की शुरुआत होगी। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म के जरिए पहली बार जान्हवी कपूर और टाइगर श्रॉफ की जोड़ी पर्दे पर जमेगी। इतना ही नहीं, फिल्म के लिए वरुण धवन से भी बातचीत की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जान्हवी कपूर और टाइगर श्रॉफ जल्द ही डेडली नाम की फिल्म में साथ काम करते दिखेंगे। इस फिल्म के लिए वरुण धवन से भी बातचीत जारी है। वरुण इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म के जरिए असैसिन सिनेमेटिक यूनिवर्स की शुरुआत करने की तैयारी है।

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके पास कई फिल्में हैं। इसमें मिस्टर एंड मिसेज माही, देवरा और उलझ शामिल हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि जान्हवी कपूर, करण जौहर की दुल्हनिया 3 में आलिया भट्ट की जगह नजर आएंगी। हालांकि, इन खबरों पर शुक्रवार को करण जौहर ने प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल अटकलों पर यकीन न करें। कोई भी जानकारी हमारी तरफ से खुद साझा की जाएगी। डेडली फिल्म के निर्देशन की कमान राज मेहता ने संभाली है। इससे पहले राज गुड न्यूज और जुग जुगजीयो जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

सनस्टोन ने सेज यूनिवर्सिटी में माइंड मास्टर्स चैम्पियनशिप के पहले संस्करण का ग्रांड फिनाले आयोजित किया

इंदौर, एजेंसी। सनस्टोन ने सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर के सहयोग से को सेज यूनिवर्सिटी में माइंड मास्टर्स चैम्पियनशिप के पहले संस्करण का ग्रांड फिनाले आयोजित किया । फिनाले तक की इस यात्रा में इंदौर के इतिहास में ऐसा पहली बार था जहां पूरे जिले के टॉप 100 स्कूलों से आए 10,000 से अधिक विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम का मान बढ़ाया। एक महीने तक चले रोचक इंट्रा-स्कूल सलेक्शंस के बाद सेज यूनिवर्सिटी इंदौर में आयोजित इस ग्रांड फिनाले में 800 से अधिक छात्र अपना स्थान बनाने में कामयाब रहे. माइंड मास्टर्स चैम्पियनशिप मध्य प्रदेश में हाल-फिलहाल में स्कूली छात्रों के लिए हुए सबसे बड़े और सफल आयोजन के रूप में उभरा है. इस अवसर पर नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ चाइल्ड राइट्स की सदस्य डॉ दिव्या गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की. वहीं एनकिंग इंटरनेशनल के सीईओ, पंकज पाण्डेय इस मौके पर विशिष्ट अतिथि थे. इस अवसर पर सनस्टोन के को-फाउंडर, अंकुर जैन और बच्चों के संवाद ने खूब तालियां बटोरीं. उन्होंने बच्चों की समस्याएं जानीं. और उन्हें आगे बढ़कर चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया. माइंड मास्टर्स चैम्पियनशिप का ग्राण्ड फिनाले एक अपने-आप में एक अनूठा किस्म का शो था, जिसने छात्रों को अपनी तमाम प्रतिभाओं को और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों में जीवन- कौशल विकसित हो, उनके भीतर आधुनिक विचारों का प्रसार हो, एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना पनपे, यह प्रतियोगिता छात्रों के लिए ऐसा सुगम माहौल उपलब्ध कराने में सफल रही है.

कारोबारी अब क्रेडिट और डेबिट कार्ड से भी चुका सकेंगे जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने कारोबारियों के लिए नई सुविधा की शुरुआत की है। इसके तहत कारोबारी अब क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड के माध्यम से भी जीएसटी का भुगतान कर पाएंगे। जीएसटी नेटवर्क ने इस सेवा को सक्रिय कर दिया है। जीएसटीएन के मुताबिक, फिलहाल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कारोबारियों को सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इनमें दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रदेश शामिल हैं। जीएसटी चालान बनाते समय कारोबारियों को जीएसटी भुगतान का तरीका चुनना होगा। इसमें क्रेडिट और डेबिट कार्ड का विकल्प भी जोड़ दिया गया है। बाद में सभी राज्यों में इस सेवा कर विस्तार कर दिया जाएगा। वर्तमान में व्यापारी जीएसटीएन पोर्टल पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से भुगतान कर सकते हैं। अभी ऑनलाइन तरीकों में नेट बैंकिंग, तत्काल भुगतान सेवाएं और एकीकृत भुगतान इंटरफेस शामिल हैं।

निवेश मंत्रा: 2023 में मिडकैप और स्मॉलकैप ने दिया अच्छा रिटर्न, इस साल लार्जकैप की बारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्विटी श्रेणियों में निवेशक जिसे अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, वह है लार्ज और मिडकैप। पिछले साल यानी 2023 में मिडकैप और स्मॉलकैप ने अच्छा रिटर्न दिया। इस साल लार्जकैप की बारी है।

लार्ज व मिडकैप फंड में बेहतर कमाई की उम्मीद

म्यूचुअल फंड की लार्जकैप और मिडकैप योजना बाजार में सूचीबद्ध शीर्ष-250 कंपनियों में निवेश करती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये वे कंपनियां होती हैं, जो प्रबंधन, बहीखाते और कारोबार के लिहाज से काफी मजबूत होती हैं। इसलिए, बेहतर रिटर्न हासिल करने के उद्देश्य के लिहाज से इन कंपनियों में निवेश करने वाला यह एक बेहतर फंड है। यह मूलरूप से इक्विटी केंद्रित फंड है। फंड स्कीम लार्ज और मिडकैप कंपनियों में से प्रत्येक में 35 फीसदी निवेश करती है। पिछले साल लार्जकैप का प्रदर्शन थोड़ा कमजोर रहा, लेकिन इस साल इसके अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

हर साल 18.34 फीसदी दर से मिला रिटर्न

अगर किसी निवेशक ने जुलाई, 1998 (फंड की शुरुआत) में एक लाख रुपये एकमुश्त निवेश किया होगा तो वह रकम 30 नवंबर, 2023 तक 72.15 लाख हो गई। यानी 18.34 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला है। इस दौरान बेंचमार्क निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 टीआरआई में 14.64 फीसदी सीएजीआर रिटर्न मिला है, जो एक लाख का सिर्फ 32.18 लाख ही बन सका। पिछले एक और तीन वर्षों में इस फंड ने क्रमशः 20.56 फीसदी व 27.66 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस दौरान बेंचमार्क ने 19.92 फीसदी और 23.34 फीसदी का रिटर्न दिया। लार्जकैप व मिडकैप का औसत रिटर्न क्रमशः 18.83 फीसदी और 21.96 फीसदी रहा था।

इक्विटी का बेहतर विकल्प

लंबी अवधि में इच्छित वित्तीय नतीजों के लिए उन बचतों को उपलब्ध विभिन्न निवेश साधनों में विवेकपूर्ण ढंग से लगाना अनिवार्य है। पारंपरिक निवेश विकल्पों, सावधि जमा, म्यूचुअल फंड और कई अन्य विकल्पों के बीच निवेशकों के पास आज कई प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। इक्विटी विकल्पों की तलाश कर रहे निवेशक के लिए लार्ज और मिडकैप फंड हो सकता है। मनी वर्कशॉप के निदेशक पंकज सिदाना फंड का वर्तमान फोकस आर्थिक सुधार से लाभान्वित शेयरों व क्षेत्रों पर है। यह सुनिश्चित करता है कि आपका निवेश आशाजनक रुझानों के अनुरूप हो और भविष्य के लिए तैयार रहे।

निवेशकों के लिए अतिरिक्त लाभ का लक्ष्य

पोर्टफोलियो निर्माण के लिए फंड मैनेजर टॉप-डाउन और बॉटम-अप दृष्टिकोण अपनाते हैं। फंड मैनेजर के पास स्मॉलकैप निवेशों के लिए अवसरवादी दृष्टिकोण अपनाने की भी सुविधा है। इसका लक्ष्य निवेशकों के लिए अतिरिक्त लाभ प्राप्त करना है। इसका प्रमाण आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिडकैप फंड में देखा जा सकता है। इस फंड का पिछले 25 वर्षों से अधिक का ट्रैक रिकॉर्ड है। इसने निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति का निर्माण किया है।

2400 रुपये से टूटकर 9 रुपये पर आए शेयर, अब 2500 प्रतिशत चढ़ गए अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। रिलायंस इंफ्रा के शेयर सोमवार को 7 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 246.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का यह 1 साल का नया हाई है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर शुक्रवार को 229.35 रुपये पर थे। रिलायंस इंफ्रा के शेयर अपने ऑल टाइम हाई से 99 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए थे, कंपनी के शेयरों की हालत खराब थी। लेकिन, इधर पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 2500 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है।

2486 रुपये से टूटकर 9 रुपये पर आ गए थे शेयर : रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 11 जनवरी 2008 को 2486.05 रुपये पर थे। इसके बाद कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट आई। रिलायंस इंफ्रा के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 27 मार्च 2020 को 9.20 रुपये पर पहुंच गए थे। इधर, पिछले करीब 4 साल में कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली है। रिलायंस इंफ्रा के शेयर 8 जनवरी 2024 को 246.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले करीब 4 साल में कंपनी के शेयरों में 2565 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने कहा, 2023-24 में 7.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अग्रिम अनुमान की गणना में 2.59 लाख करोड़ रुपये की विसंगतियां रही हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने यह जानकारी दी है। इससे पहले 2022-23 में जीडीपी गणना में 3.80 लाख करोड़ और 2021-22 में 4.47 लाख करोड़ रुपये की विसंगति रही थी।

एनएसओ ने बीते शुक्रवार को राष्ट्रीय खातों का अपना पहला अग्रिम अनुमान जारी किया था। इसमें बताया गया था कि 2023-24 में अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी। 2022-23 में वृद्धि दर 7.2 फीसदी रही थी। जीडीपी आंकड़ों में विसंगति उत्पादन और खर्च पद्धति के तहत राष्ट्रीय आय में अंतर को बताती है। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्यों और विभिन्न एजेंसियों की सूचना देने में देरी से राष्ट्रीय खातों में हमेशा कुछ विसंगतियां रहेंगी। चालू वित्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों में उच्च स्तर की विसंगतियों पर विशेषज्ञों ने कहा, आंकड़ों को यथासंभव सटीक रूप से दिखाने के लिए विसंगतियों को दर्शाया जाता है। हालांकि, सरकार इसे कम करने का हरसंभव प्रयास करती है।

जीवीए 6.9 फीसदी रहने का अनुमान

चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय खातों के एनएसओ के पहले अनुमान से यह भी पता चला है कि देश का सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 2023-24 के दौरान 6.9 फीसदी की दर से बढ़ेगा, जो 2022-23 के 7 फीसदी से कम है। हालांकि, इस वित्त वर्ष में घरेलू जीडीपी की वृद्धि दर 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2022-23 में 7.2 फीसदी रही थी। जीडीपी जीवीए और करों का शुद्ध योग है। देश में साक्ष्य आधारित नीति निर्माण की दृष्टि से राष्ट्रीय खातों की गणना महत्वपूर्ण हो जाती है।

29 हजार से अधिक फर्जी फर्मों का भंडाफोड़, महाराष्ट्र सबसे आगे; जीएसटी अधिकारियों को मिली बड़ी सफलता

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बताया है कि फर्जी पंजीकरण के खिलाफ अभियान के दौरान करोड़ों रुपये का राजस्व बचाने में मदद मिली है। जीएसटी अधिकारियों का कहना है कि फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावे करने वाली 29,273 फर्जी फर्मों का पता लगाया है। इससे 4,646 करोड़ रुपये का राजस्व बचाने में मदद मिली है। आंकड़े दिसंबर 2023 तक के हैं, जिसमें आठ महीनों के दौरान 44,015 करोड़ रुपये के फर्जी दावे किए गए। पहले चार स्थानों पर महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्य हैं।

सरकार के मुताबिक अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में 4,153 फर्जी कंपनियों का पता लगाया गया। इनमें लगभग 12,036 करोड़ रुपये की संदिग्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट चोरी शामिल थी। केंद्रीय जीएसटी अधिकारी इनमें से 2,358 फर्जी फर्मों का पता लगा चुके हैं। महाराष्ट्र 926 फर्जी फर्मों के साथ सूची में शीर्ष पर है। इसके बाद राजस्थान (507), दिल्ली (483) और हरियाणा (424) का नंबर आता है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि दिसंबर तिमाही के दौरान 1,317 करोड़ रुपये का राजस्व सुरक्षित करने में सफलता हासिल हुई। 319 करोड़ रुपये की वसूली की गई। 997 करोड़ रुपये आईटीसी यानी इनपुट टैक्स क्रेडिट को अवरुद्ध करके सुरक्षित किए गए। सरकार ने कहा कि इन मामलों में 41 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। 31 गिरफ्तारियां केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों ने की हैं। बता दें कि मई 2023 के मध्य में फर्जी पंजीकरण के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया था। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इसके बाद से, 44,015 करोड़ रुपये के संदिग्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) चोरी में शामिल कुल 29,273 फर्जी फर्मों का पता चला है। सरकारी खजाने में कुल 4,646 करोड़ रुपये की बचत करने में कामयाबी हासिल हुई है।

3,802 करोड़ रुपये आईटीसी को अवरुद्ध कर बचाए गए, जबकि 844 करोड़ रुपये वसूली के माध्यम से बचाए गए। सभी मामलों को मिलाकर अब तक 121 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, दिसंबर तिमाही के दौरान, महाराष्ट्र की 926 फर्जी फर्मों ने 2,201 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी की। इसके खिलाफ कार्रवाई के दौरान 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली में 483 फर्जी फर्मों ने 3,028 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी की। यहां भी 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

किस राज्य में कितने आरोपी गिरफ्तार हुए

आंध्र प्रदेश में 19 फर्जी फर्मों का भंडाफोड़ हुआ है। इनमें 765 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी की जानकारी मिली। हरियाणा में 424 फर्जी फर्मों ने 624 करोड़ रुपये की कर चोरी की। उत्तर प्रदेश में 1,645 करोड़ रुपये की संदिग्ध जीएसटी चोरी हुई। अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में कुल 443 फर्जी फर्मों का भंडाफोड़ हुआ। यूपी में पांच लोगों कर चोरी के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया।

आठ विकल्पों को अपनाकर बचा सकते हैं भारी-भरकम कर

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप नौकरीपेशा हैं तो कर बचाने के लिए निवेश से जुड़ा दस्तावेज ऑफिस में जमा करना जरूरी होता है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 31 मार्च, 2024 है। आमतौर पर कर बचत के लिए सबसे पहला विकल्प जो सामने आता है, वह है आयकर कानून की धारा 80सी। इसके तहत, आप 1.50 लाख रुपये तक की कर बचत कर सकते हैं। इसके अलावा, कई ऐसे विकल्प भी हैं, जिनमें निवेश करने पर आप 1.50 लाख रुपये के अलावा भी कर बचा सकते हैं।

80सी- इस धारा के तहत आप 1.50 लाख रुपये तक बचा सकते हैं। इसके लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना में निवेश कर सकते हैं। इससे ऊपर भी 80सीसीडी (1बी) के तहत 50,000 रुपये की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं। इस तरह, कुल 2 लाख रुपये तक बचत कर सकते हैं। 80डी- स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर छूट का दावा कर सकते हैं। कितनी कर छूट मिलेगी, यह इस बात पर निर्भर है कि पॉलिसी में कौन-कौन शामिल है व उनकी उम्र क्या है, इस तरह से आप 25,000 रुपये से एक लाख रुपये तक कर बचा सकते हैं। 80ई- इसके तहत एजुकेशन लोन के ब्याज के हिस्से पर कर छूट पा सकते हैं। यह छूट माता-पिता और बच्चा कोई भी ले सकता है ,यह इस पर तय होगा कि कर्ज कौन चुका रहा है।

80ईई - इसके तहत पहला घर खरीदने पर होम लोन के ब्याज पर अतिरिक्त छूट मिलती है। बशर्ते इसके पहले आपके नाम पर कोई दूसरा घर नहीं होना चाहिए। इस धारा के तहत 50,000 रुपये तक अतिरिक्त छूट का दावा कर सकते हैं, जो धारा-24 के तहत मिलने वाली छूट से अलग है। यानी पहली बार घर खरीदने वालों को एक साल में कम-से-कम 2.50 लाख रुपये तक की छूट होम लोन के ब्याज पर मिल जाती है। शर्त है...प्रॉपर्टी की कीमत 50 लाख रुपये से कम हो और कर्ज 35 लाख रुपये या इससे कम हो। 80जेजे- वेतनभोगी हैं और कंपनी एचआरए देती है तो किराये पर कर छूट पा सकते हैं। एचआरए नहीं मिलने की स्थिति में आप घर के किराये पर छूट का दावा नहीं कर सकते हैं। 80टीटीए- बचत खाते पर मिलने वाले ब्याज पर भी छूट पा सकते हैं। इस धारा के तहत कोई भी व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार अधिकतम 10,000 रुपये तक छूट पा सकता है। शर्त है कि बचत खाता बैंक, को-ऑपरेटिव सोसायटी या डाकघर में होना चाहिए।

80डीडी- किसी दिव्यांग की देखरेख पर होने वाले खर्च को इस धारा के तहत क्लेम कर सकते हैं। 75,000 से लेकर 1.25 लाख रुपये तक छूट मिलती है। छूट कितनी मिलेगी, यह दिव्यांगजन की दिव्यांगता पर निर्भर करता है। धारा-24- होम लोन पर दो तरह से कर छूट का दावा कर सकते हैं। प्रिंसिपल राशि पर 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये के साथ ब्याज पर धारा-24 के तहत भी छूट ले सकते हैं। इस तरह, आप अधिकतम 2 लाख रुपये तक छूट पा सकते हैं। बशर्ते संपत्ति आपके नाम पर हो और आप उसमें रहते हों, अगर आपने उसे किराये पर दे रखा है तो छूट का दावा करने की कोई सीमा नहीं है। यानी आपने एक साल में जितना भी ब्याज भरा हो, पूरा कर छूट के दायरे में आएगा।

बीसीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड की नजर रणनीतिक लाभ पर

ओएमसी मक्का इथेनॉल उत्पादन को बढ़ाने के लिए अधिक प्रोत्साहन की पेशकश कर रही है

नई दिल्ली एजेंसी। बीसीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (बीएसई: 524332, एनएससी) डाइवर्स बिज़नेस और वर्टिकल इंटीग्रेशन के साथ भारत की लार्जेस्ट एग्रो-प्रोसेसिंग मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में से एक है। मक्के से इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, ऑयल मार्केटिंग कंपनीज़ (ओएमसी) ने अनाज से प्राप्त इथेनॉल के लिए 5.79 रुपये प्रति लीटर (जीएसटी को छोड़कर) के एडिशनल इंसेंटिव की घोषणा की है। यह मक्का बेस्ड इथेनॉल के लिए इग्ज़िस्टिंग प्रोक्योरमेंट प्राइस 66.07 रुपये प्रति लीटर के टॉप पर आता है, जिससे कुल इफेक्टिव प्राइस 71.86 रुपये प्रति लीटर हो जाता है।

यह इंसेंटिव 5 जनवरी 2024 के बाद ओएमसी द्वारा खरीदी गई सभी इथेनॉल सप्लाईज़ के लिए लागू होगा, जो इफेक्टिवली इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2023-24 की शेष अवधि को कवर करेगा। ऑयल मार्केटिंग कंपनीज़ (ओएमसी) इंसेंटिव को या तो क्रेडिट नोट्स के माध्यम से या सीधे परचेज़ ऑर्डर में शामिल करके वितरित करेंगे।

इससे पहले दिसंबर में कंपनी को भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) आदि जैसी विभिन्न प्रतिष्ठित ऑयल मार्केटिंग कंपनीज़ (ओएमसी) से इथेनॉल की सप्लाई के लिए 560 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले थे।

बीसीएल इंडस्ट्रीज़ ने नए बेंचमार्क स्थापित करके भारत में डिस्टिलरी मार्केट में सुधार किया है। कंपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को लागू करने, सस्टेनेबिलिटी की प्रैक्टिस करने और ऑपरेशन्स में एनवायरनमेंटल बैलेंस बनाए रखने में सबसे आगे है। एक ज़िम्मेदार संगठन होने के नाते, यह एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिसेस को लागू करके और सतत विकास को बढ़ावा देकर स्टबल (पराली) जलाने से रोकता है। इसकी अत्याधुनिक डिस्टिलरी ने वर्ष 2023 में जीरो डिस्चार्ज यूनिट और फुल बैकवर्ड और फॉरवर्ड इंटीग्रेटेड यूनिट का दर्जा हासिल करके कुशल जल और अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रियाओं के लिए काफी उच्च मानकों को बढ़ाया है। इससे आगे कंपनी ने पंजाब और पश्चिम बंगाल दोनों में 850 केएलपीडी तक विस्तार करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ प्रति दिन 600 किलोलीटर की प्रभावशाली इंस्टॉलेशन कपैसिटी प्रोसेस की।

कंपनी के डिस्टिलरी प्लांट को ईएनए के साथ-साथ इथेनॉल के उत्पादन को आसानी से नियंत्रित और संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे न्यूनतम अवधि में दोनों के बीच सीमलेस आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सके। कंपनी की पूरी तरह से इंटीग्रेटेड यूनिट्स ने भारत में एडिबल ऑयल के प्रोडक्शन और प्रोसेसिंग के तरीके को बदल दिया है। इसमें तिलहन को पैकेज्ड एडिबल ऑयल में बदलने की क्षमता है, जिससे कंपनी को हर स्तर पर उत्पाद की गुणवत्ता पर पूरी निगरानी रखने की अनुमति मिलती है, जिससे कंपनी को दशकों से मदद मिली है। 1020 टीपीडी की क्षमता के साथ, बीसीएल इंडस्ट्रीज़ का एडिबल ऑयल बिज़नेस भारत को आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऑयल सीड क्रशिंग इकाइयों यूनिट्स से लेकर राइस मिलिंग तक, हमारी अत्याधुनिक सुविधाएं उत्पाद की गुणवत्ता के हाईएस्ट स्टैंडर्ड को सुनिश्चित करती हैं, किसान की समग्र भलाई में योगदान करती हैं और कृषि अर्थव्यवस्था के उत्थान में मदद करती हैं। बीसीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड डाइवर्स बिज़नेस और वर्टिकल इंटीग्रेशन के साथ भारत की सबसे बड़ी एग्रो- प्रोसेसिंग मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में से एक है। 1976 में स्थापित, बीसीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने तेजी से विस्तार किया है और एडिबल ऑयल, राइस मिलिंग, ग्रेन बेस्ड डिस्टिलरी और रियल एस्टेट में अपने कारोबार को शामिल किया है।

नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप पर टकराव

- **डब्ल्यूएफआई के सस्पेंड प्रधान बोले- 29 से 31 तक पुणे में होगी**

पानीपत (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) की रार में एक बार फिर नव निर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह और खेल मंत्रालय आमने-सामने हो गए हैं। संजय सिंह ने आईओए की नेशनल चैम्पियनशिप की घोषणा के बाद संघ द्वारा भी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप रख दी है। उन्होंने सर्कुलर जारी कर 29 जनवरी से पुणे में चैम्पियनशिप की जानकारी दी है।

जिस पर खेल मंत्रालय ने रविवार को पत्र जारी कर कहा कि निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ के पास सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने का कोई अधिकार नहीं है। इसके द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता को अस्वीकृत व गैरमान्यता प्राप्त माना जाएगा। पहलवानों को जीतने का कोई भी सरकारी लाभ नहीं मिलेगा।

संजय सिंह की घोषणा से जुड़े पत्र को सोशल मीडिया के एक्स पर शेयर कर भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कैप्टन वीरेन रसकिन्हा ने लिखा है कि उन्हें बहुत दुःख हो रहा है। उन्होंने लिखा कि मुझे सभी भारतीय पहलवानों के लिए बहुत दुख हो रहा है। एक ओलिंपिक वर्ष में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में लगातार आगे-पीछे। यही उनका करियर है। उनके जीवन की यह खिड़की बहुत छोटी है। विशिष्ट एथलीटों के लिए, जब तारीखों पर कोई स्पष्टता नहीं होती है, तो मानसिक रूप से बहुत दर्दनाक होता है। विशेष रूप से वजन आधारित खेल में। जिसे विनेश फोगाट ने भी शेयर किया है।

आईएलटी-20 के लिए कमेंट्री पैनल घोषित

- **17 कमेंट्रेटर होंगे शामिल, 19 जनवरी से होंगे मुकाबले**

मुंबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल लीग टी20 और टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने लीग के सीजन 2 के लिए कमेंटेटरों के एक स्टार-स्टडेड पैनल की घोषणा की है। इसमें

दुनियाभर के टॉप एक्स- प्लेयर्स शामिल है। 17 कमेंट्रेटर के पैनल में 14 मैन और 3 विमेंस कमेंट्रेटर होंगी। कमेंट्री हिंदी और इंग्लिश में मौजूद होंगी।

मेंस कमेंट्रेटर में भारत और पाकिस्तान के भी खिलाड़ी- 14 मेंस कमेंट्रेटर में वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, रोहन गावस्कर, सबा करीम, निखिल चोपड़ा, विवेक राजदान, वसीम अकरम, वकार यूनिस और शोएब अख्तर के साथ एलन विल्किंस, साइमन भी शामिल होंगे। डोल, डैरेन गंगा, डैनी मॉरिसन और नियाल ओ ब्रायन होंगे।

कोको गॉफ लगातार दूसरी बार ऑकलैंड में चैम्पियन बनीं

लंदन (एजेंसी)।साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन 14 जनवरी से शुरू होना है। उससे पहले रायबकिना ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल तो कोको गॉफ ने ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट जीतकर अपना इरादा जता दिया है। रायबकिना ने सबालेंका को 73 मिनट में हराया रायबकिना ने फाइनल में टॉप सीड आर्यना सबालेंका को 6-0, 6-3 से शिकस्त दी। रायबकिना ने फाइनल में टॉप सीड आर्यना सबालेंका को 6-0, 6-3 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की टेनिस खिलाड़ी एलिना रायबकिना ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल अपने नाम किया। दूसरी सीड रायबकिना ने फाइनल में टॉप सीड आर्यना सबालेंका को 6-0, 6-3 से शिकस्त दी। वर्ल्ड नंबर-4 रायबकिना ने सबालेंका को 73 मिनट में शिकस्त दी। यह उनके करियर का छठा ?टाइटल है। यह मुकाबला पिछले साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रिपीट था।

रायबकिना ने छठी बार ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब जीता

ग्रिगोर दिमित्रोव का 6 साल में पहला टाइटल

पुरुष सिंगल्स में ग्रिगोर दिमित्रोव ने टॉप सीड होल्गर रून को 7-6, 6-4 से हराया। यह दिमित्रोव का 6 साल में पहला और करियर का 9वां टाइटल है।

19 साल की गॉफ ने स्वितोलिना को हराया

19 साल की गॉफ ने फाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-7, 6-3, 6-3 से हराया। अमेरिकन टीनएजर टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ऑकलैंड क्लासिक चैम्पियन बनीं। 19 साल की गॉफ ने फाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-7, 6-3, 6-3 से हराया। यूएस ओपन चैम्पियन गॉफ ने ऑकलैंड क्लासिक का टाइटल बचाया। वे 35 साल बाद लगातार दो ऑकलैंड क्लासिक जीतने वाली पहली अमेरिकन ?खिलाड़ी बनीं। 1988, 1989 में अमेरिका की पैटी फेनडिक ने लगातार दो बार यहां ??खिताब जीते थे। टॉप सीड गॉफ ने 8 करियर डब्ल्यूटीए सिंगल्स फाइनल में से रिकॉर्ड 7वां ?टाइटल जीता। उन्होंने पिछले 33 ?सिंगल्स मैच में से 29 जीते। गॉफ ने टूर्नामेंट में लगातार 10वां मुकाबला अपने नाम किया। वे स्वितोलिना के खिलाफ 2 घंटे 23 मिनट में जीत गईं।

आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम लंबे और मिश्रित सफलता वाले घरेलू सत्र का अंत मंगलवार को यहां तीसरे और अंतिम मुकाबले में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्वदेश में पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीतकर करना चाहेगी। तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर चल रही है और हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम के पास गत विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया

को हराकर 2024 टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के साल की शुरुआत इस प्रारूप में जीत के साथ करने का मौका है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाओं में से केवल एक में जीत दर्ज की है जबकि चार में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने एकमात्र श्रृंखला 2015-16 में ऑस्ट्रेलिया में जीती थी और इस टीम के खिलाफ उसकी उपलब्धियों में यह शीर्ष पर है। भारत ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड नौ विकेट से हराया था लेकिन दूसरे मैच में मेजबान टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए हरमनप्रीत की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय कप्तान सभी प्रारूपों में पिछले 10 मैच में अर्धशतक जड़ने के नाकाम रही है। वह पिछली 11 पारियों में सात बार दोहरे अंक में पहुंचने में नाकाम रही हैं। दूसरे मैच में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन भारत को जीत दिलाने में नाकाम रहीं। उन्होंने 27 गेंद में 31 रन बनाकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया और फिर ऑस्ट्रेलिया की पारी के शुरुआती दो विकेट भी चटकाए लेकिन यह टीम को जीत दिलाने के लिए नाकाफी थी।

शुरुआती दो टी20 मुकाबलों की पिच पर बल्लेबाजों को स्वच्छंद होकर खेलने का मौका नहीं मिला है विशेषकर पहली पारी में जिससे गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला। रविवार को दूसरे टी20 में मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहीं ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ ने कहा, 'यह बल्ले और गेंद के बीच वास्तव में अच्छा मुकाबला रहा है, इसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए कुछ ना कुछ है।%

दीप्ति को भी दूसरे मैच की पिच बल्लेबाजी के लिए चुनौतीपूर्ण लगी। उन्होंने कहा, 'यह बल्लेबाजी के लिए आसान विकेट नहीं था। गेंद टर्न के साथ-साथ (पिच पर टप्पा खाने के बाद) धीमी रह रही थी। मुझे लगता है कि हमने लगभग 15 रन कम बनाए।

शमी इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट से बाहर

सूर्यकुमार हर्निया की सर्जरी के कारण मौजूद नहीं रहेंगे, पहला मैच 25 जनवरी से

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के इंग्लैंड के पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे। टखने की चोट के बाद से उन्होंने गेंदबाजी फिर से शुरू नहीं की है। 25 जनवरी से शुरू होने वाली सीरीज में 5 टेस्ट होंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, शमी ने अभी तक गेंदबाजी भी शुरू नहीं की है, उन्हें एनसीए जाकर अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में उनका खेलना मुश्किल लग रहा है।

दूसरी ओर सूर्यकुमार यादव भी स्क्वॉड से बाहर हो सकते है। वे हर्निया से पीड़ित हैं और उन्हें सर्जरी की जरूरत है। हर्निया के ऑपरेशन के बाद उन्हें मैदान पर प्रैक्टिस करने के लिए भी आठ-नौ सप्ताह तक का समय लग सकता

है। उम्मीद है कि वह आईपीएल के दौरान फिट हो जाएंगे। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए फिलहाल स्क्वॉड जारी नहीं किया है। सूर्या ने भारत के लिए इकलौता टेस्ट 9 फरवरी 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नागपुर में खेला था। इसमें उन्होंने 8 रन बनाए थे।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं थे शमी- मोहम्मद शमी हाल ही में हुए साउथ अफ्रीका के दौरे पर टीम के साथ नहीं गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जब टेस्ट टीम का ऐलान किया था, तब वो स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन बाद में बोर्ड ने बताया कि शमी फिट नहीं होने की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। शमी की जगह आवेश खान को टीम में जगह मिली थी।

पहला टेस्ट हैदराबाद में होगा

भारत की इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज 25 जनवरी से शुरू हो कर 11 मार्च तक चलेगी। इंग्लैंड 5 टेस्ट खेलने के लिए भारत आएगी। दोनों टीमों के बीच भारत में 3 साल बाद टेस्ट सीरीज होगी, 2021 में पिछली सीरीज टीम इंडिया ने 3-1 के अंतर से जीती थी। पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा।

इस बार बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड टीम भारत आएगी। स्टोक्स की कप्तानी में टीम अपने आक्रामक बैटिंग अप्रोच से न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज हरा चुकी है।

हरियाणा-राजस्थान का रणजी मैच ड्रॉ

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा के रोहतक के गांव लाहली स्थित चौ. बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित हरियाणा और राजस्थान की टीम के बीच रणजी ट्रॉफी मुकाबला सोमवार को खराब रोशनी के कारण ड्रॉ हो गया। इससे पहले दो दिन मौसम खराब होने के कारण मैच टलता रहा। रविवार को मौसम खुला तो मुकाबला शुरू हुआ था।

- **खराब मौसम के कारण नहीं खेले खिलाड़ी, दोनों को 1-1 पॉइंट मिला**

वहीं, सोमवार को दोनों टीमों के बीच निर्णायक मैच होना था। लेकिन, मौसम खराब होने के कारण क्रिकेट मैच ही शुरू नहीं हो पाया। हालांकि क्रिकेट प्रेमियों की इस मुकाबले पर निगाह टिकी हैं। इससे पहले राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया था, जो काफी हद तक सही भी साबित हुआ। लेकिन मैच पूरा नहीं होने के कारण निराशा जरूर हाथ लगी। रविवार को रणजी मैच में पहले दिन हरियाणा के बल्लेबाज लड़खड़ाते दिखे। राजस्थान ने टॉस जीतकर हरियाणा को बल्लेबाजी सौंपी थी। पहले दिन के मुकाबले में हरियाणा ने 6 विकेट पर 100 रन बनाए।

दोनों टीमों को एक-एक पॉइंट दिया- वहीं, सोमवार को अंतिम दिन होने वाले खेल पर सभी निगाहें टिकाए हुए थे। सोमवार को मौसम खराब होने व रोशनी ठीक नहीं होने के कारण मुकाबला नहीं हुआ। जिसके चलते दोपहर 2 बजकर 10 मिनट पर मैच ड्रॉ कर दिया। दोनों टीमों को एक-एक पॉइंट दिया गया है।

शाकिब अल हसन सांसद बने

बांलादेशी संसदीय चुनाव में मगुरा के पश्चिम शहर से डेढ़ लाख वोटों से चुनाव जीता

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान शाकिब अल हसन बांग्लादेश के संसदीय चुनाव में जीत हासिल की है। शाकिब ने बांग्लादेश की मौजूदा प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से मगुरा के पश्चिम शहर से चुनावी मैदान में थे। उन्होंने करीब डेढ़ लाख वोटो से जीत मिली है।

फैंस को थप्पड़ मारने का वीडियो भी हुआ वायरल

चुनाव के दौरान फैंस को थप्पड़ मारने का भी वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि इलेक्शन कैंपेन के दौरान वह काफी लोगों से घिरे हुए हैं. इसी दौरान एक शख्स उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता है, तभी शाकिब उसे थप्पड़ मारते हुए एक साइड कर देते हैं। बांग्लादेश के एक स्थानीय चैनल के अनुसार यह वीडियो 3 जनवरी का है, जब शाकिब प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिलने के लिए अवामी लीग पार्टी की फरीदपुर में हुई रैली में भी भाग लेने गए थे।

वर्ल्ड कप में नहीं कर पाए थे बेहतर प्रदर्शन

शाकिब ने आखिरी बार वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान श्रीलंका के खिलाफ खेला था। उनकी कप्तानी में बांग्लादेश पॉइंट टेबल में आठवे स्थान पर थी और ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। शाकिब ने 7 मैचों में 186 रन बनाने के साथ ही 7 विकेट लिए थे। इस दौरान केवल एक अर्धशतक बनाया था।

11 जनवरी को मोहाली में भारत-अफगानिस्तान टी-20 मैच

मुंबई (एजेंसी)। रोहित-कोहली ने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। भारतीय टीम सेमीफाइनल मुकाबला 10 विकेट से हार गई थी।भारत के खिलाफ टी20 मुकाबले में हिस्सा लेने अफगानिस्तान की टीम चंडीगढ़ पहुंच गई है। यह मुकाबला 11 जनवरी को पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के आईएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम में होगा। अफगानिस्तान की टीम आज पीसीए स्टेडियम के बैक साइड वाले एरिया में नेट पर गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास करेगी। अफगानिस्तान की टीम चंडीगढ़ के आईटी पार्क स्थित एक होटल में रुकी हुई है। भारत की टीम 9 जनवरी को चंडीगढ़ आएगी।

टी-20 सीरीज में रोहित-कोहली की वापसी; राहुल, अय्यर और जडेजा बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम के कप्तान रोहित शर्मा होंगे। वे पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद पहला टी-20 इंटरनेशनल खेलेंगे।

रोहित के अलावा, विराट कोहली और शुभमन गिल की भी वापसी हुई है, जबकि केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा को टीम में जगह नहीं दी गई है। सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या और ऋतुराज गायकवाड को चोट के कारण बाहर रखा गया है। ये सभी अपनी-अपनी चोट से उबर नहीं पाए।

यह है भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान और मुकेश कुमार।

गिल और सैमसन की वापसी

टी-20 सीरीज के लिए ओपनर शुभमन गिल और विकेटकीपर संजू सैमसन की टीम में वापसी हुई हैं। ओपनर ऋतुराज गायकवाड चोटिल हैं। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को टीम में जगह नहीं दी गई है। विकेटकीपर ईशान किशन निजी कारणों से उपलब्ध नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में कांग्रेस ने भी छेड़ा रामलला के लिए पूजा अभियान, भाजपा ने भी घर-घर जा शुरू किया राम अक्षत वितरण कार्यक्रम

बेंगलुरु , एजेंसी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के प्रतिष्ठापन के नजदीक आने पर कर्नाटक में चुनावी साल में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा ने हिंदू श्रद्धालुओं को लुभाने का अभियान छेड़ दिया है। राज्य के हिंदू धर्म विन्यास मंत्री ने सभी मंदिरों में प्रार्थना किए जाने का निर्देश दिया है। अब तक राम मंदिर के पक्ष में नहीं बोलने वाली कांग्रेस ने अब राम भक्तों के लिए कमर कस ली है। कर्नाटक के हिंदू धर्म विन्यास मंत्री (मुजराई मंत्री) रामलिंगा रेड्डी ने रविवार को कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन है। इसलिए हिंदू धर्म को बढ़ावा देने वाले विभाग को मैंने बोला है कि वह उस दिन सभी मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं कराएं। कांग्रेस ने इस दिन सभी मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन कराने को अपने हिंदू धर्म विभाग को निर्देश दिया है। वहीं, कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाइ विजयेंद्र येदियुरप्पा ने एक्स पर पोस्ट साझा करके कर्नाटक कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अदालत में राम मंदिर आंदोलन के खिलाफ हलफनामा देने वाले परंपरागत राम विरोधियों ने कन्नड़ रामभक्तों के आगे आखिरकार अपने घुटने टेक दिए हैं। प्रदेश में विपक्षी दल भाजपा ने जन-जन तक पहुंचने के कार्यक्रम के तहत राम अक्षत वितरण कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है। पवित्र पीले चावल लेकर भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, उनके बेटे बीवाइ विजयेंद्र येदियुरप्पा ने बेंगलुरु में हिंदुओं के घरों में जाकर उनका दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया है। भाजपा नेता अक्षत देकर सभी राम भक्तों को 22 जनवरी को अपने घरों में ही विशेष पूजा करने को कह रहे हैं। भाजपा नेताओं ने हिंदू परिवारों से अपील की है कि वह राम लला के आगमन के शुभ दिन अपने घर के बाहर पांच दीपक जलाएं और पास के हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करें।

राजद विधायक के विवादित बयान के समर्थन में उतरे शिक्षा मंत्री

पटना, एजेंसी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रहा। राजद के विधायक फतेह बहादुर सिंह के मंदिर को लेकर कही गई विवादित बातों वाले पोस्टर को अब बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने समर्थन किया है। रोहतास के डेहरी में रविवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि फतेह बहादुर ने सावित्री बाई फुले की बात दोहराई थी न कि अपनी कोई बात बोली थी। उन्होने कहा था कि मंदिर का रास्ता मानसिक गुलामी का रास्ता होता है और स्कूल का रास्ता प्रकाश का रास्ता दिखाता है। उन्होंने कहा कि अब एकलव्य को अंगूठा दान नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि साजिशकर्ता याद रखें बहुजन समाज का इतना पसीना बहेगा कि समंदर बन जाएगा। इधर, जदयू शिक्षा मंत्री के इस समर्थन से तिलमिलाई नजर आ रही है। जदयू के प्रवक्ता और पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने कहा कि स्कूल का रास्ता प्रकाश का रास्ता दिखाता है, लेकिन ज्ञान होना जरूरी है। ज्ञान नहीं होगा तो न कुरान पढ़ पाएंगे न धार्मिक अन्य ग्रंथ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मंदिर की घेराबंदी करती है तो कब्रिस्तान की भी करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान देने वालों को गांव में ठाकुरबाड़ी की ओर भी नहीं देखना चाहिए, क्योंकि वहां रामलला रहते हैं।

मुसलमानों को सीएए से डरने की जरूरत नहीं: जमात प्रमुख

बरेली, एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के बरेली स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने कहा है कि भारत में मुसलमानों के पास सीएए से डरने का कोई कारण नहीं है। यह सरकारी एजेंसियों द्वारा घोषणा किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के नियमों को लोकसभा चुनाव से पहले अधिसूचित किया जाएगा।मुफ्ती ने कहा, अधिनियम में प्रावधानों के विस्तृत विश्लेषण के बाद, हमने पाया कि कानून का भारतीय मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है और यह उन्हें प्रभावित नहीं करेगा, बल्कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश के उन अप्रवासियों को लाभ पहुंचाएगा, जो भारतीय नागरिकता चाहते हैं।रजवी, संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद शफीक-उर-रहमान बर्क की हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। बर्क ने कहा था कि अगर राज्य में सीएए लागू हुआ तो स्थिति गंभीर हो जाएगी। उन्होंने कहा,बर्क समुदाय को डराने और गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। विस्फोटक बयान जारी करने से पहले उन्हें पहले कानून पढ़ना चाहिए और वास्तविकता को समझना चाहिए। इस तरह के बयान एक सांसद की छवि खराब करते हैं।उन्होंने कहा, यह कानून किसी भी तरह से प्यार नहीं बल्कि नफरत ही फैलाएगा। देश चलाने के लिए हमें प्यार की जरूरत है। आने वाले दिनों में हालात और खराब होंगे। सीएए के लागू होने के बाद 2019 में देश के कई शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, इसमें कई मौतें हुईं।असम में पहली बार विरोध प्रदर्शन 4 दिसंबर, 2019 को शुरू हुआ, जब विधेयक संसद में पेश किया गया था। जल्द ही यह दिल्ली सहित प्रमुख शहरों में फैल गया। विरोध प्रदर्शन के परिणामस्वरूप 27 मौतें हुईं, इनमें से 22 मौतें अकेले उत्तर प्रदेश में हुईं।

मोदी-मनोहर सरकार तीसरी बार बनाने को जनता तैयार :नायब सैनी

महेंद्रगढ़, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दस सालों में देश की तस्वीर बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हो रही है तीसरी बार भी मोदी-मनोहर सरकार बनाने के लिए तैयार है। सैनी ने कांग्रेस को भी गरीब विरोधी बताया। प्रदेश अध्यक्ष के सम्मान में रखे गए इस समारोह में राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव ने भी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को सभी के सामने रखते हुए सरकार की तारीफ की। समारोह में हरियाणा के मंत्री ओम प्रकाश यादव व सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक अभय सिंह, विधायक सीताराम, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया व उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व मंत्री एवं नागरिक अभिनदंन समारोह के संयोजक राम बिलास शर्मा ने भी कार्यक्रम में अपना संबोधन रखा। नायब सिंह सैनी ने कहाकि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की ऐसी पहली सरकार है जो कहती है वह करती है। जबकि कांग्रेस की सरकारों ने दशकों तक केवल बातें की और गरीबों का भला नहीं किया। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए सैनी ने कहा कि 55 साल देश पर शासन करने वाली कांग्रेस ने सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को वोट के लिए इस्तेमाल किया। जबकि मोदी और मनोहर सरकार गरीबों के हित में काम करने वाली सरकार है। कांग्रेस शासनकाल में व्याप्त भ्रष्टाचार पर नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के समय इतनी लीकेज थी कि 100 रुपए गरीबों के लिए केंद्र से आते थे और 15 रुपए पहुंचते थे और 85 रुपए गायब हो जाते थे। मोदी-मनोहर सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करके पारदर्शी शासन दिया और भ्रष्टाचार को खत्म किया। नायब सैनी ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है और अब 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा है। ये सब गौरवशाली पल मोदी के नेतृत्व में देखने को मिले हैं। सैनी ने उपस्थित सभी लोगों को 22 जनवरी के दिन दीपावली मनाने की अपील की।

इंदिरा रसोई का नाम बदलने पर सियासी संग्राम

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में इंदिरा रसोई का नाम बदलने को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा की नवनिर्वाचित सरकार ने इंदिरा रसोई का नाम बदलकर अन्नपूर्णा योजना रख दिया है। कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने भाजपा सरकार पर तंज सियासी निशाना साधा है।

प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा, राजस्थान में इंदिरा जी के नाम से इंदिरा रसोई योजना शुरू हुई थी। सुबह और शाम में कुल 800 लोगों को 8 रुपये में भोजन कराया जाता था।

छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना: खाते में रुपए आने के लिए महिलाओं को करना होगा लंबा इंतजार

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। बीजेपी को सरकार बनाने के लिए विधानसभा चुनाव में महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला। इसकी एक खास वजह महतारी वंदन योजना को मान सकते हैं। जिसे भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में शामिल किया था। वहीं सरकार बने एक महीने से ज्यादा का समय हो चुका है लेकिन इस घोषणा का क्रियान्वन कैसे होगा और कब होगा किसी को नहीं पता।

दरअसल भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिलाओं को साल में 12 हजार देने की घोषणा की थी। लेकिन इस योजना का धरातल पर क्रियान्वन कैसे होगा इस पर अब तक कोई अपडेट नहीं आया है। किन महिलाओं को योजना का फायदा मिलेगा यह तय नहीं है। इस मसले पर महिलाओं के मन में कई तरह की सवाल भी चल रहे हैं। प्रदेश में एक ओर जहां सारे सर्वे कांग्रेस की वापसी का दावा कर रहे थे। तो वहीं दूसरी ओर भाजपा की महतारी वंदन योजना ने सारा खेल पलट दिया और एक बार फिर से छत्तीसगढ़ में कमल खिल गया। वही शराब बंदी ना होने से नाराज महिलाओं ने मोदी की गारंटी पर फिर से अपना भरोसा जताया। लेकिन प्रदेश में अनुपूरक बजट पास होने के बाद भी इस योजना को लेकर कोई हलचल सामने नहीं आई है। अब प्रदेश की महिलाओं को आम बजट का इंतजार सता रहा है।

महतारी वंदन योजना को लेकर प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। वहीं कांग्रेस इस योजना को लेकर भाजपा पर हमलावर है। कांग्रेस के पूर्व मंत्री उमेश पटेल ने बीजेपी पर सवाल करते हुए योजना की ड्राफ्ट दिखाने की बात कही है। तो वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता गौरी शंकर श्रीवास ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस आरोपों वाली सियासत से ऊपर उठे और जहां तक बात योजना की है। भाजपा ने कहा कि यह योजना जल्दी धरातल पर नजर आएगी। छत्तीसगढ़ की महिलाओं ने विधानसभा चुनाव में भाजपा पर अपना आशीर्वाद तो बरसा दिया है लेकिन उन्हें महतारी वंदन योजना का लाभ कब तक मिलेगा इसकी जानकारी अभी नहीं है। भाजपा योजना जल्द शुरू करने का दावा तो कर रही है लेकिन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार योजना शुरू करना तो दूर अब तक इसका ड्राफ्ट भी तैयार नहीं किया गया है। अब तक यही तय नहीं हो पा रहा है कि एक परिवार में कितनी विवाहित महिलाओं को इसका लाभ दिया जाएगा। वहीं अब सरकार पर इस योजना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

कार मिली पर लाश मिसिंग... दृश्यम फिल्म की तरह उलझी मॉडल दिव्या पाहुजा मर्डर मिस्ट्री

नई दिल्ली, एजेंसी।
गैंगस्टर संदीप गाडोली की मॉडल गर्लफ्रेंड दिव्या पाहुजा की हत्या का मामला भी दृश्यम फिल्म की मर्डर मिस्ट्री की तरह उलझ गया है। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी अभिजीत को गिरफ्तार कर दिव्या के शव को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल की गई कार तो बरामद कर ली है, लेकिन हत्या के छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक दिव्या के शव को बरामद नहीं कर सकी है।

यह मर्डर मिस्ट्री दृश्यम फिल्म की कहानी की तरह हो गई है, जिसमें पुलिस को मृतक की कार और हत्यारोपी का तो पता था, लेकिन मृतका का शव बरामद नहीं कर सकी थी। फिल्म की तरह अब गुरुग्राम पुलिस की एसआईटी पटियाला की नहर में शव की तालाश में जुटी है। गोताखोरों की मदद से पटियाला नहर में पुलिस शव की तालाश कर रही है।

दिव्या का शव बरामद नहीं होने से 31 जुलाई 2015 आई में दृश्यम फिल्म की कहानी सभी को याद दिला रही है। फिल्म में अजय देवगन की बेटी के साथ गलत हरकत करने वाले पुलिस

महानिदेशक के बेटे की हत्या कर उसके शव को ठिकाने लगा दिया जाता है। इसके बाद पुलिस अजय देवगन तक पहुंच तो जाती है, लेकिन लाख कोशिशों के बाद भी पुलिस मृतक के शव को नहीं ढूंढ पाती है।

दिव्या पाहुजा हत्याकांड की यह असल कहानी शुरू होती है 2015 से। एक पार्टी के दौरान दिव्या के दोस्तों ने उसे गैंगस्टर संदीप गाडोली से मिलवाया था। 20 साल की उम्र में मॉडलिंग करने वाली दिव्या ने गाडोली को अपने जाल में फंसा लिया था। संदीप पर पुलिस ने 1.25 लाख का इनाम रखा हुआ था। पुलिस ने सात फरवरी 2016 को मुंबई में संदीप गाडोली को मुठभेड़ में मार गिराया था। दिव्या उस वक्त उसी के साथ मौजूद थी।

दिव्या पाहुजा की हत्या दो जनवरी की रात को की गई थी। इसके बाद उसके शव को ठिकाने लगाने के लिए अभिजीत ने होटल के दो कर्मचारियों ओमप्रकाश औ हेमराज की मदद ली थी। जिस कार में दिव्या के शव को ठिकाने लगाया गया, वह कार पुलिस को पाटियाला में एक नहर के पास मिली है। अब वहां पुलिस गोताखोरों की मदद से दिव्या की शव की तालाश कर रही है।

दिव्या पाहुजा के मर्डर के बाद अभिजीत ने नई गर्लफ्रेंड को क्यों बुलाया था होटल? एसआईटी की पूछताछ में खुले कई राज: गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड दिव्या पाहुजा की हत्या मामले में अब मुख्य आरोपी होटल मालिक अभिजीत की नई गर्लफ्रेंड की भी एंट्री हो गई है। एसआईटी की पूछताछ में आरोपी अभिजीत ने बताया कि दिव्या की हत्या के बाद लाश को ठिकाने लगाने में मदद के लिए अपनी गर्लफ्रेंड को होटल सिटी पॉइंट में बुलाया था। दिल्ली के नजफगढ़ में रहने वाली इस युवती से एसआईटी ने उसके घर पहुंचकर पूछताछ की है। एसआईटी की पूछताछ में आरोपी अभिजीत की इस नई गर्लफ्रेंड ने बताया कि जब वह होटल पहुंची तो उसने दिव्या की लाश देखी थी। अभिजीत ने दिव्या की लाश ठिकाने लगाने और सबूत मिटाने को कहा, मगर उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया था। एसआईटी की पूछताछ में युवती ने बताया कि वह फूड डिलीवरी के बिजनेस से जुड़ी है।

कुछ लोग 80 साल में भी रिटायर नहीं होना चाहते: अजित पवार

मुंबई, एजेंसी।
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एक बार फिर अपने चाचा और वरिष्ठ राजनेता शरद पवार की उम्र को लेकर उनपर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया। रविवार को उन्होंने कहा कि कुछ लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के होने पर भी राजनीति से रिटायर नहीं होना चाहते हैं।

अजित पवार ने ठाणे में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारी 58 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। ज्यादातर लोग 75 वर्ष की आयु के होने के बाद अपने सक्रिय पेशेवर जीवन को आमतौर पर रोक देते हैं। लेकिन कुछ ऐसे लोग (शरद पवार जैसे) भी हैं जो 80 वर्ष की आयु को पार करने के बाद और अब 84 वर्ष के होने पर भी सेवानिवृत्ति के लिए तैयार नहीं हैं। अजित पवार और उनके प्रति निष्ठा रखने वाले कुछ विधायक पिछले साल जुलाई में शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हुए थे। इसके बाद, उन्होंने राकांपा के नाम और चुनाव चिह्न पर दावा किया था। इस कदम को राकांपा संस्थापक शरद पवार ने निर्वाचन आयोग में चुनौती दी थी। अजित ने कहा, हम यहां काम करने के लिए हैं और हम काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह लोगों की सेवा करने के लिए राज्य सरकार में शामिल हुए हैं। मराठा समुदाय को आरक्षण के लिए चलाए जा रहे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे को परोक्ष रूप से चेतावनी देते हुए अजित ने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार संवैधानिक ढांचे के अंदर मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। राकांपा (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड की ओर संभवतः इशारा करते हुए अजित ने कहा कि कुछ लोग चर्चा को विकासात्मक मुद्दों से भटकाकर अनावश्यक विवादों की ओर ले जा रहे हैं।

पत्नी, दो बेटे और बेटी..: गाजा में हमले में पत्रकार ने खोया पूरा परिवार, कतर ने कहा- इस्राइल ने बनाया निशाना

यरुशलम, एजेंसी।
हमास और इस्राइल के बीच तीन माह से अधिक समय से जंग जारी है। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के हजारों लोगों की मौत हो गई है। जहां इस्राइल ने हमास को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। वहीं, अब आतंकी समूह भी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल न तो जंग की रफ्तार कम हो रही है और न ही लोगों की जान की परवाह की जा रही है। इस बीच, इस्राइली सेना के हवाई हमले में गाजा में दो पत्रकारों के मारे जाने की खबर से पूरा देश सन्न हैं। हमले में अल जजीरा के रिपोर्टर वाएल अल-दहदौह के एक और बेटे हमजा वाएल दहदौह की मौत हो गई। इससे पहले, अक्तूबर में हमले में उन्होंने अपनी पत्नी, एक बेटा, बेटी और पोते को खो दिया था। अपनों को खोने के बाद से वाएल अल-दहदौह सदमे में हैं। कतार मीडिया ने मौतों को टारगेट किलिंग बताया है। हमास के कब्जे

वाले गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से दावा किया गया है कि इस्राइली हवाई हमले में फलस्तीनी क्षेत्र में दो पत्रकार मारे गए हैं। मंत्रालय और डॉक्टरों ने दावा किया कि वीडियो स्ट्रिंगर मुस्तफा थुरिया और अल जजीरा टेलीविजन नेटवर्क के पत्रकार हमजा वेल दहदौह की उस समय हत्या कर दी गई, जब वे एक कार से कहीं जा रहे थे। वहीं, अल जजीरा ने बताया कि उनके दो पत्रकारों की हमलों में मौत हो गई। जबकि एक स्वतंत्र पत्रकार हजेम रजब गंभीर रूप से घायल हैं। हमजा के पिता वाएल अल-दहदौह गाजा पट्टी में अल जजीरा के ब्यूरो प्रमुख हैं और हाल ही में एक हमले में घायल भी हुए थे। युद्ध के शुरुआती हफ्तों में एक अलग इस्राइली हमले में उनकी पत्नी और दो बच्चों के मारे जाने के बाद वह घायल हो गए थे। वहीं थुरिया ने 2019 से एएफपी के साथ काम किया है। बता दें, अभी तक हमास-इस्राइल युद्ध में कतार से संबंधित चैनल अपने तीन पत्रकारों को खो चुका है।

पाकिस्तान में ऑनलाइन फंड जुटा रही थी इमरान खान की पार्टी, हो गया इंटरनेट डाउन

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई वर्चुअल फंडरेजर लॉन्च करने वाली थी लेकिन, उससे पहले ही उनके अभियान को नजर तब लग गई जब देशभर में इंटरनेट डाउन हो गया। पार्टी के लिए यह एक महीने में दूसरा झटका है। पीटीआई ने आरोप लगाया है कि पहले भी पार्टी के एक कार्यक्रम से पहले देशभर में इंटरनेट बंद कर दिया गया था। इस बार भी ऐसा ही किया गया है। इस बार भी लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। पाकिस्तान में एक बार फिर बड़े पैमाने पर इंटरनेट और सोशल मीडिया एप्लिकेशन्स प्रभावित हुए हैं। देश भर के इंटरनेट यूजर्स ने कंप्लेन की है कि उन्हें फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, स्ट्रीमिंग इत्यादि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यूज करने में दिक्कत हो रही थी। संयोग से पाकिस्तान में इंटरनेट डाउन ऐसे वक्त पर हुआ है जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ऑनलाइन फंड जुटाने के लिए वर्चुअल फंडरेजर लॉन्च करने वाली थी।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, लाइव मेट्रिक्स एक्स/ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब सहित पाकिस्तान में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर राष्ट्र-स्तरीय व्यवधान देखा गया है। पिछले महीने, पीटीआई द्वारा एक वर्चुअल पावर शो के दौरान इंटरनेट डाउन की एक ऐसी ही घटना सामने आई थी।

बता दें कि पीटीआई 7 जनवरी रात 9 बजे ऑनलाइन

फंड जुटाने के लिए वर्चुअल फंडरेजर लॉन्च करने वाली थी लेकिन, शाम 6 बजे के आसपास देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों को इंटरनेट यूज करने में दिक्कत होने लगी। कई लोगों ने कंप्लेन की कि वे इंटरनेट और कई सोशल मीडिया ऐप्स यूज नहीं कर पा रहे हैं। इंटरनेट डाउन पर पीटीआई नेताओं और समर्थकों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार उनकी पार्टी को दबाने के लिए ऐसा कर रही है। एक्स पर पीटीआई ने कहा, बिल्कुल शर्मनाक ! पाकिस्तानियों को लगातार हो रहे इस नुकसान के लिए कार्यवाहक आईटी मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। पार्टी नेता तैमूर सलीम खान झागरा ने कहा, एक और पीटीआई ऑनलाइन कार्यक्रम। एक और बार इंटरनेट शटडाउन।

अफ्रीकी बहुत पहले खोज चुके थे डायनासोर के जीवाश्म, रिसर्च में मिले संकेत

जोहान्सबर्ग, एजेंसी।
डायनासोर की शुरुआती हड्डियों की खोज का श्रेय आमतौर पर 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच अपने अन्वेषणों के लिए ब्रिटिश शोधकर्ताओं को दिया जाता है। रॉबर्ट प्लॉट नामक ब्रिटिश प्राकृतिक इतिहास शोधकर्ता ने 1676 में अपनी पुस्तक द नेचुरल हिस्ट्री ऑफ ऑक्सफॉर्डशायर में डायनासोर की हड्डी का जिक्र करने वाले पहले शोधकर्ता थे। अगली दो शताब्दियों में डायनासोर जीवाश्म विज्ञान पर कई ब्रिटिश प्राकृतिक वैज्ञानिकों का वर्चस्व होगा। लेकिन हमारे अध्ययन से पता चलता है कि जीवाश्म विज्ञान का इतिहास इससे भी बहुत पुराना हो सकता है। हमें सबूत मिले हैं कि पहली डायनासोर की हड्डी प्लॉट से 500 साल पहले अफ्रीका में खोजी गई होगी। दक्षिण अफ्रीका में जीवाश्मों का अध्ययन करती है। प्रकाशित और अप्रकाशित पुरातात्विक, ऐतिहासिक व पुरापाषाण साहित्य को ध्यान से देखने पर हमें पता चला कि अफ्रीका में जीवाश्मों में तब से रुचि रही है जब से इस महाद्वीप पर लोग मौजूद हैं। ये आश्चर्यजनक नहीं है। मानव जाति की

उत्पत्ति अफ्रीका में हुई: होमो सेपियन्स का अस्तित्व कम से कम 300,000 वर्षों से है। और इस महाद्वीप में काफी विविधता भरे चट्टानी इलाके हैं, जैसे कि मोरक्को में केम केम, मिस्र में फयूम डिप्रेशन, पूर्वी अफ्रीका में रिफ्ट वैली और दक्षिणी अफ्रीका में कारू। इनमें जीवाश्मों की भरमार रही है और ये हमेशा हमारे पूर्वजों के लिए सुलभ रहे हैं। इसलिए यह संभव नहीं है कि अफ़्रीकी लोगों ने सबसे पहले जीवाश्मों की खोज न की हो। यह अपरिहार्य है। अधिकांशतः, वैज्ञानिकों द्वारा कथित रूप से खोजे गए पहले डायनासोर जीवाश्मों पर उनका ध्यान वास्तव में स्थानीय गाइडों ने दिलाया था। नाइजर के तुआरेग्स समुदाय द्वारा विशाल डायनासोर जोबेरिया और तंजानिया में मवेरा समुदाय द्वारा जिराफैटिटन की खोज इसके उदाहरण हैं। हमारे शोधपत्र का एक मुख्य आकर्षण बोलाहला का पुरातात्विक स्थल है, जो लेसोथो में पाषाण युग के बाद का एक चट्टानी इलाका है। विभिन्न डेटिंग तकनीकों से संकेत मिलता है कि इस स्थल पर 12वीं से 18वीं शताब्दी (1100 से 1700 ईस्वी) तक खोएसन और बासोथो लोगों का कब्जा था। ये इलाका पहाड़ियों से घिरा हुआ है जो इसने लगभग 180 मिलियन से 200 मिलियन वर्ष पहले सहारा जैसे रेगिस्तान के नीचे अस्तित्व में आया था, जहां पहले डायनासोर घूमते थे।

लेसोथो का यह हिस्सा विशेष रूप से मासोस्पोंडिलस कैरिनैटस प्रजाति के 4 से 6 मीटर लंबे, लंबी गर्दन वाले और छोटे सिर वाले डायनासोर की उत्पत्ति के लिए जाना जाता है। मासोस्पोंडिलस की जीवाश्म हड्डियां इस क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में हैं और ये पहले से ही थीं, जब इस स्थल पर मध्य युग में लोगों का कब्जा था। 1990 में, बोलाहला में काम करने वाले पुरातत्वविदों ने पाया कि मासोस्पोंडिलस की एक उंगली की हड्डी, एक जीवाश्म फालानक्स को गुफा में ले जाया गया था। गुफा की दीवारों पर कोई जीवाश्म कंकाल चिपका हुआ नहीं है।

लिहाजा अंदाजा लगाया जा सकता है कि सुदूर अतीत में कोई इसे उठाकर गुफा में ले गया हो, जिसके बाद इन जीवाश्मों का अस्तित्व खत्म हो गया हो। शायद इस व्यक्ति ने साधारण जिज्ञासावश, या इसे एक पेंडेंट या खिलौने में बदलने के लिए, या पारंपरिक उपचार अनुष्ठानों के लिए इसका उपयोग करने के लिए ऐसा किया हो। इस दौर में जीवाश्म को एकत्र करने और सटीक तारीख पता लगाने का प्रयास दुर्भाग्य से समय के साथ विफल हो गया।

वर्तमान शोध को देखते हुए हो सकता है कि यह 12वीं से 18वीं शताब्दी के बीच कभी एकत्र किया गया हो। इससे यह संभावना पैदा होती है कि डायनासोर की यह हड्डी रॉबर्ट प्लॉट की खोज से 500 साल पहले एकत्र की गई होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129